THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 361 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.9 2079 गुरुवार, 16 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विपक्ष के 16 दलों का पैदल मार्च

ईडी ऑफिस से पहले पुलिस ने रोका

25 मिनट बाद प्रदर्शन खत्म, टीएमसी और एनसीपी ने बनाई दूरी

संसद सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भारी हंगामे के बाद विपक्ष के 16 दलों का पैदल मार्च।

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। संसद सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भारी हंगामे के बाद लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता जहां अडाणी मामले की जांच के लिए जेपीसी की मांग पर अड़े रहे, वहीं भाजपा के सांसद लंदन में दिए गए बयान को लेकर राहुल गांधी से माफी की मांग पर डटे रहे।

दूसरी ओर सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर विपक्ष के 16 नेताओं ने बैठक की। आज ही राहुल गांधी विदेश से लौटे और एक बार फिर अडाणी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इधर, सत्र स्थगित होते ही विपक्ष के नेता ईडी ऑफिस पर प्रदर्शन के लिए निकले हालांकि पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक लिया। सत्र शुरू होने से आधे घंटे पहले यानी सुबह साढ़े 10 बजे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पार्लियामेंट चैंबर में विपक्ष के 16 दलों के नेताओं ने बैठक की। इसमें हिंडनबर्ग-अडाणी रिपोर्ट की जांच के लिए जेपीसी की मांग को लेकर सरकार पर और दबाव बनाने पर सहमति बनी। सभी दलों ने एक सुर में अडाणी मामले में सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए। बैठक में यह भी तय हुआ अडाणी मामले की जांच को लेकर एक चिट्ठी लिखी जाएगी, जिस पर सभी विपक्षी सांसदों के दस्तखत होंगे। इसे ईडी को सौंपा जाएगा और जांच की मांग की जाएगी। इसके लिए संसद से लेकर ईडी ऑफिस तक पैदल मार्च किया जाएगा।

इससे पहले संसद सत्र के तीसरे दिन भी भाजपा और कांग्रेस के बीच राहुल और अडाणी मुद्दे को लेकर जमकर टकराव हुआ। भाजपा ने जहां एक बार फिर लंदन में राहुल गांधी के दिए बयान को लेकर उनसे सदन में माफी की मांग की। वहीं कांग्रेस और विपक्षी दलों ने अडाणी-हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जेपीसी से जांच की मांग को लेकर हंगामा किया।

सत्र स्थगित होते ही सभी मार्च के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें ईडी ऑफिस से ढाई किलोमीटर दूर विजय चौक पर ही रोक लिया। सांसद ईडी ऑफिस नहीं जा सके। करीब 25 मिनट तक विजय चौक पर ही प्रदर्शन करने के बाद सभी नेता संसद की ओर लौट गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'सरकार ने 200 सांसदों को रोकने के लिए 2 हजार पुलिसकर्मियों को लगाया है। वे बात लोकतंत्र की करते हैं, लेकिन हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को भी रोका जा रहा है। हम तो सिर्फ ईडी के ऑफिस जाकर अडाणी मामले की डिटेल इन्वेस्टिगेशन के लिए शिकायती चिट्ठी देना चाहते थे। हमें रोकना कौन सा लोकतंत्र है।'

प्रदर्शन में शरद पवार की एनसीपी और ममता बनर्जी की टीएमसी के सांसद शामिल नहीं हुए। संसद जब दो बजे के बाद दोबारा शुरू हुआ तो एक बार फिर इन्हीं मुद्दों पर हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद लगातार तीसरे दिन राज्यसभा और लोकसभा गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

अडाणी मामले कार्रवाई को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी के सांसद कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दलों से अलग प्रदर्शन कर रहे हैं। इस पर टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि सत्ता पक्ष हो या मुख्य विपक्षी दल, दोनों एक-दूसरे के खिलाफ हैं। बंगाल में कांग्रेस पार्टी भाजपा और सीपीएम के साथ मिली हुई है, इसलिए हम कांग्रेस नेताओं द्वारा बुलाई गई बैठकों में शामिल नहीं हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल गांधी की उपस्थिति को लेकर मंगलवार को सवाल उठाया था। बुधवार को खबर आई की राहुल विदेश से लौट आए हैं। वे आज संसद सत्र में भी शामिल हो सकते हैं। कुछ देर बाद राहुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया और एक बार फिर अडाणी के बहाने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने लिखा- भारत का मिसाइल और रडार अपग्रेड कॉन्ट्रैक्ट अडाणी के स्वामित्व वाली कंपनी और इलारा नाम की एक संदिग्ध विदेशी संस्था को दिया गया है। इलारा को कौन कंट्रोल करता है? अनजान विदेशी कंपनियों को भारत की रणनीतिक रक्षा उपकरणों का नियंत्रण देकर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता क्यों किया जा रहा है?

लोकसभा-राज्यसभा से मिले बुलेटिन के मुताबिक, संसद के इस सत्र में कुल 35 बिल पेंडिंग हैं। इनमें लोकसभा में 9 और राज्य सभा में 26 बिल पेश होने हैं। हालांकि, सत्र के पहले चरण में विधेयकों पर चर्चा और पारित किए जाने की संभावना कम है। वहीं, कई महत्वपूर्ण बिल भी पेश किए जा सकते हैं।

स्मृति बोलीं-राहुल संसद में आकर माफी मांगें

8नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। बजट सत्र के तीसरे दिन की शुरुआत से पहले स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर विदेश में देश का अपमान करने, संसद से गैरहाजिर रहने और माफी न मांगने पर जमकर हमला बोला। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्मृति ने कहा कि राहुल गांधी की पीएम मोदी के लिए नफरत अब देश के लिए नफरत में बदल चुकी है। इसलिए हर भारतीय ये मांग करता है कि वे संसद में आकर माफी मांगें।

हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्मृति ईरानी के आरोपों पर कहा-'मैं माफी मांगने वालों से एक सवाल पूछना चाहता हूं। पीएम मोदी भी 5-6 देशों में गए थे। जहां उन्होंने कहा था कि भारत में जन्म लेना पाप है। अभिव्यक्ति की आजादी को कमजोर किया जा रहा है। सच बोलने वालों को जेल हो रही है। यह लोकतंत्र का अंत नहीं तो क्या है? इसलिए माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता। हम भी उनसे पूछेंगे कि आप इतने देशों में गए और यहां के लोगों का अपमान किया। राहुल गांधी ने तो सिर्फ लोकतंत्र पर बात की। जब लोग बहस में जाते हैं, तो वे अपनी राय रखते ही हैं।'

सुप्रीम कोर्ट से बीआरएस एमएलसी कविता को कोई राहत नहीं

ईडी ने आज फिर से किया तलब

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी और तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के कविता को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। वहीं सुप्रीम कोर्ट 24 मार्च को दिल्ली आबकारी पुलिस मामले में ईडी के समन के खिलाफ बीआरएस एमएलसी के कविता की याचिका को सूचीबद्ध करने के लिए सहमत है।

ईडी बुलाएगी तो जाएंगे और जवाब देंगे

बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि जो भी पीएम मोदी के खिलाफ बोलता है उसे बुलाया जाता है और सवाल किया जाता है। यह गलत है, सभी को सवाल करने का अधिकार है। उन्होंने (भाजपा) पहले व्यापारिक घरानों पर छापा मारा और उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश की, फिर उन्होंने राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने की कोशिश की। हम लड़ेंगे, हमने कुछ गलत नहीं किया है। जब भी हमें उनके द्वारा बुलाया जाएगा (ईडी) हम जाएंगे और जवाब देंगे।

महिला आरक्षण बिल तुरंत लाया जाए

बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि महिला आरक्षण बिल तुरंत लाया जाए। इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए हम बैठक आयोजित कर रहे हैं। इस बिल का समर्थन करने वालों को आज बुलाया जाएगा। हम इस बिल को लाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने कांग्रेस से भी भाग लेने का अनुरोध किया है।

दिल्ली सीएम ने पुरानी आबकारी नीति को आगे बढ़ाया, नई नीति के मामले में जेल गए डिप्टी सीएम

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में वर्तमान में चल रही आबकारी नीति अभी आगे भी जारी रहेगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को वर्तमान आबकारी नीति को छह माह के लिए आगे बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही केजरीवाल ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को नई आबकारी नीति पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही दिल्ली सरकार ने आगामी तीन महीनों में 5 ड्राई डे भी घोषित किए हैं। मौजूदा एक्साइज पॉलिसी 30 सितंबर तक मान्य रहेगी। वहीं दिल्ली सरकार ने ड्राइ डे की लिस्ट भी घोषित कर दी है। दिल्ली में आगामी तीन माह में 5 ड्राइ डे रहेंगे। दिल्ली सरकार ने महावीर जयंती पर 4 अप्रैल, गुड फ्राइडे को 7 अप्रैल, ईद उल फितर 22 अप्रैल, बुद्ध पूर्णिमा को 5 मई और ईद उल जुहा को 29 जून पर ड्राई डे घोषित किया है। >14

लैंड फॉर जॉब्स स्कैम में लालू-राबड़ी और बेटी को जमानत

लालू व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे थे; सीबीआई ने बेल का विरोध नहीं किया

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे में लैंड फॉर जॉब्स यानी जमीन के बदले नौकरी देने के कथित भ्रष्टाचार के केस में लालू परिवार को बड़ी राहत मिली है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती को जमानत मिल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 50 हजार के निजी मुचलके पर तीनों को जमानत दी है। इस मामले में अब 29 मार्च को अगली सुनवाई होगी।

लालू को व्हीलचेयर पर लेकर पत्नी राबड़ी देवी और बेटी राज्यसभा सांसद मीसा भारती कोर्ट के अंदर पहुंचीं थीं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। कोर्ट ने 27 फरवरी को लालू की पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती समेत 14 अन्य आरोपियों को समन जारी किया था।

समन जारी होने से पहले सीबीआई लालू से दिल्ली में और राबड़ी से पटना में पूछताछ कर चुकी है। सीबीआई की ओर से 5 महीने पहले इस केस में चार्जशीट दाखिल की गई थी। साल 2004 से 2009 के दौरान रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर रेलवे में नौकरी के बदले लोगों से जमीन लेने का आरोप है। लालू परिवार को ये जमीन उपहार में दी गई या कम कीमत पर बेच दी गई। सीबीआई का आरोप है कि रेलवे की ग्रुप-डी भर्ती में नियम-कानून ताक पर रखकर नियुक्तियां की गईं थीं।

चार्जशीट में रेलवे के कई अधिकारियों के नाम, जमीन के डॉक्यूमेंट भी गलत

स्पेशल कोर्ट में दायर चार्जशीट में सीबीआई ने बताया, "जांच में सेंट्रल रेलवे के कई अधिकारियों का भी नाम सामने आया है। इसमें जीएम और सीपीओ स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। इन लोगों ने जॉब के बदले फर्जी तरीके से अपने करीबियों के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री करवाई है। रजिस्ट्री भी सर्कल रेट से कम कीमत में कराई गई और जमीन औने-पौने दाम में अधिकारियों के नाम कर दी गई। चार्जशीट के मुताबिक जमीन के बदले नौकरी पाने वाले कर्मचारियों के डॉक्यूमेंट भी सही नहीं पाए गए हैं। उनके कई कागजात फर्जी हैं। यहां तक कि डॉक्यूमेंट में शामिल उनके टीसी भी गलत तरीके से सर्टिफाइड कराए गए हैं।

केंद्र ने अब तक 54 आतंकवादी और 44 आतंकी संगठनों को किया बैन

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार ने फरवरी 2023 तक यूएपीए की चौथी अनुसूची और प्रथम अनुसूची के अंतर्गत 54 आतंकवादियों और 44 आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध कर बैन किया है। वहीं इस साल 2023 में अब तक 4 आतंकी संगठन बैन किए जा चुके हैं। राज्यसभा में गृह मंत्रालय की तरफ से बुधवार को ये जानकारी दी गई। राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत वर्ष 2023 में अब तक चार संगठनों को आतंकवादी संगठनों के रूप में अधिसूचित किया गया है और उनके नामों को उक्त अधिनियम की प्रथम सूची में जोड़ा गया है। ये संगठन आतंकवाद में संलिप्त रहे हैं तथा इन्होंने भारत में आतंकवाद के विभिन्न कृत्यों को अंजाम दिया है और उनमें भाग लिया है। गृह राज्यमंत्री ने बताया कि इस साल 2023 में बैन किए गए 4 आतंकी संगठनों में पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ), जम्मू और कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ), खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) शामिल हैं।

शिवसेना विवाद : राज्यपाल पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

'सही नहीं किया, आपको कैसे पता आगे क्या होगा-लोकतंत्र के लिए दुखद'

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पर बड़े सवाल उठाए और कहा कि वे इस मामले में राज्यपाल की भूमिका को लेकर चिंतित हैं। पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा, राज्यपाल को इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं करना चाहिए, जहां उनकी कार्रवाई से एक विशेष परिणाम निकलेगा। सवाल यह है कि क्या राज्यपाल सिर्फ इसलिए सरकार गिरा सकते हैं क्योंकि किसी विधायक ने कहा कि उनके जीवन और संपत्ति को खतरा है?'

शीर्ष न्यायालय ने कहा, "क्या विश्वास मत बुलाने के लिए कोई संवैधानिक संकट था? सरकार को गिराने में राज्यपाल स्वेच्छा से सहयोगी नहीं हो सकते। लोकतंत्र में यह एक दुखद तस्वीर है। सुरक्षा के लिए खतरा विश्वास मत का आधार नहीं हो सकता।' प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने राज्यपाल से कहा कि उन्हें इस तरह विश्वास मत नहीं बुलाना चाहिए था। सीजेआई ने कहा, "उनको खुद ये पूछना चाहिए था कि तीन साल की सुखद शादी के बाद क्या हुआ? राज्यपाल ने कैसे अंदाजा लगाया कि आगे क्या होने वाला है?'

विभाजित और प्रतिद्वंद्वी गुट के बीच अंतर बहुत कम

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ एकनाथ शिंदे गुट से कहा कि विभाजित और प्रतिद्वंद्वी गुट के बीच अंतर बहुत कम है और स्पीकर के लिए यह कहना बहुत आसान है कि यह विभाजन का मामला है या नहीं, लेकिन सवाल यह है कि पीठासीन अधिकारी के लिए प्रथम दृष्टया विचार करने के लिए क्या रूपरेखा होनी चाहिए। शिंदे समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि, तत्कालीन महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को पिछले साल सदन के पटल पर बहुमत साबित करने के लिए बुलाकर कुछ भी गलत नहीं किया।

शिंदे समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कहा कि 1994 के फैसले में, शीर्ष अदालत की नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा था कि शक्ति परीक्षण लोकतंत्र का लिटमस टेस्ट है और मुख्यमंत्री इससे दूर नहीं रह सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर मुख्यमंत्री फ्लोर टेस्ट का सामना करने की जिम्मेदारी से बचते हैं, तो इसका मतलब है कि उनके पास सदन का बहुमत नहीं है। कौल ने खंडपीठ के समक्ष दलील दी - जिसमें जस्टिस एमआर शाह, कृष्ण मुरारी, हिमा कोहली और पीएस नरसिम्हा भी शामिल हैं कि यह तयशुदा कानून है कि सदन के स्पीकर को प्रथम दृष्टया यह देखना होता है कि क्या किसी राजनीतिक दल में विभाजन हुआ है और यह उसके सामने रखी गई सामग्री के आधार पर तय किया जाना है और वह लगातार पूछ नहीं सकते।

एनडीपीएस आरोपी को मेडिकल आधार पर जमानत

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मादक पदार्थ विरोधी कानून के तहत दर्ज मामले में आरोपी को मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दे दी। आरोपी के वकील द्वारा कहा गया था कि याचिकाकर्ता वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने आरोपी द्वारा दायर याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि चार हफ्तों में वापसी योग्य नोटिस जारी करें। याचिकाकर्ता की चिकित्सा स्थिति को देखते हुए उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है और जेल अस्पताल में उनके इलाज के लिए कोई उचित चिकित्सा सुविधा नहीं है, हम याचिकाकर्ता को अंतरिम जमानत पर रिहा करने के इच्छुक हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपी को ऐसे नियमों और शर्तों पर अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है, जो निचली अदालत उचित समझे। आरोपी की ओर से पेश अधिवक्ता नमित सक्सेना ने कहा कि आरोपी 10 किलो गांजा रखने के लिए नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत आरोपों का सामना कर रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल की तबीयत बिगड़ गई है और वह फिलहाल वेंटिलेटर सपोर्ट पर है।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले-राज्य के डीजीपी नालायक

बेंगलुरु, 15 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने राज्य के डीजीपी प्रवीण सूद की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिवकुमार ने प्रवीण पर नन्जे गौड़ा और उरी गौड़ा के नाम पर प्रवेश द्वार बनाने की अनुमति देने का आरोप लगाया है। हिन्दू कार्यकर्ताओं के मुताबिक, नन्जे और उरी ने मैसूरु के शासक टीपू सुल्तान की हत्या की थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- यह डीजीपी नालायक है। उन्होंने दावा किया कि वह राज्य की भाजपा सरकार का बचाव कर रहे हैं और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ केस दर्ज कर रहे हैं। तिगला समुदाय के सदस्यों के सम्मेलन में भाग लेने से पहले पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने आगे कहा कि डीजीपी राज्य सरकार की कठपुतली के रूप में काम कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे को फिर लगा झटका

अब पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने छोड़ा साथ, एकनाथ शिंदे का थामा हाथ

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्ता गंवाने के बाद से उद्धव ठाकरे को एक के बाद एक झटके लगे रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा शिवसेना का सिंबल और नाम शिंदे गुट को दिए जाने के बाद अब एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ है। दरअसल, ठाकरे गुट के नेता और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने ठाकरे का दामन छोड़ दिया है। उन्होंने सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ली। एक के बाद एक नेताओं के जाने से उद्धव ठाकरे गुट का पलड़ा कमजोर होता दिख रहा है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि आगामी चुनावों में एकनाथ शिंदे को इसका फायदा मिलेगा। महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रमों के बीच बीते सोमवार को ही पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के करीबी सुभाष देसाई के बेटे भूषण देसाई ने शिवसेना का दामन थाम लिया था। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की।

इमरान को गिरफ्तार किए बगैर लौटी पुलिस

कहा-लाहौर में 19 मार्च तक क्रिकेट मैच, हम नहीं चाहते कि दिक्कत हो

लाहौर/इस्लामाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने की हर कोशिश नाकाम होती नजर आ रही है। पुलिस और रेंजर्स की टीम 22 घंटे बाद खान के लाहौर वाले बंगले (जमान पार्क) से लौट गई।

इमरान समर्थक खुशियां मनाते देखे जा रहे हैं। पुलिस ने लौटने के लिए क्रिकेट मैचों का बहाना बनाया है। इस बीच इमरान ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कहा- पुलिस गोलियां चला रही है। गिरफ्तारी सिर्फ बहाना है, असली मकसद तो मेरी हत्या करना है। ये साजिश लंदन में रची गई थी। लाहौर पुलिस के एक अफसर ने कहा- हमने इमरान खान की गिरफ्तारी टालने का फैसला किया है। इसकी वजह यह है कि लाहौर में 15 से 19 मार्च तक पाकिस्तान सुपर लीग- सीजन आठ के मैच कज्जाफी स्टेडियम में खेले जाने हैं। 19 मार्च को फाइनल है। शहर में अफरातफरी और हिंसा का माहौल बना रहा तो पाकिस्तानी और फॉरेन प्लेयर्स को दिक्कत हो सकती है। लिहाजा, हम फोर्स को वापस बुला रहे हैं। इमरान को तोशाखाना केस में गिरफ्तार किया जाना था। मंगलवार शाम पुलिस और रेंजर्स की टीम यहां पहुंची थी। इमरान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पत्थर और लाठियों से हमला कर दिया। पुलिस बैकफुट पर नजर आई। रेंजर्स भी हालात काबू में नहीं कर सके। पुलिस पर पेट्रोल बम भी फेंके गए। हेलिकॉप्टर और ड्रोन भी तैनात किए गए थे।

इमरान पर सरकारी खजाने (तोशाखाना) के बेशकीमती गिफ्ट्स कौड़ियों के दाम खरीदकर उन्हें अरबों रुपए में बेचने का आरोप है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें 29 मार्च तक गिरफ्तार करने का ऑर्डर जारी किया था। बुधवार को इमरान ने गिरफ्तारी वारंट रद्द करने के लिए याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

राष्ट्रपति ने सांसदों के लिए की चाय की मेजबानी

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और हरियाणा के संसद सदस्यों के लिए चाय की मेजबानी की। इस मौके पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुनराम मेघवाल और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी व शशि थरूर आदि मौजूद थे।

एच3एन2 वायरस का खतरा बढ़ा

पुडुचेरी में सभी स्कूल 16 से 26 मार्च तक बंद

पुडुचेरी, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत में एच3एन2 वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एच3एन2 वायरस के मामलों में हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए पुडुचेरी में 10 दिनों के लिए जूनियर स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पुडुचेरी के शिक्षा मंत्री नमस्सिवम ने 16 मार्च से अगले दिनों तक के लिए कक्षा 1 से 8 तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। शिक्षा मंत्री नमस्सिवम ने कहा कि भारत में एच3एन2 वायरस इन्फ्लूएंजा के मामलों में आए उछाल को देखते हुए 10 मार्च से 26 मार्च तक स्कूल बंद रहेंगे। भारत में एच3एन2 वायरस के कारण, लोगों को सांस की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह इन्फ्लुएंजा ए वायरस का एक सब वेरिएंट है जिसमें पिछले कुछ दिनों में तेजी देखी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीते शुक्रवार को जो आंकड़े शेयर किए उसके अनुसार भारत में 2 जनवरी से 5 मार्च के बीच एच3एन2 वायरस के 451 मामले सामने आए हैं।

भारत में अब तक हो चुकी है कुल 7 मौत

वहीं सोमवार को गुजरात के बडोदरा में एक 58 वर्षीय महिला की एच3एन2 इन्फ्लुएंजा वायरस से मौत हो गई है। इस महिला की मौत को मिलाकर देश भर में अब तक इस एचश्रीएनटू वायरस से कुल 7 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पहली मौत कर्नाटक के हासन जिले में हुई थी जहां एच3एन2 वायरस के कारण एक 82 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई थी।

हीट वेव अलर्ट के बीच

आंध्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में होगी प्री मानसून बारिश, किसानों के लिए खतरे की घंटी, नॉर्थ ईस्ट में आरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने हीट वेव अलर्ट के बीच आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है. मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से शनिवार (15-18 मार्च) के बीच तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु में छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है. तेलंगाना में गुरुवार से शनिवार (16-18 मार्च) तक अलग-अलग ओलावृष्टि संभव है. हालांकि, बारिश-आंधी और ओलावृष्टि से खड़ी फसलों को भी नुकसान हो सकता है. मौसम विभाग ने किसानों को खराब मौसम से अपनी फसलों

और पशुओं को बचाने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी है.

आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में बारिश का अनुमान

मेट टीम ने संकेत दिया कि शुक्रवार के बाद बारिश की गतिविधि तेज होने की उम्मीद है. शुक्रवार और शनिवार (17 और 18 मार्च) को तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश होने का अनुमान हैं. गुरुवार के लिए तेलंगाना को लेकर ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है.

त्रिपुरा में भी छिटपुट हल्की बारिश का अनुमान

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में भी छिटपुट हल्की बारिश का अनुमान लगाया है. बुधवार को राज्य के स्थानीय इलाकों में भारी बारिश (64.5 मिमी-115.5 मिमी) होने की संभावना है. पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में आज ओलावृष्टि भी होते दिख सकती है.

सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए... - आईएमडी

इस अजीबोगरीब मौसम के कारण आईएमडी ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों को एक ऑरेंज अलर्ट (खतरनाक मौसम के खिलाफ सावधानी बरतने) जारी किया है.

जम्मू-कश्मीर में..

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में मौसम शुष्क रहा. मौसम विभाग ने बुधवार को कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान तेज धूप जारी रहने की संभावना है. श्रीनगर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 5.1, पहलगाम में 0.8 और गुलमर्ग में 1.4 डिग्री सेल्सियस रहा.

लद्दाख की पहली सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट रिगजिन कोरोल से मिले उत्तरी सेना प्रमुख

जम्मू, 15 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर उत्तरी सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी बुधवार को लद्दाख दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने लद्दाख की पहली सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट रिगजिन कोरोल मुलाकात की। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सभी बाधाओं को पार कर लद्दाख की पहली महिला अधिकारी बनने और अपने पति के सपने को साकार करने के लिए लेफ्टिनेंट रिगजिन की सराहना की। उत्तरी कमान ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और लेफ्टिनेंट रिगजिन कोरोल की भेंट की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसे साझा करते हुए उत्तरी कमान ने लिखा, 'लद्दाख से महिलाओं के लिए एक आइकन का सम्मान। उत्तरी सेना कमांडर ने सभी बाधाओं को पार कर लद्दाख की पहली महिला अधिकारी बनने और अपने पति के सपने को साकार करने के लिए लेफ्टिनेंट रिगजिन कोरोल की सराहना की।'

हाईवे पर ट्रक और सीआरपीएफ के वाहन में टक्कर, पांच जवान घायल, अस्पताल भर्ती

उधमपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-उधमपुर राजमार्ग पर बुधवार को ट्रक और सीआरपीएफ के वाहन के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच जवान घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू संभाग के उधमपुर जिले के मांड इलाके के पास एक निजी ट्रक और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इसमें सीआरपीएफ के चार उपनिरीक्षक और एक जवान घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैंकॉक से बेंगलुरु पहुंचे यात्री की चप्पल से निकला सोना

कीमत सुनकर उड़ जाएंगे होश

बेंगलुरू, 15 मार्च (एजेंसियां)। देश के हवाई अड्डों से आए दिन कस्टम विभाग अपनी कार्रवाई में बड़ी मात्रा में ड्रग, सोना पकड़ रहा हैं। इसी कड़ी में इंडिगो फ्लाइट से बैंकॉक से बेंगलुरु पहुंचे एक यात्री की चप्पल से 69.40 लाख रुपये का 1.2 किलोग्राम सोना मिला है। कस्टम विभाग ने बताया कि बैंकॉक से बेंगलुरु पहुंचे यात्री ने जिस तरह से सोना चप्पल में छुपाया था वह काफी हैरान कर देने वाला था। हालांकि कार्रवाई कर सोना जब्त किया गया है।

मुनीम की हत्या और 22 लाख की लूट

सतना, 15 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सतना में दिनदहाड़े हुई मुनीम की हत्या और 22 लाख की लूट मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पता चला है कि वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह में यूपी के शूटर शामिल थे। वारदात की योजना सतना केंद्रीय जेल में बनी थी। सतना एसपी आशुतोष गुप्ता ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शहर के सर्किट हाउस चौराहे के समीप सेंट्रल बैंक के सामने 6 मार्च को दिनदहाड़े गोली मारकर शराब कंपनी के मुनीम की हत्या और 22 लाख रुपए की लूट मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें अभी पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ की जाएगी। पकड़े गए आरोपियों में मनीष सिंह पिता अमरजीत उर्फ उमेश बरगाही (24) निवासी सोनवर्षा कोटर हाल निवासी दुर्गा नगर नई बस्ती, गौरव सिंह बरगाही पिता सतीश सिंह बरगाही (28) निवासी रैगांव सिंहपुर और दीपनारायण उर्फ दीपक पिता आदित्य पांडेय (32) निवासी सोहास कोटर सतना शामिल हैं।

आवारा कुत्तों से होने वाली घटनाओं को लेकर मेयर ने की आपातकालीन बैठक

एक्शन प्लान तैयार करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ आज एक आपात बैठक की. वसंत कुंज में कुत्तों द्वारा बच्चों को काटने की घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए. साथ ही लापरवाही बरतने पर अधिकारियों की खिंचाई की और विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ऐसी कोई घटना दोबारा न हो. वहीं मेयर ने अधिकारियों को आवारा कुत्तों से दिल्लीवासियों को निजात दिलाने के मुद्दे पर एक सप्ताह के भीतर कार्य योजना तैयार करने को कहा है. इसके अलावा मेयर ने पशुओं से जुड़े एनजीओ, गौशाला संचालकों और पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की बैठक भी बुलाई है. बैठक के दौरान अधिकारियों ने आवारा जानवरों को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया.

एमसीडी के 20 नसबंदी केंद्र हैं, 16 काम कर रहे हैं

आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए एमसीडी विभिन्न एनजीओ के साथ मिलकर काम करती है. वर्तमान में एमसीडी के 20 नसबंदी केंद्र हैं जिनमें से 16 काम कर रहे हैं. अधिकारियों ने बताया कि शहर में कुत्तों की आबादी कम करने के लिए और अधिक नसबंदी केंद्रों की जरूरत है. वहीं मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा, इनकी जनसंख्या को कम करने के लिए आवश्यक ढांचे का अभाव है. एमसीडी ने कई वर्षों से आवारा जानवरों की आबादी का पता लगाने के लिए जनगणना नहीं की.

वसंत कुंज घटना की जांच के लिए रणनीति के निर्देश

दूसरी तरफ मेयर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए रणनीति बनाने के निर्देश दिए. उन्हें बताया कि वसंत कुंज की घटना के बाद इसकी जांच के लिए 4 टीमों को तैनात किया गया है. वहां से लगभग 50 कुत्तों को उठाया गया है जिनमें से 90 फीसदी कुत्तों की नसबंदी की गई है. मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मवेशी और आवारा कुत्ते दिल्ली के लोगों के लिए परेशानी का कारण न बनें. साथ ही विभाग को कुत्ते और मवेशी पकड़ने पर दैनिक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है. बैठक में डिप्टी मेयर आले मुहम्मद इकबाल, राजेंद्र नगर विधायक दुर्गेश पाठक सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे.

डीके शिवकुमार ने जेडीएस पर फोड़ा पॉलिटिकल बम

कहा- कुमारस्वामी के बेटे के खिलाफ उनके भाई लड़ेंगे चुनाव

बेंगलुरु, 15 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के पुराने मैसूर क्षेत्र की रामनगर सीट पर इस बार दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है. कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने इस सीट से अपने भाई को चुनाव लड़ाने के संकेत दिए हैं. खास बात ये है कि रामनगर सीट कर्नाटक के पूर्व सीएम और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता निखिल कुमारस्वामी की सीट है. वोक्कालिंगा समुदाय के प्रभाव वाली इस सीट पर दो हाई प्रोफाइल नेताओं के चुनाव लड़ने से इस इलाके की सीटों पर भी असर पड़ेगा. दिलचस्प बात ये है कि रामनगर डीके शिवकुमार का गृह जिला है. इसके साथ ही डीके शिवकुमार और कुमारस्वामी दोनों ही वोक्कालिंगा समुदाय से आते हैं. यही वजह है कि रामनगर सीट के समीकरणों का असर इलाके की दूसरी सीटों पर भी पड़ेगा. डीके शिवकुमार ने कहा है कि रामनगर से उनके भाई डीके सुरेश को चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव मिला है. डीके सुरेश अभी बेंगलुरु ग्रामीण लोकसभा सीट से सांसद हैं.

क्या कहा डीके शिवकुमार ने?

भाई के चुनाव लड़ने पर डीके शिवकुमार ने कहा, मैं इससे इंकार नहीं कर सकता, लेकिन हां, एक प्रस्ताव है. मुझे अभी इस बारे में सबके साथ चर्चा करनी है. मेरे लिए संदेश है कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए. स्थानीय नेता मुझ पर दबाव बना रहे हैं और पार्टी भी कह रही है कि सुरेश को चुनाव लड़ना चाहिए. मैंने अभी इस बारे में सुरेश या पार्टी कार्यकर्ताओं से बात नहीं की है. यह एक बड़ा फैसला है, लेकिन अभी हुआ नहीं है.

दो वोक्कालिंगा में जंग!

ओल्ड मैसूर इलाके में विधानसभा की 66 सीटें आती हैं. यहां वोक्कालिंगा समुदाय की बड़ी आबादी रहती है और यह इलाके की राजनीति भी तय करता है. लिंगायतों के बाद यह समुदाय राज्य की राजनीति में सबसे ज्यादा असर रखता है. अभी तक इस इलाके में जेडीएस का असर रहा है. कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष के अपने भाई को मैदान में उतारने का संकेत जेडीएस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. अभी तक रामनगर सीट जेडीएस का गढ़ रही है लेकिन डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश के उतरने के बाद यहां पर वोक्कालिंगा वोटों का बंटवारा होना तय है.

स्पेशल बेंच करेगी विकास सिंह के मामले की सुनवाई

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के बीच हुए विवाद में फिलहाल बार दो फाड़ होती दिख रही है तो दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट के रुख में भी नरमी देखने को मिल रही है। जिस जमीन के मामले की सुनवाई के लिए विकास सिंह और सीजेआई में विवाद हुआ उसके लिए स्पेशल बेंच गठित की गई है। सीजेआई समेत तीन जज उस मामले को सुनेंगे। शुक्रवार को मामले की सुनवाई की जाएगी। सीजेआई के साथ बेंच में संजय किशन कौल और पीएस नरसिम्हा शामिल हैं। सबसे अहम बात इस मामले में देखने को ये मिली है कि खुद वकीलों ने विकास सिंह को ताकीद कर डाली कि वो कपिल सिब्बल और नीरज किशन कौल के खिलाफ दिए गए दो प्रस्तावों को वापस लेने पर विचार करें। बुधवार को विकास सिंह का स्टैंड तब और कमजोर पड़ा जब भारत के पूर्व अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने भी विकास सिंह को चिट्ठी लिखकर कहा कि वो सिब्बल और कौल के खिलाफ सख्त रवैया न अख्तियार करें। उनका कहना था कि जूडिशरी और बार के बीच समन्वय होना बहुत जरूरी है। इससे पहले मंगलवार को 470 वकीलों ने विकास सिंह को चिट्ठी लिख कहा था कि वो सिब्बल और कौल के खिलाफ प्रस्ताव को वापस लें। एससीबीए ने होली से एक दिन पहले दो सौ से ज्यादा वकीलों की मांग पर कपिल सिब्बल और कौ के खिलाफ दो प्रस्ताव जारी किए थे। इनमें कहा गया था कि दोनों ने सीजेआई से माफी मांगकर गलत किया। उन्हें मामले का पता ही नहीं था तो वो कैसे माफी मांगने चले गए। दोनों के खिलाफ दो प्रस्ताव दिए गए थे। इन प्रस्तावों को बार की जनरल बॉडी की मीटिंग में 16 को रखा जाना था। वोटिंग से फैसला कराया जाना था कि सिब्बल और कौल को नोटिस दिया जाए या नहीं। ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट में मौजूद जमीन के एक टुकड़े को बार के हवाले करने की मांग विकास सिंह कर रहे हैं। वो इस मामले की अर्जेंट सुनवाई के लिए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की कोर्ट में पहुंचे थे। सीजेआई ने उनसे कहा कि वो एक आम याचिका कर्ता की तरह से उनके मामले को सुनेंगे।

सोना तस्करी की आरोपी स्वप्ना सुरेश ने मुख्यमंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

ब्रह्मपुरम मामले पर घेरा

तिरुवनन्तपुरम, 15 मार्च (एजेंसियां)। सोने की तस्करी मामले में आरोपी स्वप्ना सुरेश ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वप्ना सुरेश ने आरोप लगाया कि ब्रह्मपुरम कचरा प्रबंधन प्लांट डील में विजयन के करीबी और केरल के पूर्व मुख्य सचिव एम शिवशंकर का हाथ है। स्वपना सुरेश का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब ब्रह्मपुरम के कचरा प्रबंधन प्लांट में बीते कई दिनों से आग लगी है और उसकी वजह से कोच्चि की हवा दमघोंटू हो गई है। स्वप्ना सुरेश ने फेसबुक पर लिखी एक पोस्ट में आरोप लगाया कि ब्रह्मपुरम कचरा प्रबंधन प्लांट में लगी आग पर मुख्यमंत्री पी विजयन ने इसलिए कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है क्योंकि केरल के पूर्व मुख्य सचिव लेकर लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तक इस प्लांट निर्माण की डील में शामिल हैं। मुख्यमंत्री पर सीधा हमला करते हुए सुरेश ने कहा कि 'आप सोच रहे होंगे कि मैं इस मामले को क्यों उठा रही हूं, उसकी वजह ये है कि मैं भी कोच्चि में रहती हूं और बचकर बेंगलुरु आई हूं लेकिन मैं मरी नहीं हूं।' बता दें कि ब्रह्मपुरम कचरा प्लांट में बीती 2 मार्च को आग लगी थी, जिसकी वजह से कोच्चि की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है और कई लोगों को शहर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। आग को बुझाने के लिए राहत और बचाव कार्य चल

रहा है और अभी तक आग बुझाने में 5 हजार लीटर से ज्यादा पानी इस्तेमाल हो चुका है। सेना, पुलिस और जिला प्रशासन आग बुझाने में जुटे हैं। फिलहाल आग नियंत्रण में है लेकिन अभी भी धुएं से प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा हुआ है।

बोरवेल से निकाला गया 7 साल का लोकेश, अस्पताल में बच्चे की नहीं बच सकी जान

भोपाल, 15 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में बोरवेल में गिरे सात साल के लोकेश को बोरवेल से निकाल लिया गया. वहीं बच्चे की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. लोकेश कल करीब 10.30 बजे बंदरों को भगाते हुए बोरवेल में गिर गया था, जिसे निकालने के लगातार प्रयास किए जा रहे थे. वहीं करीब एक दिन बाद मासूम को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी. लोकेश को सकुशल बाहर निकालने के लए चार जेसीबी और तीन पोकलेन मशीनों की मदद से 50 फीट गहरा गड्ढो खोदा गया था. वहीं लोकेश तक पहुंचने के लिए पांच फीट लंबी सुरंग बनाई गई थी. दरअसल, विदिशा की लटेरी तहसील के आनंदपुर के पास खेरखड़ी पठान क्षेत्र में एक बालक बोरवेल के गड्ढे में जा गिरा था. विदिशा कलेक्टर उमाशंकर भार्गव के मुताबिक बालक बंदरों के पीछे भाग रहा था, तभी वह 60 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरा. लोकेश 60

अब विदेशी वकील और लॉ फर्म भी कर सकेंगे भारत में कानून की प्रैक्टिस

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने दे दी मंजूरी

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी वकील और लॉ फर्म्स भी अब भारत में कानून की प्रैक्टिस कर सकेंगे. बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) विदेशी वकीलों, विदेशी कानून फर्मों के लिए भारत में लॉ प्रैक्टिस खोलने पर सहमत हो गया है. वकीलों के वैधानिक निकाय ने भारत में विदेशी वकीलों और विदेशी कानून फर्मों के पंजीकरण के लिए नियम जारी किए हैं. नवीनतम नियम विदेशी वकीलों और विदेशी कानून फर्मों को भारत में विविध अंतरराष्ट्रीय कानूनों, अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का अभ्यास करने में सक्षम बनाते हैं. बीसीआई ने अपनी अधिसूचना में कहा, 'ये नियम एक अच्छी तरह से परिभाषित, विनियमित और नियंत्रित तरीके से पारस्परिकता के सिद्धांत पर आधारित हैं. विदेशी कानून के अभ्यास के क्षेत्र में विदेशी वकीलों के लिए भारत में कानून अभ्यास खोलना, गैर-मुकदमे वाले मामलों में विविध अंतरराष्ट्रीय कानूनी मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मामलों में भारत में वकीलों के लाभ के लिए भारत में कानूनी पेशे/डोमेन के विकास में मदद करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना होगा.' देश में वकीलों के इस शीर्ष निकाय ने कहा कि यह कदम भारत में कानून अभ्यास को प्रभावित नहीं करेगा, यदि अच्छी तरह से नियंत्रित और विनियमित तरीके से किया जाता है. बार काउंसिल ऑफ इंडिया शुरू में किसी भी रूप में विदेशी वकीलों और विदेशी कानून फर्मों के भारत में प्रवेश का विरोध कर रहा था. हालाँकि, इसे देश की कानूनी बिरादरी द्वारा वर्ष 2007-2014 में बीसीआई, देश भर में स्टेट बार काउंसिल और अन्य हितधारकों के बीच संयुक्त सलाहकार सम्मेलनों में विदेशी वकीलों के लिए भारत में कानून अभ्यास खोलने की क्षमता और संभावनाओं का पता लगाने के लिए अधिकृत किया गया था. बीसीआई ने नोटिफिकेशन में कहा, 'ये नियम देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह के बारे में व्यक्त की गई चिंताओं को दूर करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक आर्बिट्रेशन का केंद्र बनाने में भी मदद करेंगे. यदि हम इस मामले में सो जाते हैं, तो भारत में क्लाइंट के इस तेजी से बढ़ते वर्ग के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप कानून के शासन के अनुसार कानूनी/पेशेवर विशेषज्ञता भारत की कानूनी बिरादरी प्रदान करने में पीछे रह सकती है. आइए हम कानूनी पेशे के लिए और भारत में कानूनी क्षेत्र में विकास और विकास के अवसर को सुनिश्चित करें.' उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई बनाम एके बालाजी मामले में कहा था कि विदेशी लॉ फर्म/कंपनियां या विदेशी वकील मुकदमेबाजी या गैर-मुकदमेबाजी पक्ष में भारत में कानून के पेशे की प्रैक्टिस नहीं कर सकते हैं.

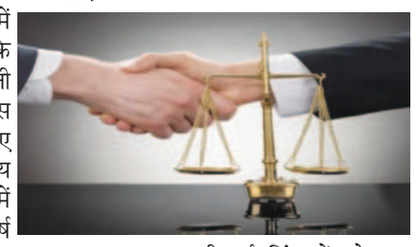

एमपी में अधिकारियों ने बनाया मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का मजाक

जबलपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले से एक अजीबोगरीब घटना सामने आ रही है यहां मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में पहले शादी कराई गई। इस के चलते दोनों पक्षों को गृहस्थी का सामान भी दिया गया मगर बाद में यह कहकर समान वापस ले लिया की वधु की शादी पहले घर पर हो चुकी है। इसलिय समान नही दिया जा सकता। इस मामले को लेकर वधू पक्ष के घरवालों ने जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि फोन द्वारा सीएम कन्या योजना में नाम आने पर बुलाया गया था तथा गृहस्थी का सामान वापस लेकर बेज्जती की गई है इस पर कार्रवाई की जाए।

गोवा के राज्यपाल बोले- 450 साल पुराने राजभवन में जनता का भी हो स्वागत

पणजी, 15 मार्च (एजेंसियां)। गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने कहा है कि उन्हें राजभवन की 450 साल पुरानी विरासत संरचना को तोड़ने में काई आपत्ति नहीं है। राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने राजभवन को जनता के लिए खेलने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि उन्हें राजभवन की 450 साल पुरानी विरासत संरचना को तोड़ने में काई आपत्ति नहीं है। पी एस श्रीधरन पिल्लई लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस ऐतिहासिक परिस (राजभवन) को जनता के दर्शन के लिए खोला जाना चाहिए। बता दें कि राजभवन का निर्माण 16वीं शताब्दी में हुआ है। यह महल अरब सागर के अलावा जुआरी और मंडोवी नदियों की ओर मुख वाली एक चट्टान के ऊपर खड़ा है। गौरतलब है कि यह पुर्तगाली काल से राज्यपाल का घर रहा है। राज्यपाल पिल्लई ने कहा कि एक लोक सेवक के रूप में उन्हें हमेशा लगता है कि जनता को राजभवन जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल कानूनी औपचारिकताओं का पालन करके जनता को (वर्तमान में) अनुमति नहीं दी जा सकती है। हालांकि, इस मामले को लेकर मैं उच्च अधिकारियों, गोवा सरकार और केंद्र सरकार के साथ चर्चा करने के बाद प्रस्ताव तैयार करूंगा।' उन्होंने कहा कि अगर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया जाता है, तो लोग राजभवन तक पहुंच सकते हैं, जबकि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल यथावत रहेंगे। राज्यपाल ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वह अपने निवास को किसी निकटवर्ती स्थान पर स्थानांतरित करने का भी प्रस्ताव रखेंगे।

सुविचार
कोई फायदा नहीं होता जिन्दगी पर लगाम लगाने का ये नहीं मुड़ेगी, आपके मोड़ने से...

वेबसाइट पर सामग्री अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी उपलब्ध होनी चाहिए : महाप्रबंधक

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक पी.उदय कुमार रेड्डी, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी राजीव किशोर सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने अखिल रेल स्तर पर आयोजित हिंदी नाटक प्रतियोगिता में इस रेलवे के विजयवाडा मंडल द्वारा मंचित नाटक "पिपीलिका' को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होने पर बधाई दी। उन्होंने रेल मंत्री व्यक्तिगत नकद पुरस्कार प्राप्त करनेवाले सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि इस रेलवे के सभी अधिकारी व कर्मचारी भविष्य में भी इसी तरह हिंदी में अच्छा काम करते रहेंगे तथा अखिल रेल स्तर पर इस रेलवे की छवि को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि इस रेलवे के सभी

स्टेशन संचालन नियमों तथा फाटक संचालन नियमों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक रूप में जारी करवाया जाए क्योंकि यह राजभाषा नियम के अनुपालन के साथ-साथ संरक्षा की दृष्टि से भी अनिवार्य है। वेबसाइट पर सामग्री अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाया जाए। ई-ऑफिस में हिंदी में काम बढाया जाए। इससे पहले बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी राजीव किशोर ने महाप्रबंधक तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस रेलवे पर राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए सभी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से भी हिंदी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

तेलंगाना में इंटरमीडिएट परीक्षा सुचारू रूप से शुरू

कुल 4,82,677 प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट के छात्रों का पंजीकरण

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को राज्य भर में इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए शुरू हो गई है। द्वितीय भाषा का पेपर-I भाग- II परीक्षा जो सुबह 9 बजे शुरू हुई, दोपहर 12 बजे समाप्त हुई।

कुल 4,82,677 प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट के छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने 26,333 पर्यवेक्षकों, 75 फ्लाइंग और 200 सिटिंग स्क्वाड के साथ राज्य भर में 1,473 परीक्षा केंद्रों का गठन किया है। परीक्षा के लिए टेलीफोन नंबर 040-24600110 और 040-24655027 के कंट्रोल रूम की व्यवस्था की गई है।

आरोपों पर बीआरएस विधायक राजैया फूट-फूट कर रो पड़े

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के घनपुर थाने के विधायक ताड़िकोंडा राजैया ने हालिया रिपोर्ट के मद्देनजर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यौन दुराचार के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सूत्रों के अनुसार, विधायक राजैया मीडिया को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। एक समारोह में एक महिला सरपंच द्वारा लगाए गए आरोपों के खिलाफ खुद का बचाव किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, विधायक राजैया ने आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि उनके राजनीतिक विरोधी उनके राजनीतिक करियर को बदनाम करने के लिए उनके बारे में झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने अपने विरोधियों को आने वाले चुनावों में उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी, आत्मविश्वास से कहा कि वह किसी भी कदाचार में शामिल नहीं थे। विधायक राजैया ने कुछ लोगों पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और पांचवीं बार भारी बहुमत से स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र को जीतने का संकल्प लिया।

रिश्वत लेने के आरोप में जीएचएमसी के दो कर्मचारियों को सजा

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसपीई और एसीबी मामलों के पहले अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश ने आर. राजश्री, अनुभाग अधिकारी/टीपीएस, सर्कल-VI, राजेंद्रनगर, जीएचएमसी, रंगारेड्डी जिला और जी श्रीपति, एओ-1 के निजी सहायक को दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया। उन्हें दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत दंडनीय अपराध के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना भी देना होगा। जुर्माना राशि, तीन महीने के लिए साधारण कारावास से गुजरना होगा। उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(डी) के तहत अपराध के लिए दो साल के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने की भी सजा सुनाई गई है और जुर्माना राशि का भुगतान करने में चूक करने पर, उन्हें भुगतना होगा। आरोपी अधिकारी की सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। आरोपी श्रीपति को छह महीने के लिए आरआई और 5,000 रुपये का जुर्माना भी अदा करने की सजा सुनाई गई थी और राशि का भुगतान न करने पर उसे भ्रष्टाचार निवारण की धारा 12 के तहत दंडनीय अपराध के लिए तीन महीने के साधारण कारावास की सजा काटनी होगी। अभियोजन अधिकारियों ने कहा कि 7 नवंबर, 2012 को आर. राजश्री ने अनुभाग अधिकारी/टीपीएस, सर्कल VI, राजेंद्रनगर, जीएचएमसी, रंगारेड्डी जिला के रूप में काम करते हुए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की और स्वीकार किया।

उस्मानिया मेडिकल कॉलेज ने तेलंगाना में अपनी तरह की पहली स्किल लैब शुरू की

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया मेडिकल कॉलेज (ओएमसी) में बुधवार को युवा डॉक्टरों को वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को शुरू करने से पहले अपने प्रक्रियात्मक कौशल को ठीक करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से अपनी तरह की पहली स्किल लैब का शुभारंभ किया गया। चिकित्सा शिक्षा निदेशक, डॉ के रमेश रेड्डी द्वारा उद्घाटन किया गया, कौशल प्रयोगशाला एक प्रोटोटाइप डेमो है और हेल्थकेयर पेशेवरों के लिए अपने नैदानिक कौशल को ठीक करने और हर साल लगभग 500 स्नातक और स्नातकोत्तर और पैरा-मेडिकल तकनीशियनों को पूरा करने के लिए सीखने की सुविधा है। "हाल के दिनों में, हमने युवाओं को मरते हुए देखा है और ऐसे लोगों को बचाया जा सकता है अगर हम सीपीआर ठीक से दें। स्किल लैब जैसी सुविधाएं ऐसे जीवन रक्षक कौशल प्रदान करने में मदद करती हैं। गांधी अस्पताल, काकतीय मेडिकल कॉलेज, निजामाबाद और सिद्दीपेट में और अधिक कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी और हम तेलंगाना के 17 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इसी तरह की सुविधाओं के लिए मंजूरी मांगेंगे। प्रिंसिपल, ओएमसी, डॉ पी शशिकला रेड्डी ने कहा कि प्रयोगशाला चिकित्सा पेशेवरों के लिए आघात प्रबंधन, बुनियादी जीवन समर्थन, बाल चिकित्सा आपात स्थिति, प्रसूति आपात स्थिति और तीव्र हृदय प्रबंधन जैसे प्रक्रियात्मक कौशल का अभ्यास करने के लिए एक मूल्यवान मंच है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, निजामाबाद, गांधी मेडिकल कॉलेज, गुंटूर मेडिकल कॉलेज और काकतीय मेडिकल कॉलेज के मेडिकल, सर्जिकल, पीडियाट्रिक, एनेस्थेटिक और प्रसूति विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए 13 से 17 मार्च तक स्किल लैब में प्रशिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

सीटीडब्लू त्रिकोणीय स्पोटर्स मीट शुरू

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंटर कैडेट्स ट्रेनिंग विंग (सीटीडब्लू), त्रिकोणीय स्पोर्ट्स मीट 2023 का मिलिट्री कॉलेज ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग सिकंदराबाद में शुरू हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना, कमांडेंट एमसीईएमई और कर्नल कमांडेंट कॉर्प्स ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ईएमई) ने खेलों के उद्घाटन की घोषणा की और युवा जेंटलमैन कैडेटों को भाईचारे और खेल भावना के साथ खेलने की सलाह दी, जो देश की भावना और लोकाचार के अनुरूप है। भारतीय सेना ने उन्हें उनके संबंधित खेलों में शुभकामनाएं दी। खेलों के उद्घाटन समारोह में बंगाल इंजीनियर ग्रुप (बीईजी) केंद्र द्वारा मलखंब प्रदर्शन और सिख कलाकारों द्वारा गतका प्रदर्शन का प्रदर्शन किया गया, जिसमें उन्होंने अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रेलवे हिंदी नाटक में विजयवाड़ा डिवीजन को दूसरा स्थान

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला, पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता-2022 में राष्ट्रीय स्तर की हिंदी प्रतियोगिता में "सर्वश्रेष्ठ मेकअप", "सर्वश्रेष्ठ संगीत", "सर्वश्रेष्ठ स्टेज सेटिंग्स" पुरस्कारों के साथ दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल के हिंदी नाटक "पिपीलीका-चीनी की जीत" ने दूसरा स्थान हासिल किया। एम.एस. चौधरी, लेखक (पिपेलिका), आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी, एम.गोपाल कृष्ण, सीनियर पैसेंजर ट्रेन निदेशक और टीम ने आशीष अग्रवाल, महाप्रबंधक, रेलवे कोच फैक्ट्री, कपूरथला से पुरस्कार प्राप्त किया। "पिपीलिका-चीनी की जीत" जो कि एकता की शक्ति पर आधारित एक समकालीन नाटक है, दर्शकों द्वारा तालियों और तालियों के साथ बहुत अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था। जुलाई, 2022 के दौरान रेल निलयम में आयोजित क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता में भी हिंदी नाटक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिवेंद्र मोहन, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल और डी. श्रीनिवास राव, एडीआरएम, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एम श्रीकांत, एडीआरएम संचालन ने विजयवाड़ा टीम को राष्ट्रीय रेलवे हिंदी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए बधाई दी।

अंबेडकर प्रतिमा के निर्माण कार्य को पूरा करने लिए 5 अप्रैल की समय सीमा निर्धारित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने हुसैन सागर के बगल में बन रही डॉ.बी.आर.अंबेडकर की 125 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा को पूरा करने की समय सीमा 5 अप्रैल तय की है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देश पर समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने बुधवार को यहां चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्धारित अवधि के भीतर कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि चूंकि राज्य सरकार ने 14 अप्रैल को डॉ. बी.आर. की जयंती के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण करने का निर्णय लिया है। अम्बेडकर, काम 5 अप्रैल तक पूरा किया जाना चाहिए और विभिन्न कार्यों के प्रभारी सभी एजेंसियों को समय सीमा को पूरा करना चाहिए। प्रतिमा, भू-दृश्य क्षेत्र, रॉक गार्डन, वृक्षारोपण, डिज़ाइन किए गए बलुआ पत्थर के पोल और मुख्य प्रवेश द्वार के क्लाउडिंग कार्यों, ग्रेनाइट फर्श और नवीनतम ऑडियो और वीडियो उपकरण कार्यों के त्वरित निष्पादन के लिए कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए और सभी को निर्धारित अवधि में पूरा किया जाना चाहिए।

चंद्रायनगुट्टा में व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुट्टा में तीन दिन पहले हुए झगड़े के बाद चाकू से वार किए जाने के बाद घायल हुए एक 37 वर्षीय व्यक्ति की बुधवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित एस्सा बिन सईद जैदी, (37), फारूकनगर, फलकनुमा के निवासी, सोमवार की रात चंद्रायनगुट्टा में पिल्ली दरगाह रोड पर बरकास के मोहसिन अली बरवाज़ से मिलने गए थे। मोहसिन ने एस्सा के साथ बहश कर रहा था। बहस के दौरान, मोहसिन ने एक चाकू निकाला और एस्सा के पेट में घोंप दिया और फिर वहां से भाग गया। गंभीर रूप से घायल एसा को एक निजी अस्पताल और बाद में उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने शुरू में आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया था और व्यक्ति की मौत के बाद इसे आईपीसी की धारा 302 (हत्या) में बदल दिया और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया।

अंगदान, प्रत्यारोपण में तेलंगाना भारत में नंबर वन

तेलंगाना ने 2013 में जीवनदान अंगदान पहल शुरू हुई थी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रेन-डेड ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास और सरकारी अस्पतालों को महंगे ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पिछले 18 महीनों में किए गए उपायों के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं और तेलंगाना मृतक ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लाट के मामले में देश में नंबर एक के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से अंग दान और प्रत्यारोपण के आंकड़ों के आधार पर, 2022 में मृत अंग दान और दाता प्रत्यारोपण के लिए शीर्ष पांच भारतीय राज्यों तेलंगाना उसके बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र है। दिलचस्प बात यह है कि तेलंगाना ने तमिलनाडु जैसे राज्य को पीछे छोड़ दिया, जिसके पास अंग दान और प्रत्यारोपण का एक अत्यधिक विकसित और परिपक्व पारिस्थितिकी तंत्र है। वास्तव में, तमिलनाडु में मृतक दाता अंग प्रत्यारोपण 2008 में तमिलनाडु कैडेवर प्रत्यारोपण कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ शुरू हुआ, जबकि तेलंगाना ने 2013 में जीवनदान अंग दान पहल शुरू की।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सं. सी_एसजी_36_426
दिनांक : 13-03-2023
पीयूबी/0252

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीनियर डिवीजनल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर, सिकन्दराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-अधिप्रापण के माध्यम से 03-04-2023 को 15-30 बजे तक सार्वजनिक निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : सी_एसजी_36_426, दि. 13-03-2023. कार्य का नाम : 12 महीने की अवधि के लिए सिकन्दराबाद डिवीजन पर एडीएसटीई/ वीकेबी सेक्शन के सब-डिवीजन में सिग्नलिंग रखरखाव संपत्तियों की मरम्मत करना। अनुमानित मूल्य : रु. 52,98,784.90.

अतिरिक्त विवरणों के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। बोली सुरक्षा/ पूधरा को जीसीसी 2022 के अनुसार भुगतान करना है।
* आईआरएसजीसीसी - 2022 के अनुसार, ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को नि:शुल्क जारी किये जाएँगे (संदर्भ : आईआरजीसीसी 2022 पार्ट-I, क्लाज-3)
सीनि. डिवीजनल सिग्नल एवं टेलीकाम इंजीनियर, सिकन्दराबाद

निविदा सं. 11/2022-23/ सीनि. डीईई/टीआर/एचवाईबी, दिनांक : 14-03-2023
पीयूबी/0253

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीज़नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ ट्रैक्शन/हैदराबाद द्वारा निविदा सं. 11/2022-23/सीनि-डीईई/टीआर/एचवाईबी, दि. 14-03-2023 के प्रति ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। बंद होने की तिथि 06-04-2023 को 15-00 बजे। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियों को केवल बंद होने की तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं होंगे और अगर कोई ऐसा मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे नजरअंदाज किया जाएगा।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : 11/2022-23/सीनि. डीईई/टीआर/एचवाईबी : कार्य का विवरण : हैदराबाद डिवीज़न : बिना यात्री सुविधाओं के केवल ब्लॉक स्टेशन (पेरुर) उपलब्ध कराकर कौकुन्टला एवं वनपर्ती रोड स्टेशनों के बीच ब्लॉक सेक्शन का विभाजन - टीआरडी - ओएचई प्रबंध। अनुमानित मूल्य : रु. 83,60,292.89/-, पूर्व धरोहर राशि : रु. 1,67,200.00/-, पूरा करने की अवधि : 04 महीने, बंद होने की तिथि : 06-04-2023.

वेबसाइट विवरण : www. ireps.gov.in

सूचना पट्ट का स्थान जहाँ निविदा के पूरे विवरणों को देखा जा सकता है : सीनि. डीईई/ टीआर/एचवाईबी कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकन्दराबाद-500025.
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, (ट्रैक्शन), हैदराबाद

भारतीय रेल
रेलवे विद्युतीकरण
www.ireps.gov.in

निविदा सूचना सं. आरईएससी/ ईएल/टीएन/22-23/12, दिनांक : 14-03-2023
पीयूबी/0255

कृते एवं भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना निदेशक, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : आरईएससी/ईएल/ सीसीओ/टीआरएल/13, कार्य का विवरण : एसईसी रेलवे के नागपुर डिवीज़न में तुमसर रोड - तिरोडी सेक्शन (जीआर.353) में कुल टर्नकी आधार पर आरटीएसएस एवं एमएसईटीसीएल एसएस पर एबीटी मीटरिंग व्यवस्था एवं एससीएडीए सहित 18.857 किमी के अनुमानित रूट लंबाई पर चिंचोली पर 132/25 केवी रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन (आरटीएसएस) के मडगी पर एमएसईटी सीएल सब-स्टेशन से 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं प्रारंभ करना। अनुमानित मूल्य : रु. 12,28,19,925.79/-, पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा : (रु.) 7,64,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं वेबसाइट से डाउनलोड करने पर : रु. नगण्य, पूरा करने की अवधि : 9 महीने (नौ महीने), निविदा खोलने का स्थान : सिकन्दराबाद

क्र.सं. 1. विवरण : ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होने की तिथि : 17-04-2023 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 2. विवरण : ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि : 17-04-2023 को 15-30 बजे।

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए एवं निविदाओं की प्रस्तुति के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
टिप्पणी : निविदा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर आवश्यक हुआ तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।
चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद
A0365

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया देखें वेबसाइट: https:// www.ireps.gov.in' या www.scr. indianrailways.gov.in देखें

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB/0260

प्रपत्र 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि :
सेक्शनः यात्रियों की ढुलाई के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के भद्राचलम रोड सेक्शन - गांधीपुरम(मौजूदा हाल्ट स्टेशन) डोर्नकल जंक्शन पर कारेपल्ली-चिमलपहाड स्टेशन के बीच न्यू क्रासिंग सेक्शन प्रावधान हेतु रेल विद्युतीकरण की व्यवस्था का प्रावधान।
दक्षिण मध्य रेलवे. सिकंदराबाद डिवीजन के गांधीपुरम हाल्ट स्टेशन के सभी 3 लाइन्स सहित ओएचइ मास्ट लोकेशन से गांधीपुरम हाल्ट स्टेशनः 21/9ए(किमी/सीएच:21/553.40) से 22/19ए((किमी/सीएच:23/34.20) के उपरोक्त सेक्शन के 25 के वी, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तिथि 17.03.2023 को या इसके बाद उर्जित(एनर्जाइज) किया जायेगा। उक्त निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-2
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ

सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, निम्नांकित सेक्शन के मध्यः
सेक्शनः यात्रियों की ढुलाई के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के भद्राचलम रोड सेक्शन - गांधीपुरम(मौजूदा हाल्ट स्टेशन) डोर्नकल जंक्शन पर कारेपल्ली-चिमलपहाड स्टेशन के बीच न्यू क्रासिंग सेक्शन प्रावधान हेतु रेल विद्युतीकरण की व्यवस्था का प्रावधान।
दक्षिण मध्य रेलवे. सिकंदराबाद डिवीजन के गांधीपुरम हाल्ट स्टेशन के सभी 3 लाइन्स सहित ओएचइ मास्ट लोकेशन से गांधीपुरम हाल्ट स्टेशनः 21/9ए(किमी/सीएच:21/553.40) से 22/19ए((किमी/सीएच:23/34.20)।
सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.%8 मीटर्स की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।
आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई नहीं करता हो।
अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं-
हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट
मटेरियल या उपकरण जो वाहन में लदान करने पर सामग्री व तत्संबंधित वाहन को खतरा।
कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम ।
उप मुख्य बिजली अभियंता/ गति शक्ति/ सिकंदराबाद
A0373

केन्द्रीय विद्यालय बोलाराम एवं केंद्रीय विद्यालय हकीमपेट
अनुबंधनात्मक शिक्षक पद हेतु साक्षात्कार
शैक्षिक वर्ष 2023-24 के लिए केंद्रीय विद्यालय हकीमपेट और केंद्रीय विद्यालय बोलाराम के लिए विभिन्न विषयों के लिए अनुबंधनात्मक शिक्षक पद हेतु साक्षात्कार दिनांक : 24 और 27 मार्च 2023 को आयोजित किये जायेंगे।
साक्षात्कार स्थल : केंद्रीय विद्यालय, बोलाराम, अलेंबी लाइंसस, जे.जे. नगर. सिकन्दराबाद, मेडलच, जिला 500087
अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित विद्यालय वेबसाईट देखें।
https://bolarum.kvs.ac.in,
https://hakimpet.kvs.ac.in
के. नानि प्रसाद
प्राचार्य

डीजीपी डीएस चौहान ने कहा

जमीन का कब्जा दिलाना और हटवाना पुलिस का काम नहीं

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डीजीपी डीएस चौहान ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को जमीनी विवाद (डीजीपी डीएस चौहान) के मामलों में कब्जा हटवाने या दिलाने की कार्रवाई नहीं करने के सख्त निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी स्थिति में थाना अध्यक्ष, सब इंस्पेक्टर या फिर कोई भी पुलिसकर्मी अपने स्तर पर जमीन पर कब्जा हटवाने और दिलाने का काम नहीं करेगा।दरअसल, बीते एक मार्च को हाईकोर्ट ने डीजीपी डीजीपी को निर्देश दिया था कि किसी भी पक्ष का कब्जा हटवाने या दिलाने का कार्य राजस्व टीम और स्थानीय मजिस्ट्रेट की उपस्थिति और सक्षम आदेश के बाद ही किया जाए। किसी भी भूमि के विधिक स्वामी के अधिकारों में बिना न्यायालय या मजिस्ट्रेट के आदेश के अनावश्यक हस्तक्षेप न किया जाए। कोर्ट ने कहा था कि राजस्व विभाग, नगर निगम और विकास प्राधिकरण के माध्यम से भी ऐसे भूमि प्रकरण जिनमें हिंसा या विवाद की स्थिति हो, को भी चिह्नित कराकर भूमि विवाद रजिस्टर में दर्ज किया जाए।

लखनऊ के डीएम ने की अपील

हड़ताल में शामिल न हों बिजलीकर्मी

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की तरफ से कल से प्रदेश भर में कार्य बहिष्कार और 16 मार्च रात 10 बजे से हड़ताल के एलान से प्रदेश भर में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा सकती है। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, पॉवर कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम। देवराज के साथ ही अब लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने भी बिजली कर्मचारियों से अपील की है कि वह हड़ताल में शामिल न हों। बिजली आपूर्ति बेहतर रहे इसके लिए वह पहले की तरह अपना काम करते रहें। हालांकि विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के एलान के बाद बिजली के तमाम संगठन कार्य बहिष्कार और हड़ताल के लिए तैयार है।

कन्नौज में युवक और युवती के शव बाग में फंदे से लटके मिले, सुसाइड नोट मिला, हत्या की आशंका

कन्नौज, 15 मार्च (एजेंसियां)। कन्नौज के कोतवाली गुरसहायगंज इलाके के गांव सौंसरापुर के पास एक बाग में युवक और युवती के शव फंदे से लटके मिले हैं। दोनों की हत्या कर शव टांगे जाने की आशंका है। बुधवार को सुबह ग्रामीण जब खेतों की ओर काम से निकले तो युवक युवती के शव टंगे हुए देखे। युवक लाल शर्ट और नीला जीन्स का पैंट पहने है, जबकि युवती आसमानी और नीला डिजाइन वाला सलवार शूट पहने है। बाग में स्थित दो पेड़ों पर अलग-अलग शव फंदे से लटके होने की जानकारी पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पुलिस को भी सूचना दी गई है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शवों को उतारा। पोस्टमार्टम के लिए प्रक्रिया चल रही है।

ममता-अखिलेश की मुलाकात, 8 दलों का सियासी साथ

बीजेपी के खिलाफ क्या है विपक्ष का प्लान ?

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट होने की लगातार कवायद कर रहा है। हालांकि कई मौकों पर आकर इसमें बिखराव देखने को मिला है। ऐसे में अब विपक्ष के भी कई धड़े नजर आते हैं। बता दें कि विपक्षी नेताओं का एक समूह उन आठ दलों को एक साथ लाने के लिए हाथ-पांव मार रहा है, जिनके नेताओं ने 5 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए पत्र लिखा था। हालांकि कांग्रेस इसमें शामिल नहीं थी। वहीं अगर ये दल एकसाथ आते हैं तो अगले साल लोकसभा चुनावों से पहले एक नए समूह का उदय हो सकता है। हालांकि, वर्तमान में, प्रमुख मुद्दों पर बीजेपी को घेरने का लक्ष्य है। 5 मार्च के पत्र में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ मामले का हवाला दिया गया था। विपक्ष की इस योजना के एक हिस्से के रूप में, समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 17 मार्च को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने के लिए कोलकाता पहुंचेंगे।

कोलकाता में सपा की पहली कार्यकारिणी की बैठक

दरअसल इस बार समाजवादी पार्टी की छठी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आयोजन कोलकाता में होने जा रहा है। साल 1992 में सपा की स्थापना के बाद भी पार्टी की पहली कार्यकारिणी बैठक कोलकाता में ही हुई थी। सपा 18 और 19 मार्च को कोलकाता में होने वाली इस बाठक में 2024 की चुनावी तैयारी और नई 'सियासी यारी' की दिशा तय करेगी।

बजट सत्र के दौरान आठ दलों की बैठक

एक विपक्षी नेता ने कहा कि दिल्ली में चल रहे बजट सत्र के दौरान आठ दलों की बैठक होने वाली है। नाम न छापने की शर्त पर इन्होंने ने कहा कि सभी आठ दलों के नेताओं की सहमति लेने के बाद इसे निर्धारित किया जाएगा। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, बीआरएस के तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव, राजद के बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सपा के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, एनसीपी के शरद पवार, शिवसेना के उद्धव बालासाहेद ठाकरे गुट के उद्धव ठाकरे को 2024 के चुनाव के लिए एक आम रणनीति तैयार करने के लिए बैठक के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

कांग्रेस को रखेंगे गठबंधन से बाहर

तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने तर्क दिया कि कांग्रेस को इस गठबंधन से बाहर रखा गया है क्योंकि उसकी चुनावी रणनीति क्षेत्रीय दलों की योजनाओं के अनुरूप नहीं है। हम चाहते हैं कि अन्य राज्यों में बीजेपी विरोधी ताकतें एक साथ आएं। लेकिन पश्चिम बंगाल को देखिए- कांग्रेस और लेफ्ट ने पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल के खिलाफ गठबंधन किया था।'

अपने-अपने राज्यों में एक-दूसरे का समर्थन

एक तीसरे विपक्षी नेता ने बताया कि इनमें से कई पार्टियां, जैसे आप या बीआरएस, अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस के खिलाफ लड़ रही हैं। हम शिरोमणि अकाली दल और डीएमके को भी आमंत्रित करना चाहते हैं। डीएमके, जो तमिलनाडु में सत्ता में है, कांग्रेस की पक्की सहयोगी है। उन्होंने कहा कि ये आठ पार्टियां आम मुद्दों पर बीजेपी को टक्कर देंगी या अपने-अपने राज्यों के अहम मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करेंगी।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग

मंगलवार को नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की मांग को लेकर इन आठ पार्टियों के एक साथ आने की संभावना पर चर्चा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी दलों का यह समूह जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग के लिए भारत के चुनाव आयोग से संपर्क कर सकता है।

डंपर ने 2 स्कूटी सवारों को कुचला

अवैध खनन को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा

सहारनपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। जिले के कस्बा छुटमलपुर में देर रात एक डंपर ने स्कूटी सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। भीड़ ने डंपर में तोड़फोड़ भी की। दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कहा जा रहा है कि डंपर अवैध खनन से लौट रहा था। इसमें माल लोड था।एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि देर रात कस्बा छुटमलपुर के नो एंट्री इलाके के मेन बाजार में डंपर ने स्कूटी सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। डंपर चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

बम गिरने की सूचना से हड़कंप, लोगों ने पुलिस बुलाई

जांच में मौसम विभाग का यंत्र निकलने के बाद राहत

नवादा, 15 मार्च (एजेंसियां)। नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के रजौली पूर्वी पंचायत के नावाडीह गांव में बुधवार की अहले सुबह में मौसम विभाग के विंड डिटेक्टर को टाइम बम समझकर घंटो तक ग्रामीण दहशत में रहे। ग्रामीण मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि बुधवार की सुबह घर के बाहर खेत के समीप रखे प्लास्टिक की पाइप पर एक यंत्र गिरने से लोग काफी भयभीत हो गए। उन्होंने बताया कि यंत्र में एलईडी जल रहा था और रस्सी से बंधे तीन बैलूनों के सहारे उड़ रहा था। फिर अचानक गिर गया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि यह क्या है। घरवाले व आसपास के लोगों को इसकी सूचना देने पर कुछ लोगों ने टाइम बम होने की बातें कही, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। वहीं, ग्रामीण द्वारका प्रसाद ने बताया कि गांव में यंत्र के गिरने से भय व्याप्त हो गया। उन्होंने बताया कि बीते एक वर्ष पूर्व उत्तर-पश्चिम दिशा में रात्रि के लगभग 3 बजे जलती हुई बल्ब के सहारे कुछ यंत्र गांव के ऊपर से गुजरते भी देखा गया था। उसके बाद से आज गांव में यह दूसरी बार घटना है। हालांकि, ग्रामीणों द्वारा दूरभाष के माध्यम से इसकी सूचना थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर दरबारी चौधरी को भी दी गई। थानाध्यक्ष ने उक्त यंत्र से छेड़छाड़ न करने का निर्देश दिया एवं थाना के व्हाट्सएप पर यंत्र का फोटो भेजने को कहा। साथ ही पुलिस बल को घटनास्थल पर भेजने की बात कही। मौके पर पहुंची पुलिस बल ने यंत्र को जब्त कर लिया और थाने ले आई। जांच के बाद पता चला की यंत्र मौसम वैज्ञानिकों द्वारा छोड़ा हुआ गुब्बारा था। यंत्र के डब्बे पर सर्टल पायलट सोंड मॉडल नम्बर टी-पीएस-300 के सीरियल नम्बर जीएवाई-549 लिखा था।जांच किये जाने के बाद पता चला कि यह एक मौसम वैज्ञानिकों द्वारा छोड़ा हुआ गुब्बारा था, जिसमें अनेक यंत्र के साथ ट्रांसमीटर वगैरह लगा था। यह यंत्र मौसम के घटक जैसे आर्द्रता, दाब, तापमान, पवन वेग एवं पवन की दिशा की जानकारियां देता है। मौसम विभाग द्वारा पूरे वायुमंडल से मौसम का हाल जानने के लिए प्रत्येक दिन सुबह लगभग 5:30 बजे व शाम को लगभग 4:30 बजे हाइड्रोजन व हीलियम गैस भरकर वायुमंडल में छोड़ा जाता है। जब गैस खत्म हो जाता है या बैलून नष्ट हो जाता है, तब यंत्र जमीन पर स्वतः गिर जाता है। कभी-कभी इस यंत्र के गांव में गिरने के वजह से लोग जानकारी के अभाव में टाइम बम वगैरह समझकर डर जाते हैं।

यूपीजीआईएस: योगी सरकार के एजेंडे में सबसे उपर हैं यूपी के 17 नगर निगम

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पिछले महीने संपन्न हुए उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के बाद अब योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य के 17 नगर निगमों के लिए प्राप्त निवेश प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने और 51 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार, 16.31 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए 782 प्रस्तावों के माध्यम से 1,96,261 करोड़ की राशि का निवेश किया जाएगा। फिरोजाबाद को 14,874 करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे 8.57 लाख रोजगार सृजित होंगे। पीतल के उत्पादों के लिए मशहूर मुरादाबाद को 22,520 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। सहारनपुर में सरकार का लक्ष्य 42,898 युवाओं के लिए रोजगार सृजित करना है। शाहजहांपुर में, जहां पहली बार नगर निगम का चुनाव होगा, 66,502 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

नौकरियां सृजित करने पर सरकार का फोकस

अयोध्या और मथुरा-वृंदावन के नगर निगमों में, राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक शहर में 50,000 नौकरियां सृजित करना है। सरकार के अनुसार, जीआईएस-23 में भाग लेने वाली शीर्ष 10 फर्मों में शामिल टचेन ग्रुप ऑफ कंपनीज आगरा, लखनऊ और वाराणसी में निवेश करेगी। वहीं, आरजी स्ट्रेटेजीज ग्रुप गोरखपुर और गाजियाबाद में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आएगा।

यूपी में बन निवेश का माहौल

दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ग्लोबल इनवेस्टर समिट की तैयारियों में जुटी है। सरकार ने इस समिट के लिए पहले निवेश का लक्ष्य 17 लाख करोड़ रुपये रखा था। सरकार के मुताबिक उसे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 (यूपीजीआईएस-2023) में करीब 34 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसकी एक प्रमुख वजह ये भी है कि सीमए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निवेश के अनुकूल माहौल बनाया गया था।

योगी की टीम ने किए ये विदेश दौरे

योगी सरकार ने विदेश और देश में किए रोड शो मुख्यमंत्री ने दो उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के नेतृत्व में आठ टीमों को विदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय रोड शो आयोजित करने के लिए भेजा था। बाद में, योगी ने मुंबई में एक रोड शो का नेतृत्व किया और घरेलू रोड शो आयोजित करने के लिए सात अन्य प्रमुख शहरों में टीमें भेजीं जिसका यूपी सरकार को काफी फायदा मिला और निवेश तय लक्ष्य से अधिक का मिला।

मोबाइल के शौक में लड़के बने हैवान

20 हजार रुपये में लड़की को बेचा फिर तीन ने किया रेप

गाजीपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर में हैवानियत के एक मामले में सैदपुर पुलिस ने चार नाबालिगों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने जो घटना बताई वो दिल को दहला देने वाली है और महंगे मोबाइल के शौक में आज कल के युवा किस स्तर तक गिर सकते हैं इसकी नजीर भी सामने आई है। एसपी गाज़ीपुर के अनुसार, सैदपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रस्तीपुर के निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे मजदूर के बीमार पड़ जाने पर अपने पिता की जगह काम पर आए एक नाबालिक लड़के ने मकान मालकिन के पोती (नाबालिग लड़की) को बहला-फुसला लिया और दूसरे नाबालिक आरोपी के साथ मिलकर उसे कोचिंग जाते समय अपनी मोटर साईकिल पर बैठा लिया। दोनों नाबालिग आरोपी, लड़की को चौबेपुर ले गये जहां इनके तीन दोस्त दो मोटर साईकिलों से मिले। लड़की को ले जाने वाले दो नाबालिग आरोपियों ने बच्ची को अपने दोस्तों को सौंप दिया। फिर इन तीनों ने नाबालिग बालिका को वाराणसी में ही हाईवे के किनारे एक गेंहू के खेत में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया और दिन भर उसे वाराणसी घूमाते रहे। पकड़े जाने से बचने के लिए उसे विश्व सुन्दरी पुल, वाराणसी पर ले जाकर पुल से गंगा नदी में नीचे फेंक दिये। नदी में मछली पकड़ रहे मल्लाहों ने उसे बचाकर स्थानीय पुलिस चौकी नगवां को सूचित किया, जहां से उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। बालिका के होश में आने पर उसके द्वारा फोन नम्बर बताने पर उसके घर सूचना दी गयी। इसके बाद पुलिस ने बच्ची की निशानदेही पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिसवालों को ट्रेन में बेटिकट यात्रा करना पड़ेगा महंगा, पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। पुलिसवालों को अब ट्रेन में बेटिकट यात्रा करना महंगा पड़ेगा। पकड़े जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सहायक वाणिज्य प्रबंधक ने निर्देशित किया है कि ट्रेनों में बेटिकट यात्रा करने और पकड़े जाने पर अभद्रता करने की घटना होने पर टिकट चेकिंग स्टाफ सबसे पहले कंट्रोल को सूचित करें और पूरी जानकारी से अवगत कराएं। ताकि, समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। 15097 नंबर की अमरनाथ एक्सप्रेस में टिकट जांच के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) के साथ अभद्रता कर धमकी देने वाले बिना टिकट मिले यूपी पुलिस के दारोगा और सिपाही के विरुद्ध कार्रवाई के लिए रेलवे ने पत्र लिखा है। रेलवे प्रशासन ने आइजी और एसपी जीआरपी को लिखे गए पत्र के माध्यम से इस प्रकरण में न्यायसंगत कार्रवाई के लिए कहा है।

फेरे पड़ने से पहले मातम

बरात आने से कुछ घंटे पहले दुल्हन की ऐसे हुई मौत

अमरोहा, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमरोहा के हसनपुर कोतवाली इलाके के गांव रुस्तमपुर में रहने वाले किसान की 21 साल की बेटी कविता की बुखार से मौत हो गई। उसे पांच दिन पहले बुखार आया था, उसका इलाज मुरादाबाद के निजी अस्पताल में चल रहा था। बुधवार को कविता की बरात आनी थी। उसकी मौत के बाद दोनों परिवारों में शादी की खुशियां काफूर हो गईं। गांव में चंदकिरन का परिवार रहता है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटी और एक बेटा है। चंदकिरन गांव में दूसरे किसानों की जमीन बटाई पर लेकर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उन्होंने अपनी बड़ी बेटी कविता की शादी पड़ोस के गांव पतेई खादर में तय की थी। बुधवार को बरात आनी थी। लेकिन बीते पांच दिन पहले अचानक बुखार आने के बाद कविता की तबीयत बिगड़ गई। स्थानीय चिकित्सकों से दवा ली, लेकिन उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ। लिहाजा परिजनों ने उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मंगलवार की रात करीब दो बजे कविता की मौत हो गई।

लड़की से दोस्ती कर बनाए अश्लील वीडियो, वायरल कर करने लगा ब्लैकमेल

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर में सोशल मीडिया पर लड़की को फंसाकर उसके अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने का मामला सामने आया है। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह मामला मुंगेर जिले के तारापुर थाना क्षेत्र का है। यहां की रहने वाली लड़की की दोस्ती फेसबुक पर एक युवक से हो गई। पुलिस का कहना है कि युवक ने पहले लड़की को प्रेमजाल में फंसाया और विश्वास में लेकर उससे कई जानकारियां हासिल कर लीं। इसके बाद बहला-फुसलाकर हैकिंग का एक लिंक भेजकर ओटीपी मांगा, जिसके बाद लड़की के सोशल नेटवर्क का डेटा हैक कर लिया। बताया जा रहा है कि लड़की धनबाद परीक्षा देने गई थी।

'आरएसएस दफ्तर से तय होती है सपा की नीति', विश्वनाथ पाल ने किया अखिलेश यादव पर पलटवार

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर बसपा ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि हमारे सभी सांसद पहले से फील्ड में है। जो भी रणनीति हमारी अध्यक्ष मायावती बना रही निश्चित रूप से उसके आधार पर हम चुनाव में जाएंगे और उनमें बसपा बड़े दल के रूप में चुनकर आएगी। निकाय का चुनाव शहरों का चुनाव है और लोकसभा शहर व देहात दोनों का। हम सभी चुनाव में नंबर 1 के दल के रूप में आएंगे, चाहे निकाय हो या लोकसभा चुनाव। जो तैयारी हम निकाय चुनाव के लिए कर रहे उसका फायदा 2024 में भी मिलेगा। बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने यहां सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बसपा के प्रत्याशी बीजेपी दफ्तर से तय होते हैं। विश्वनाथ पाल ने कहा कि सपा के आरोप सरासर गलत है। बसपा सुप्रीमो मायावती की नीति पर दूसरे लोग चलने का प्रयास करते हैं, उसकी नकल करते हैं। बसपा के कैंडिडेट तो बीजेपी कार्यालय से नहीं तय होते लेकिन सपा की नीति जरूर आरएसएस दफ्तर से तय होती है।

समाजवादी पार्टी पर लगाया आरोप

विश्वनाथ पाल ने कहा कि अभी आजमगढ़ का उपचुनाव हुआ जहां अखिलेश के चचेरे भाई चुनाव लड़ रहे थे, अखिलेश वहां एक दिन भी प्रचार करने नहीं गए। अगर आरएसएस का दबाव नहीं था, अगर भाजपा की बी टीम नहीं है तो उन्होंने प्रचार क्यों नहीं किया? रामपुर में चुनाव होता तो एक बार फॉर्मेलिटी के लिए जाते, वहीं जब इनकी

पत्नी मैनपुरी से लड़ती तो रात दिन गली-गली खाक छानने लगते हैं और मैनपुरी में जो बीजेपी का कैंडिडेट था वो भी सपा कुनबे से निकालकर ही बनाया जाता है। ये मिलीभगत नहीं है? बसपा नेता ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता भरी संसद में कहते हैं कि माननीय मोदी जी को एक बार फिर से आना चाहिए। जब मुख्यमंत्री शपथ लेते हैं तो दोनों पिता-पुत्र मंच पर पहुंचते हैं और कान में बात करते हैं, ये टीम बी नहीं है? बसपा नेता ने आजम खान का जिक्र करते हुए कहा कि आजम सपा के बड़े नेता है। नासिर हसन, इरफान, याकूब कुरैशी यह सब सपा के बड़े नाम है। इनके ऊपर जब फर्जी तरीके से उत्पीड़न हुआ, तो यही समाजवादी लोग आरएसएस की नीति की वजह से उनका हाल लेने नहीं पहुंचे।

आरएसएस की नीति पर चलने का आरोप

विश्वनाथ पाल ने कहा कि बसपा की नीति मायावती बनाती है, जबकि समाजवादी पार्टी आरएसएस की रणनीति पर चलती है। उनके कार्यालय से चलती है। सपा मुस्लिम समाज का वोट लेने की उनकी सबसे बड़ी हितैषी बनती है, लेकिन जब उन पर संकट आता तो ये अलग खड़े हो जाते है। मुस्लिम समाज ने पूरी ताकत से इन को वोट देकर देख लिया।

शाइस्ता परवीन को लेकर कही ये बात

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को लेकर विश्वनाथ पाल ने कहा कि बहन जी ने स्पष्ट कहा है कि जब शाइस्ता परवीन बसपा में शामिल हुई तो उन पर कोई मुकदमा या आरोप नहीं था। अब इस घटना में मायावती ने कहा है कि जैसे ही उनपर दोष सिद्ध होता है उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा। इनाम घोषित होने के मामले पर मायावती विचार करेंगी। रही बात कानूनी कार्रवाई की तो बसपा के सदस्य हैं, इससे कार्रवाई नहीं रुकनी चाहिए। हम भी मांग करते हैं कि जो लोग इस घटना में शामिल है उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। विश्वनाथ पाल ने आरक्षण के मामले पर बीजेपी को घेरते हुए कहा कि बीजेपी देश प्रदेश की जनता के साथ खिलवाड़ कर रही है। जनता का मजाक बना दिया है। भाजपा की तैयारी नहीं थी इसलिए भाजपा ने निकाय चुनाव को लेकर सब नाटक किया है। अगर ये ईमानदारी से पिछड़ों, अतिपिछड़ों, एससी, एसटी का आरक्षण लागू कर दिए होते तो किसी को कोर्ट नहीं जाना पड़ता। 69,000 पदों की जो शिक्षक भर्ती हुई उसमें तमाम लोग चिल्लाते रहे कि आरक्षण से खिलवाड़ हुआ है, उसमें भी कोर्ट ने कहा है कि शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी की गई है। ये कहते कि माफिया प्रदेश छोड़कर भाग गए, अगर माफिया साइलेंट हो गए होते तो दिनदहाड़े हत्या क्यों हो जाती हैं।

दुर्गा पाठ पर भी दिया प्रतिक्रिया

नवरात्रि में मंदिरों में दुर्गा सप्तशती और अखंड रामायण का पाठ कराने के निर्देश पर विश्वनाथ पाल ने कहा कि इनके निर्देश से कोई पूजा पाठ नहीं करेगा। ये तो नाटक करते रहते हैं, धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए। ये भारत देश विभिन्न धर्मों का देश है। संविधान में सभी धर्मों के लिए जगह है। जब जो त्यौहार आता है जिस धर्म के मानने वाले लोग होते हैं मनाते हैं। धर्म आस्था और विश्वास की चीज है। जिसकी जहां आस्था और विश्वास होगा वह नवरात्रि में व्रत भी रखेगा, चालीसा भी पढ़ेगा।

ईडी के लपेटे में आ चुके हैं अब तक कई विपक्षी नेता, राहुल गांधी से लेकर संजय राउत तक का नाम

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। कुछ साल पहले तक सीबीआई की खूब चर्चा हुआ करती थी लेकिन कुछ समय से एक दूसरी एजेंसी सुर्खियों में छाई हुई है. इसका नाम है प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी. मुख्य रूप से यह एजेंसी मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध धन के लेन-देन को रोकने का काम करती है. बुधवार (15 मार्च) को ही रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती दिल्ली की अदालत में पेश हुई थीं जहां सभी को निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई. लालू यादव के पहले ईडी ने मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया है. वहीं, बीते सप्ताह ही बीआरएस नेता के कविता से पूछताछ की. पिछले कुछ समय से विपक्षी नेताओं पर ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र की मोदी

राहुल गांधी और सोनिया गांधी

सरकार पर आरोप भी लगते रहे हैं. यह कहा जाता रहा है कि ईडी सिर्फ विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है. आइए एक नजर डालते हैं उन प्रमुख नेताओं पर जो ईडी के लपेटे में आए हैं.

ईडी के रडार पर नेता

नेशनल हेराल्ड मामले में दोनों नेताओं के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है. बीते साल जुलाई में ईडी ने दोनों नेताओं से पूछताछ की थी.

के कविता

भारत राष्ट्र समिति की नेता और तेलंगाना सीएम केसीआर की बेटी के कविता दिल्ली आबकारी घोटाले में ईडी के निशाने पर हैं. ईडी ने 11 मार्च को कविता से 9 घंटे पूछताछ की थी. 16 मार्च को उन्हें फिर बुलाया गया है.

हसन मुशरिफ- एनसीपी नेता और महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य पर वित्तीय गबन का आरोप है. उन्हें ईडी ने समन भेजा है. 14 मार्च को महाराष्ट्र हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दो सप्ताह तक गिरफ्तारी से राहत दी है.

अनिल परब

शिवसेना के उद्धव गुट के नेता और महाराष्ट्र पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है. अनिल परब ने इस मामले को निरस्त करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है. परब ने उच्च न्यायालय से आग्रह किया है कि उन्हें किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से राहत प्रदान की जाए क्योंकि उनकी याचिका पर सुनवाई लंबित है.

हेमंत सोरेन

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर अवैध खनन मामले में आरोप है. ईडी ने पिछले साल नवम्बर में हेमंत सोरेन से पूछताछ की थी.

इन नेताओं पर ईडी का एक्शन

मनीष सिसोदिया

आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बीते महीने 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था. सिसोदिया पर दिल्ली आबकारी नीति में घोटाले का आरोप है. जेल में बंद सिसोदिया से ईडी ने पूछताछ की और 9 मार्च को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तारी की.

पार्थ चटर्जी

पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और ममता बनर्जी के करीबी पार्थ चटर्जी को ईडी ने शिक्षा घोटाले में गिरफ्तार किया था. ईडी की टीम ने पार्थ चटर्जी की सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के कोलकाता स्थित घर में छापा मारा था. यहां से ईडी को 21 करोड़ रुपये मिले थे. इसके कुछ दिन बाद दूसरे फ्लैट से 28 करोड़ रुपये मिले थे.

सत्येंद्र जैन

आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था. जैन पर अवैध ढंग से लेन-देन का आरोप है.

नवाब मलिक

एनसीपी नेता नवाब मलिक को ईडी ने 2022 में गिरफ्तार किया था. प्रवर्तन निदेशालय नवाब मलिक के खिलाफ अंडरवर्ल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच कर रहा है. नवाब मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम की जमीन से जुड़ी एक डील में शामिल होने के आरोप हैं.

डीके शिवकुमार

कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था. वह इस समय जमानत पर हैं.

संजय राउत

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया था. राउत भी इस समय जमानत पर हैं.

अनिल देशमुख

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता पर पोस्ट के बदले पैसे लेने का आरोप है. ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था. वह इस समय जमानत पर बाहर हैं.

भाजपा-राजद नेताओं के बीच भिड़ंत विधायक अरुण सिन्हा का कुर्ता फाड़ा

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा में आज भी भाजपा विधायकों ने प्रदर्शन किया। सत्र की शुरूआत होने से पहले ही भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर दिया। विधानसभा परिसर में सभी भाजपा विधायक इकट्ठा हो गए और बिहार सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। भाजपा विधायक धरने पर बैठ गए और कहा कि आज हमलोग यहीं बैठकर शैडो विधानसभा चलाएंगे। भाजपा नेताओं ने भागीरथी देवी को शैडो सदन का अध्यक्ष बनाया। इसके बाद राजभवन मार्च करने की घोषणा की। इसी बीच लालू-राबड़ी को बेल मिलने पर राजद विधायक लड्डू लेकर भाजपा विधायकों के पास पहुंचे। देखते ही देखते राजद और भाजपा विधायकों के बीच कहासुनी होने लगी। दोनों दल के नेता आपस में भिड़ गए। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि राजद विधायक मनोज यादव ने हमारे सदस्य अरुण सिन्हा का कुर्ता फाड़ दिया। अभ्रदता की। हमलोगों को जबरन लड्डू खिलाने की कोशिश की गई। सरकार को इसपर कार्रवाई करनी चाहिए। इधर, नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। संवैधानिक पद पर बैठे लोग पद की गरिमा नहीं गिराएं। भाजपा विधायकों का कहना है कि सदन में दलित विधायक को गाली देने वाले सदस्य पर कार्रवाई नहीं की गई। भाजपा से सदस्य पर माइक तोड़ने का आरोप लगाकर उन्हें दो दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। यह तो लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा विधायक ने जमीन चोर गद्दी छोड़, एक पक्षीय कार्रवाई करना बंद करो, चारा चोर गद्दी छोड़ का नारा लगा रहे हैं। जमीन के बदले नौकरी मामले को लेकर भाजपा विधायक उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के इस्तीफे के मांग कर कर रहे हैं।

शातिर झपटमार गिरफ्तार 4 साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। द्वारका जिले के बिंदापुर पुलिस ने एक झपटमार को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज उर्फ राजू के रूप में हुई है. वह बिंदापुर का रहने वाला है. डीसीपी एम. हर्षवर्धन के अनुसार, भगोड़ों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत, एसएचओ राजेश मलिक की देखरेख में हेड कॉन्स्टेबल दिनेश और दीपक की टीम का गठन किया गया था. पुलिस टीम, सूत्रों को सक्रिय कर जिले के भगोड़ों के बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी हुई थी. साथ ही टेक्निकल और मैनुअल सर्विलांस की सहायता से भगोड़ों को ट्रैक किया जा रहा था.

'मेरे सिर पर मारो...', गैरसैंण बजट सत्र में बोलीं विधानसभा अध्यक्ष

देहरादून, 15 मार्च (एजेंसियां)। गैरसैंण में हो रहे विधानसभा बजट सत्र में निलंबन के विरोध में हंगामे के चलते कांग्रेस एमएलए अनुपमा रावत एवं आदेश चौहान सचिव की टेबल पर चढ़ गए। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी की ओर भी पुस्तकें फेंकी,पर वो बाल-बाल बच गईं। यह देखकर स्पीकर ने संकेत किया कि मेरे सिर पर मारो। विधानसभा अध्यक्ष का सदन में कांग्रेस विधायकों का हंगामा जारी रहने पर पारा चढ़ गया। उन्होंने विधायकों को चेताते हुए सीट पर लौटने को बोला। इसके बाद भी हंगामा शांत नहीं होने पर उन्होंने विधायकों को सदन से बाहर निकालने के निर्देश दिए। इस पर कांग्रेस विधायकों के तेवर तीखे होते देख स्पीकर ने सभी को मंगलवार को सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया। और सदन 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके पश्चात भी कांग्रेस एमएलए वेल में डटे रहे व सदन शुरू होने पर फिर हंगामा आरम्भ कर दिया। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के समय भी जब हंगामा नहीं थमा तो विधानसभा अध्यक्ष ने शाम 5:57 बजे सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस विधायकों के विरोध का समर्थन करते हुए बहुजन समाज पार्टी विधायक दल के नेता मो.शहजाद, सरबत करीम अंसारी एवं निर्दलीय विधायक उमेश कुमार भी वेल में आ गए। उन्होंने भी कांग्रेस विधायकों के निलंबन को गलत बताया। कांग्रेस के ये विधायक नहीं आए।बदरीनाथ एमएलए राजेंद्र भंडारी चोट एवं किच्छा एमएलए तिलकराज बेहड़ अस्वस्थता के चलते गैरसैंण नहीं पहुंचे हैं। लोहाघाट एमएलए खुशहाल सिंह अफसर एवं पिथौरागढ़ एमएलए मयूख महर भी मंगलवार को सदन में नहीं थे।

जुलूस के दौरान मस्जिद पर पथराव, हिंदू पक्ष के लोगों पर पत्थरबाजी का आरोप

बेंगलुरु, 15 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के हावेरी में एक जुलूस के दौरान मस्जिद पर पथराव का मामला सामने आया है।

हिंदू पक्ष के लोगों पर आरोप लगा है कि उन्होंने मस्जिद पर पत्थरबाजी की है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया, हालांकि पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम करने के बाद फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। पथराव की घटना में कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस ने इस मामले में डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार भी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हावेरी में हिंदू संगठन के लोग एक रैली निकाल रहे थे। इस दौरान कुछ उपद्रवियों ने एक मस्जिद पर पथराव कर दिया, जिससे दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। पत्थरबाजी और झड़प की इस घटना में 6 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। फिलहाल पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मस्जिद पर पथराव करने वाले लोगों ने आरोप लगाया कि एक सप्ताह पहले हिंदू पक्ष के लोगों ने एक और जुलूस निकाला था, तब मुस्लिम पक्ष के लोगों ने पथराव किया था। उन्होंने कहा कि उसी के विरोध में ये रैली निकाली जा रही थी। मस्जिद पर पथराव करने के आरोपियों का कहना है कि जब वे सांगोली रायन्ना (ब्रिटिशों से लड़ने वाले एक शहीद) का जुलूस निकाल रहे थे, तो मुसलमानों के एक वर्ग ने उन पर पथराव किया था। उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने पिछले सप्ताह सांगोली रायन्ना की प्रतिमा के साथ निकाले जा रहे जुलूस कार्यक्रम को बाधित भी किया था।

रिश्वतखोर पर लोकायुक्त का शिकंजा, नगर परिषद में 12 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए बाबू गिरफ्तार

कटनी, 15 मार्च (एजेंसियां)। कटनी जिले में एक और रिश्वतखोर बाबू पर लोकायुक्त ने शिकंजा कसते हुए गिरफ्तार किया है। पूरी कार्रवाई बरही नगर परिषद पर की गई, जहां जबलपुर लोकायुक्त की छह सदस्यीय टीम ने मिलकर छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया जा रहा है, पीएम आवास पर नाम चढ़ाने की एवज पर नगर परिषद के सहायक ग्रेड-3 के बाबू अक्षय जोशी द्वारा छींदिया टोला के वार्ड क्रमांक-12 के रहवासी भीम काचेर से 12 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत पीड़ित ने जबलपुर लोकायुक्त में पहुंचकर दर्ज करवाई थी। वहीं, बाबू अक्षय जोशी को 12 हजार की पहली किस्त लेते जबलपुर लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता भीम काचरे ने बताया, पीएम आवास बनवाने के लिए उसके द्वारा आवेदन नगर परिषद में दाखिल किया था। उसके बाद बाबू अक्षय जोशी द्वारा लगातार मुझे 15 हजार की रिश्वत देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। बात 12 हजार पर बनी, जिसके बाद मेरे द्वारा मामले की शिकायत जबलपुर पहुंचकर लोकायुक्त एसपी को सौंपी गई थी। इस पर आज 12 हजार की रिश्वत लेते बाबू को पकड़ा है। टीम का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक स्वप्निल दास ने बताया कि भीम काचेर की शिकायत पर आज बरही नगर परिषद पर रिश्वत लेते बाबू अक्षय जोशी पकड़े गए हैं, जिन पर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

आयुष मणि तिवारी बने बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के महानिरीक्षक, संभाला पदभार

कोलकाता, 15 मार्च (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) दक्षिण बंगाल सीमांत के नए महानिरीक्षक के रूप में आईपीएस आयुष मणि तिवारी ने पदभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने सबसे पहले बीएसएफ के अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने सीमांत इलाकों में हो रही गतिविधियों को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह प्रभावी सीमा वर्चस्व जारी रखेंगे। किसी भी नापाक गतिविधि को विफल करने के लिए सीमा को अभेद्य बनाएंगे। उन्होंने जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को जारी रखने पर विशेष बल दिया। आयुष मणि तिवारी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी करने बाद गुजरात से एमबीए किया और उस्मानिया विश्वविद्यालय से पुलिस प्रबंधन में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक के रूप में तमिलनाडु के कई सांप्रदायिक और जाति-संवेदनशील जिलों जैसे तूतीकोरिन, मदुरै, तिरुवल्लुर और नमक्कल में बेहतरीन काम किया है। उन्होंने चेन्नई शहर में डीसीपी और कोयम्बटूर रेंज के डीआईजी और तमिलनाडु में सशस्त्र पुलिस के आईजीपी के रूप में भी काम किया है। 2007 में आयुष मणि तिवारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आए और पाकिस्तान के साथ सीमा पर स्थापित गुजरात ब्यूरो का नेतृत्व किया। उन्होंने तीन साल तक नागरिक उड्डयन ब्यूरो में डीडीजी के पद पर भी कार्य किया है। बीएसएफ में वह राजस्थान सीमांत के आईजी और बल मुख्यालय में विभिन्न महत्पूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

बंगाल के दुर्गापुर में मैना और लड़की की अजीबोगरीब दोस्ती

कोलकाता, 15 मार्च (एजेंसियां)। पक्षी और इंसान के बीच दोस्ती के किस्से तो आपने कई सुने होंगे. लेकिन ये एक ऐसी कहानी है जिसके बारे में आपने शायद ही सुना होगा. कांकसा के पश्चिम बर्दवान स्थित शिवपुर प्राइमरी स्कूल में एक पक्षी और छात्रा के बीच अजीबोगरीब दोस्ती है. लड़की अंकिता बागड़ी शिवपुर प्राथमिक विद्यालय में पढ़ती है और मैना पक्षी मिठू उससे मिलने के लिए हर दिन स्कूल में आती है. मैना हर दिन नियमित रूप से स्कूल पहुंच जाती है. स्कूल में प्रार्थना के दौरान, क्लासरूम, लंच के दौरान हमेशा उसके साथ रहती है. अंकिता बेंच पर बैठ जाती है और टिफिन के समय मिठू को अपना खाना खाने के लिए देती है. स्कूल के प्रभारी शिक्षक रामदास सोरेन ने कहा, यह एक अजीब दोस्ती है जो उन्होंने कहीं नहीं देखी. पूरे स्कूल को भूखे पक्षी से प्यार हो गया है. मिट्ठू अंकिता के हाथों से केक और बिस्कुट खाती है. टिफिन के समय मिट्ठू अन्य बच्चों के साथ भी खेलती है. हालांकि, जब अंकिता स्कूल नहीं आती है तो मिठू भी बंक मार देता है. एक दिन, जब अंकिता नहीं आई तो मिठू अंकिता के घर चली गई . अंकिता ने ईटीवी भारत को बताया, 'स्कूल खत्म होने वाले दिनों में मिठू पेड़ पर वापस चली जाती है. मिठू हर दिन 'समय पर' स्कूल पहुंचती है. मिठू के देर से आने पर मैं परेशान हो जाती हूं.' ऐसी अजीबोगरीब दोस्ती ने दूसरों का भी ध्यान खींचा है. एक अभिभावक ने कहा, वे भी मिठू को रोज देखते हैं. दिलचस्प बात यह है कि मिठू बड़े लोगों की ज्यादा परवाह नहीं करती है. हालांकि, मैना शिक्षकों के हाथों से भोजन लेती है, लेकिन अंकिता के माता-पिता या अन्य कर्मचारियों के पास कभी नहीं जाती है. माता-पिता को लगता है कि मिठू वास्तव में बच्चों के साथ रहना पसंद करती है. इसके अलावा, किसी ने भी मिठू के साथ किसी और को नहीं देखा. सभी को यह आभास हो गया है कि यह पक्षी वास्तव में बच्चों की दोस्त है. इसलिए मिठू पूरा दिन बच्चों के साथ बिताती है. ऐसी दोस्ती जंगल बुक की याद दिलाती है.

अब राहुल गांधी पर विजयवर्गीय ने साधा निशाना

अटलजी भी यूएन गए थे, पर भारत की बुराई नहीं की

खरगोन, 15 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी के कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान पर भाजपा लगातार हमलावर है। अब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने निशाना साधा है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देकर कहा कि विदेश में किसी को भी देश की बुराई नहीं करना चाहिए। बता दें कि कैलाश विजयवर्गीय खरगोन जिले की बड़वाह विधानसभा में स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर में करीब 4.50 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन करने आए थे। राहुल गांधी के कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान पर पूछने पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, कभी भी भारत के किसी नेता ने चाहे वह विपक्ष के ही क्यों न हों विदेश में जाकर भारत की बुराई नहीं की। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यूएन की बैठक में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए अटल बिहारी वाजपेई को भेजा था। अटलजी ने विदेश में जम्मू कश्मीर के विषय में भारत सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में पक्ष रखा था । जब वहां पत्रकारों ने अटल जी से पूछा कि आप तो सरकार की खूब आलोचना करते हैं, परंतु यहां पर आप सरकार का पक्ष ले रहे हैं। तो अटल जी ने कहा कि, देश में हमारी पार्टी विपक्ष में है। परंतु यहां में भारत के झंडे का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीति में कहां विरोध करना चाहिए इस बात की समझ होना चाहिए। यदि प्रजातंत्र खतरे में होता और आवाज दबाई जाती तो क्या वे बोल सकते थे। उन्हें संसद में व देश में सरकार का विरोध करने का पूरा अधिकार है। परंतु विदेश में हमारे देश की छवि के बारे में ध्यान रखना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में भारत को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने मोर्चा खोल रखा है। भाजपा इस बयान को भारत की आन बान से जोड़कर कांग्रेस पर हमला कर रही है। इसी को लेकर संसद में भी खूब हंगामा हुआ। तो वहीं भाजपा नेता सदन के बाहर भी अब राहुल गांधी पर खुलकर निशाना साध रहे हैं। बड़वाह को जिला बनाने के सवाल पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस बात का अध्ययन व सभी पहलुओं पर विचार होना चाहिए कि नए जिले की सीमा क्या होगी। इसमें कौन-कौन से गांव शामिल होंगे। किस क्षेत्र को लाभ या हानि होगी। कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपनी 15 माह की सरकार में जिला बनाने के लिए क्या किया। उन्हें जिले की मांग उस समय याद नहीं आई।

नोएडा में फर्जी वीजा बनाने वाले गैंग का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली/नोएडा, 15 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा के थाना सेक्टर 63 पुलिस ने विदेश में फर्जी वीजा तैयार करने व विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन व विदेशी करेंसी बरामद की गई है. उसके अन्य साथी पूर्व में पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं. बताया जा रहा है कि आरोपी गैंग का मास्टरमाइंड है और वह लगातार पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था. आरोपी 15,000 रुपये का इनामी बदमाश है.

एम्स के डॉक्टरों ने गर्भ के अंदर ही भ्रूण की कर दी हार्ट सर्जरी, वो भी मात्र 90 सेकेंड में

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। साइंस और तकनीक के जरिए क्या संभव नहीं है. यह एक बार फिर दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने इस बात को साबित कर दिया है. दरअसल देश की राजधानी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मां के गर्भ में पल रहे एक भ्रूण के अंगूर के आकार के दिल में सफल बैलून डाइलेशन किया गया है. डॉक्टरों ने बच्चे की हृदय की स्थिति के बारे में माता-पिता को सूचित किया तो उन्होंने डाइलेशन की सहमति दी और वर्तमान गर्भावस्था को जारी रखने की इच्छा जताई थी. डॉक्टरों ने बताया कि 28 वर्षीय गर्भवती महिला को तीन बार

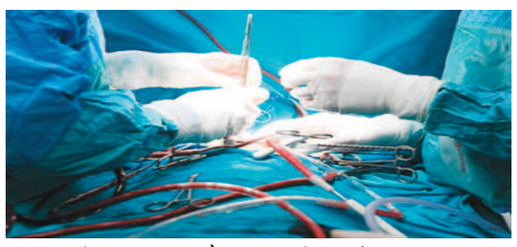

गर्भपात हो चुका था और जब उसे अपने गर्भ में पल रहे भ्रूण की दिल की खराब स्थिति के बारे में बताया गया तो वह बेहोश हो गई थी. इसके बाद डाइलेशन की प्रक्रिया एम्स कार्डियोथोरेसिक साइंसेज सेंटर में की गई थी. इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट और भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने डाइलेशन की सफल प्रक्रिया की. एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग (भ्रूण चि कि त्सा) विभाग के साथ कार्डियोलॉजी और कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टरों की टीम के अनुसार 'सर्जरी के बाद भ्रूण और मां दोनों ठीक हैं.' डॉक्टरों की टीम ने बताया, 'डॉक्टरों की टीम भ्रूण की वृद्धि की निगरानी कर रही है. बच्चे के मां के गर्भ में होने पर कुछ प्रकार के गंभीर हृदय रोगों का निदान किया जा सकता है. कभी-कभी, गर्भ में उनका इलाज करने से जन्म के बाद बच्चे के दृष्टिकोण में सुधार हो सकता है और सामान्य विकास हो सकता है.' सर्जरी करने वाले वरिष्ठ डॉक्टर ने समझाया, 'हमने मां के पेट के माध्यम से बच्चे के दिल में एक सुई डाली. फिर एक गुब्बारे कैथेटर का उपयोग करके, हमने रक्त प्रवाह में सुधार के लिए बाधित वाल्व खोल दिया. हम आशा और उम्मीद करते हैं कि बच्चे का दिल बेहतर विकसित होगा और हृदय रोग जन्म के समय कम गंभीर होगा.' डॉक्टर ने कहा, 'पूरी प्रक्रिया बहुत तेजी से की जानी थी. यह बहुत चुनौतीपूर्ण था. हम इसे लगभग 90 सेकेंड में करने में सफल रहे.'

हीरो बनने के चक्कर में छत के बनेरे पर लटका अपराधी, पुलिस ने फिर से किया काबू

लुधियाना, 15 मार्च (एजेंसियां)। खन्ना की सिटी थाना टू की पुलिस की कस्टडी से चोरी के मामले में गिरफ्तार अपराधी आकाश उर्फ काशी उस समय फरार हो गया, जिस वक्त पुलिस उसका मेडिकल करवाने के लिए खन्ना के सरकारी अस्पताल पहुंची थी, जिसके करीब दो से तीन घंटे बाद डीएसपी (खन्ना) करनैल सिंह ने अपनी टीम के साथ आरोपी को दोबारा काबू कर लिया। मिली जानकारी अनुसार सीटी थाना टू की पुलिस चोरी के मामले में तीन आरोपियों को मेडिकल करवाने के लिए खन्ना के सरकारी अस्पताल लाई थी। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि 2 अपराधियों को तो हथकड़ी लगी थी, लेकिन तीसरे को हथकड़ी नहीं लगी थी। इसका फायदा उठाकर वह पुलिस की कस्टडी से भाग निकला। दो-तीन घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को दोबारा काबू गया घटना का पता चलते ही डीएसपी (खन्ना) करनैल सिंह अपनी टीम के साथ खन्ना के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचे। हॉस्पिटल से ही डीएसपी पैदल अपनी टीम के साथ अस्पताल के पीछे बनी गैलरी से होते हुए खन्ना के मेन बाजार में पहुंच गए और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। जिससे पता लगा कि अपराधी किस दिशा में भाग रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 मार्च- 2023

हंगामे की भेंट चढ़ता सदन

राहुल गांधी जब से विलायत जा कर वहां की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में अपने भाषण दिए हैं तभी से सत्तापक्ष उनके भाषण को लेकर उन्हें घेरने में लगी है। सरकार का कहना है कि राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर जाकर जो कहा उससे भारतीय लोकतंत्र का अपमान हुआ है, जिसकी वजह से उन्हें सदन में आकर माफी मांगनी चाहिए। इस मांग को लेकर हो रहे हंगामे की वजह से सदन बार-बार बाधित हो रहा है । आखिर सदन से देश की यही अपेक्षा रहती है कि संसद में जरूरी मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा हो ताकि समस्याओं के समाधान की दिशा में व्यावहारिक नतीजे निकाले जा सकें। मगर काफी समय से देखने में आ रहा है कि दोनों सदन जैसे राजनीतिक दलों के लिए जोर-आजमाइश का अखाडा बन गए हैं। जब भी संसद सत्र शुरू होता है तभी पक्ष और विपक्ष के बीच किसी न किसी मुद्दे को लेकर तीखा हमला व हंगामा होने लगता है। इस हो-हल्ले को लेकर कुछ सांसदों को निलंबित करने की कार्रवाई भी की जाती है तो उसे लेकर अलग से हंगामा शुरू हो जाता है। नतीजतन कई बार संसद सत्र समय से पहले ही स्थगित कर दिया जाता है। बजट सत्र में भी यही रुझान देखने को मिला है। इसका पहला चरण हंगामे की भेंट चढ़ गया। दूसरे चरण में भी पहले ही दिन से हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष ने तय कर रखा है कि चाहे जो हो जाए वह अडाणी प्रकरण पर सत्तापक्ष को बख्शने के मूड में नही है। यह बात सरकार को पता थी, इसलिए उसने अपने बचाव में पहले से ही तैयारियां कर रखी थी। विपक्ष हंगामें व प्रदर्शन के जरिए अडाणी की कंपनियों को दिए गए कर्ज के मामले में सरकार से अपना पक्ष रखने की मांग पर अडा है तो सत्तापक्ष उस पर कोई बात करने को तैयार ही नहीं है। यहां तक कि बुधवार को लगभग समूचा विपक्ष सदन से निकल कर ईडी दफ्तर तक मार्च निकालने की योजना बनाई लेकिन भारी पुलिस बंदोबस्त की वजह से वह ईडी कार्यालय तक नहीं नहीं पहुंच सका। अब सत्तापक्ष को राहुल गांधी को घर रहा है। इसके लिए उन्हें सदन में आकर माफी मांगने पर अडा है। सत्तापक्ष का तर्क है कि वे जिस सदन के सदस्य हैं, उसी सदन का अपमान कैसे कर सकते हैं। यदि वे माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का मामला बनता है। उनकी सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए। विपक्ष का कहना है कि यह मांग सिर्फ अडाणी प्रकरण को दबाने के लिए किया जा रहा है ताकि संसद में किसी विषय पर कोई सार्थक बहस न होने पाए। इसके पहले भी कई बार सत्तापक्ष और विपक्ष रणनीतिक रूप से संसद में हंगामा कर चुके हैं। पिछले कई सालों से यह प्रवृत्ति बनी हुई है। तीन कृषि कानूनों को लेकर भी इसी तरह हंगामा हुआ और फिर स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि कुछ विपक्षी नेताओं को पूरे सत्र के लिए संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से रोक दिया गया। बाकी विपक्षी सदस्यों को सदन से बाहर निकालने के लिए सुरक्षाबलों का प्रयोग करना पड़ा। कई बार ऐसा भी हुआ कि विपक्ष संसद से बाहर निकल कर मीडिया के सामने अपनी बातें रखने लगा। देखा जाए तो संसद की मर्यादा तोडने में कोई भी पक्ष कम नहीं है। आरोप है कि सरकार जानबूझ कर असहज करने वाले सवालों से बचने का प्रयास करती है, जिनसे उसकी कमजोरी जाहिर हो सकती है। इसलिए हर बार वह कोई न कोई मामले को लेकर तूल देती दिखाई देती है, जिसके जरिए वह विपक्ष की गलतियों को सार्वजनिक कर सके। इसमें विपक्षी नेताओं के बोलते वक्त तरह-तरह से व्यवधान उपस्थित करते भी देखा जाता है। हालांकि विपक्ष भी स्वस्थ इरादे से किसी मुद्दे पर बहस करने की इच्छा रखता हो, ऐसा नहीं कहा जा सकता। वह अक्सर सरकार को घेर कर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास करता है। इस तरह संसद में चर्चाओं का मूल मकसद ही कहीं खो गया है। इसका नतीजा यह निकलता है कि जिन कानूनों पर चर्चा के बाद सहमति बननी चाहिए, वे भी एकतरफा सहमति से पारित कर दिए जाते हैं। जाहिर है यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह साबित हो रही है।

औरत ही औरत की दुश्मन?

ललिता पवार, शशिकला, बिंदु...पुरानी हिंदी फिल्मों की जितनी वैंप याद कीजिए अधिकतर अपनी बहुओं पर जुल्म ढाती थीं और हिट हो जाती थीं। वैसी फिल्में बननी कम हुईं, तो सीरियलों में शुरू हो गया सास बहू और साजिश का सिलसिला। कोमोलिका, रमोला और अम्माजी जैसे डरावने किरदारों ने न जाने कितनी साजिशें रची घर की औरतों के लिए। ये सब देख सुन कर टाइम पास कर रहे लोगों के मुंह से अक्सर हम सबने सुना होगा कि औरत ही औरत की सबसे बड़ी दुश्मन होती है। आप चार लोगों के आगे फेमिनिज़म की बातें कीजिए, तब दो सेकंड में ही कहीं से आवाज आ जाएगी कि औरत ही औरत की दुश्मन होती है। दो महिलाओं की कहासुनी हो, परिवार में अनबन हो, तो सबके मुंह से यही निकलता है कि औरत ही औरत की दुश्मन है। जबकि आंकड़ों के हिसाब से समाज में जितने क्राइम होते हैं, उनमें से अधिकतर पुरुषों पर होते हैं और पुरुषों के द्वारा होते हैं। लेकिन हम तब क्यों नहीं कहते कि पुरुष ही पुरुष का सबसे बड़ा दुश्मन है? ऐसा सोचने में भी अजीब लगता है, लेकिन महिलाओं की लड़ाई में तपाक से वही निकलता है।

आखिर इसकी वजह क्या है? तुर्की की एक लेखिका हैं डेनीज़ कैंडियोटी, उन्होंने एक फेमिनिस्ट थिअरी ईजाद की है पैट्रिआर्कल बारगेन। इसकी परत को हल्का सा खोलेंगे, तो बात समझ आएगी। पैट्रिआर्की यानी पितृसत्तात्मक सोच से हम सब वाकिफ हैं। पैटिआर्कल बारगेन महिलाओं के द्वारा अपनाई जाने वाली वह स्ट्रैटिजी होती है, जिसके तहत वह पुरुषवादी समाज में, जहां पर आपके जेंडर के आधार पर अन्याय, दमन या उत्पीड़न होता रहा है, वहां उसी दायरे में रहकर वह अपने अंदर भरी असुरक्षा को कम करने के लिए और अपनी ताकत को बढ़ाने के लिए वैसा ही दमनकारी बर्ताव करती हैं अपनी आने वाली पीढ़ी के साथ। यह पैट्रिआर्कल बारगेन वाली आदत सबसे ज्यादा सास और बहू के रिश्तों में देख सकते हैं या फिर कॉलेज में रैगिंग करने वाले सीनियरों के बीच। सोच ये होती है कि मेरे साथ ऐसा हुआ है, तो अब हम इस बर्ताव को आगे भी कायम रखेंगे।

महिलाएं इस कदर पैट्रिआर्की का पालन करने में जुटी होती हैं कि उन्हें खुद अहसास नहीं होता कि वे इसकी कठपुतली बन चुकी हैं। यह सोच अनजाने में ही उनके अंदर घर कर चुकी है कि पैट्रिआर्की ही जीवन जीने का तरीका है और इन नियमों का पालन वह खुद तो करती ही हैं। आगे आने वाली पीढ़ी से भी सख्ती से करवाती हैं। इस दौरान वह दूसरी महिला की दुश्मन दिखाई देती है। जबकि असलियत में वह उस पुरुषवादी सोच का एक हथियार भर हैं, जिसका इस्तेमाल उन नियमों का पालन करने में किया जा रहा है, बिना उसे बताए। उसे लगता है कि उसने ऐसा नहीं किया, तो उस पर और अत्याचार हो सकता है। इसी सोच के तहत एक महिला अपने बेटे और बेटी में भेदभाव करती हैं और बेटे को प्राथमिकता देती है। जबकि मुमकिन है कि बचपन में उसने खुद यह भेदभाव झेला हो। घर में पति या पुरुष वर्ग को खाना पहले परोसा जाएगा, पिता या भाई के आगे बेटी या बहन को ज्यादा बहस नहीं करने देना, घर के काम के लिए बेटी को तैयार करवाना, उसके बाहर आने जाने पर पुलिस की तरह नजर रखना, पति के जीते जी समाज में सिक्योर महसूस करना या पति के निधन के बाद घर के किसी शुभ पूजा पाठ में महिला को शामिल नहीं करना ऐसे कई हजारों उदाहरणों में से एक हैं, जो एक महिला अनजाने में अपनी बेटी, बहन या बहू के साथ सख्ती से कर रही होती है।

एमपी: कांग्रेस और भाजपा के बीच क्या आप लगा सकेगी सेंध ?

अशोक भाटिया

कुछ ही महीनों में मध्य प्रदेश में 230 सीटों विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राज्य में कांग्रेस और भाजपा में सीधी टक्कर रहती है। दोनों ही पार्टियों ने अपनी रणनीति को धार देना शुरु कर दिया है। पिछले विधान सभा चुनाव में भाजपा हार गयी थी। कांग्रेस ने कुछ छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों के साथ मिलकर सरकार बनाई थी।लेकिन कुछ दिनों बाद कांग्रेस के ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस से हाथ छुड़ा लिया और अपने समर्थक विधायकों के साथ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया।कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर गई और सत्ता की कुंजी एक बार फिर शिवराज सिंह चौहान के हाथों में आ गयी थी।दिलचस्प ये है कि भाजपा कांग्रेस की इस सीधी टक्कर आम आदमी पार्टी भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने में जुट गई है। यहाँ भी उसका चुनावी दंगल गुजरात की तर्ज़ पर सजता हुआ दिख रहा है।

दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गुजरात जैसे राज्यों के बाद आम आदमी पार्टी का काफिला मध्य प्रदेश जा पहुंचा है। मध्य प्रदेश ऐसा राज्य हैं जहां कांग्रेस और भाजपा ही अदल-बदलकर सत्ता में आती है। ऐसे में लोगों को लगता है अब चुनावी रण में आम आदमी पार्टी की एंट्री से जनता को एक नया विकल्प मिल गया है।

बीते कुछ दिनों से अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी सुर्खियों में है। मामला उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर पड़े सीबीआई से जुड़ा छापे है। दरअसल, दिल्ली की नई शराब नीति में हुए घोटाले पर बवाल हो रहा। भाजपा केजरीवाल और आप पर निशाना साध रही है। वहीं, आप इसे दिल्ली के शिक्षा मॉडल पर हमला बता रही है। इसके साथ ही आप नेता दावा कर रहे हैं कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला आम आदमी पार्टी से होगा। चर्चा ये भी होने लगी है कि क्या गुजरात चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी पूरे देश में कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश कर रही है? क्या ये दिल्ली-पंजाब की तरह अन्य राज्यों से भी कांग्रेस को खत्म करने की कोशिश है? क्या भाजपा के कांग्रेस मुक्त अभियान को आप आगे बढ़ा रही है? कांग्रेस देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है। अभी लोकसभा में उसके 53, राज्यसभा में 31 सदस्य हैं। देशभर में कांग्रेस के 692 विधायक और 43 एमएलसी हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी अपने जन्म के बाद महज 10 साल में दो राज्यों में सरकार बन चुकी है। कई राज्यों में उसकी मजबूत दावेदारी है। अभी आप के 10 राज्यसभा सांसद हैं। 156 विधायक हैं।'

राजनीतिक जानकर कहते हैं, 'जहां भी कांग्रेस सत्ता में रही है, वहां आम आदमी पार्टी की मजबूत विकल्प के तौर पर उभरी है। दिल्ली, पंजाब इसके उदाहरण हैं। गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्यों में कांग्रेस की सीधी लड़ाई भाजपा से होती है। यहां भी आम आदमी पार्टी ने खुद का तेजी से विस्तार करना शुरू किया। उत्तराखंड में आप को सफलता नहीं मिली, लेकिन पूरे चुनाव में आप की चर्चा खूब रही। अब केजरीवाल की नजर हिमाचल प्रदेश और गुजरात पर थी । यहां भी आप ने कांग्रेस को किनारे करके मुख्य लड़ाई आप और भाजपा के बीच में करने की कोशिश शुरू कर दी थी ।' देखा जाय तो तीन बिंदु ऐसे है कि आखिर क्यों आम आदमी पार्टी का बढ़ना कांग्रेस के लिए खत्म होने का संकेत है। पहला , पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति पहले भी ज्यादा अच्छी नहीं थी। यहां की क्षेत्रीय पार्टी शिरोमणि अकाली दल भी कुछ खास नहीं कर पाई। आम आदमी पार्टी ही यहां कांग्रेस का विकल्प बनी। वह भी ऐसी कि कांग्रेस पूरी तरह से साफ ही हो गई। इस बार चुनाव में पंजाब की 117 में से 92 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने कब्जा जमाया, जबकि कांग्रेस 77 से 18 पर आकर सिमट गई। भाजपा को दो और शिरोमणिक अकाली दल को तीन सीटों पर जीत मिली। 2017 में पंजाब में आम आदमी पार्टी को 20 सीट पर जीत मिली थी। ये आंकड़े साफ बता रहे हैं कि कैसे अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में कांग्रेस को साफ कर दिया।

दूसरा : गोवा-मध्य प्रदेश में भी आम आदमी पार्टी मजबूत होती दिखी। गोवा में पहली बार आम आदमी पार्टी के दो विधायक चुनाव जीते। इनमें एक सीट पर 2017 में कांग्रेस जबकि दूसरे पर एनसीपी की जीत हुई थी। मतलब ये दोनों सीटों पर गैर भाजपाई दलों को नुकसान हुआ। गोवा की करीब 25 ऐसी सीटें थीं, जहां आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का ही वोट काटा। इसका फायदा भाजपा को मिल गया। वहीं, मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां पहली बार आम आदमी पार्टी का मेयर बना है। सिंगरौली में आप प्रत्याशी रानी अग्रवाल ने भाजपा के उम्मीदवार को हराया। रानी भाजपा की नेता रह चुकी हैं। हालांकि, जब ओवरऑल आंकड़ों को देखते हैं तो यहां भी आम आदमी पार्टी ने करीब 60 से ज्यादा वार्डों में कांग्रेस का खेल बिगाड़ा।

बुरहानपुर, खंडवा और उज्जैन में मेयर सीट पर भाजपा की जीत हुई। इन तीनों सीटों पर भी आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम की वजह से ही कांग्रेस की हार हुई। बुरहानपुर में एआईएमआईएम प्रत्याशी को 10 हजार से ज्यादा वोट मिले। इसी तरह उज्जैन में भाजपा उम्मीदवार केवल 736 वोटों से जीती। अब यह मन जा रहा है कि जहां कांग्रेस – भाजपा की लड़ाई हो , वहीँ आप की एंट्री होती है : आमतौर पर कई राज्यों में कांग्रेस को आसानी से मुस्लिम वोटर्स का साथ मिल जाता है। अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और अरविंद केजरीवाल इसी को तोड़ने में जुटे हैं। जहां-जहां कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है, वहां आम आदमी पार्टी की एंट्री होती है। ऐसी स्थिति में भाजपा की तरफ से भी कांग्रेस को छोड़कर आम आदमी पार्टी पर ही निशाना साधा जाता है। मतलब कुल मिलाकर कांग्रेस को लड़ाई से ही गायब कर दिया जाता है। अब केजरीवाल 2023 के मध्यप्रदेश के चुनाव में दल – बल के साथ उतर चुके है । मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भोपाल में आयोजित एक रैली में चुनावी बिगुल फूंकते हुए ये घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब की तर्ज पर ही मध्य प्रदेश में अगर उनकी सरकार आई तो बिजली, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं को मुफ़्त कर दिया जाएगा।केजरीवाल यहाँ वही पुराना रिकॉर्ड बजाते है कि मध्य प्रदेश में भी एक मौक़ा दीजिए। यहां भी सब मुफ़्त कर देंगे। काम न करूं तो दोबारा वोट मांगने नहीं आऊंगा।₹

इससे पहले केजरीवाल ने प्रदेश की सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान करते हुए भेल क्षेत्र के दशहरा मैदान में आई जनता से कहा कि आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश के अंदर आ चुकी है और अब पूरा प्रदेश बदलाव चाह रहा है। केजरीवाल के अनुसार मध्यप्रदेश को ईमानदार पार्टी का विकल्प मिल गया है। वे कहते है ₹जैसे हमने दिल्ली को बदला है। वैसे ही मध्य प्रदेश को भी बदल देंगे। ट्रेलर मिल चुका है। सिंगरौली में रानी अग्रवाल मेयर बन गई हैं। विधानसभा चुनाव में आपको पूरी फ़िल्म दिखाएंगे।(भले ही उनके तीन मंत्री जेल में है पर वो इमानदार पार्टी है !) मंगलवार को अपनी रैली में केजरीवाल ने ये भी कहा कि उन्हें रोकने के लिए हर तरह के षड्यंत्र किए गए। वे बोले, ₹हर तरह के षड्यंत्र किए गए, लेकिन हम दिल्ली से पंजाब पहुंच गए और शेर की मांद से गुजरात में 14 प्रतिशत वोट भी ले लिए।₹इस दौरान उन्होंने ये भी दावा किया कि 2027 में गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी।गुजरात में 2017 में आम आदमी पार्टी ने 29 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन सभी उम्मीदवारों की ज़मानत ज़ब्त हो गई थी। वहीं 2022 में पार्टी को जीत तो केवल पांच सीटों पर ही मिली, लेकिन 35 सीटों पर उनके प्रत्याशी नंबर-2 पर रहे।

भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगाएं केजरीवाल

रजनीश कपूर

भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन से जन्मीं आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने सत्ता में आने से पहले दावा किया था कि उनकी सरकार में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं रहेगी। दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने कुछ ऐसे ठोस कदम ज़रूर उठाए हैं जिनसे भ्रष्टाचार पर लगाम कसती हुई दिखाई तो देती है। परंतु दिल्ली की गद्दी पर तीसरी बार काबिज केजरीवाल क्या भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से लगाम कसने में कामयाब हुए? क्या अन्य नेताओं की तरह भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने का उनका नारा भी महज़ चुनावी जुमला था? क्या दिल्ली सरकार के कार्यालयों में

भ्रष्टाचार पहले के मुक़ाबले कम हुआ या बढ़ा? पिछले दिनों कर्नाटक में एक चुनावी सभा में बोलते हुए केजरीवाल ने कहा कि यदि उनका बेटा भी भ्रष्टाचार करेगा तो वे उसे भी जेल भेज देंगे। जनता इसका ये मतलब निकालेगी कि केजरीवाल सरकार में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार की कोई भी जगह नहीं है। भ्रष्टाचार को कम करने की दृष्टि से दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने कुछ ऐसे कदम ज़रूर उठाए हैं। आम जनता अब घर बैठे ही कई सरकारी काम करवा सकती है जिनके लिए उन्हें दलालों और अधिकारियों को रिश्वत देनी पड़ती थी। मिसाल के तौर पर ड्राइविंग लाइसेंस का घर बैठे ही नवीकरण हो जाना ऐसी ही एक सहूलियत है। पहले इस काम को करवाने के लिए कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जब काम सीधे तरीक़े से नहीं होता था तो हार कर दलालों की शरण में जाना पड़ता था, परंतु अब ऐसा नहीं है। इसी तरह अब आप अपने घर के जल कनेक्शन में नाम परिवर्तन आदि सेवाओं का लाभ भी घर बैठे करवा सकते हैं। सभी दस्तावेज़ों को अपलोड कर आप समुचित शुल्क देकर ऐसे तमाम कार्यों को आराम से करवा सकते हैं। पहले की तरह आपको किसी सरकारी दफ़्तर या दलाल के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग में भी ऐसा ही कुछ बदलाव देखा गया है। पहले के समय में आपको किसी सड़क,

फुटपाथ या अन्य लोक निर्माण संबंधित शिकायतों के लिए स्थानीय नेताओं के चक्कर काटने पड़ते थे। हफ़्तों और महीनों की मशक़्क़त के बाद ही सड़क की मरम्मत या नवनिर्माण होते थे। परंतु अब ऐसा नहीं है। यदि आपको दिल्ली के किसी भी कोने में कोई भी सड़क या अन्य लोक निर्माण संबंधित कार्यों कि मरम्मत करवानी हो तो दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के कंट्रोल रूम या ऑनलाइन सेवा से आप जगह का विवरण देते हुए शिकायत लिखवाएँ। आपको संबंधित अधिकारी का फ़ोन आएगा और वो आपसे शिकायत की पुष्टि करेगा। अच्छी बात यह है कि मरम्मत होने के बाद आपके साथ उस जगह हुए कार्य कि फ़ोटो भी शेयर की जाएगी। यह एक अच्छी पहल है जिसके लिये दिल्ली सरकार बधाई योग्य है।

परंतु ऐसा नहीं है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है। भ्रष्टाचार को ख़त्म करने का दावा कर दिल्ली के मुख्य मंत्री बने केजरीवाल को शायद इस बात का अंदाज़ा नहीं है कि दिल्ली सरकार के दफ़्तरों में भ्रष्टाचार अभी पूरी तरह से ख़त्म नहीं हुआ। आम जनता आज भी भ्रष्ट अधिकारियों के दबाव के चलते अपने जायज़ कामों को करवाने के लिए 'सुविधा शुल्क' देने पर मजबूर है। ताज़ा उदाहरण दिल्ली के दक्षिण ज़िले के राजस्व विभाग के एक अधिकारी से संबंधित है। सूत्रों के अनुसार यह अधिकारी इतना प्रभावशाली है कि यदि इसके वरिष्ठ अधिकारी लंबित पड़े ऑनलाइन आवेदनों को निपटाने का दबाव डालते हैं तो वो इन वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला तक करवा देता है। ग़ौरतलब है कि दिल्ली के राजस्व विभाग की वेबसाइट पर विभिन्न कार्यों की सूची दी गई है जिन्हें आप ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से करवा सकते हैं। इन कार्यों की सूची के साथ ही एक कॉलम में इन कार्यों को करने की अधिकतम समय सीमा भी दी गई है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी आवेदक को ज़मीन बेचने या ख़रीदने से पहले 'भूमि की स्थिति रिपोर्ट' चाहिए तो उसकी समय सीमा 14 दिन है। आम जनता इसे देख कर उम्मीद कर बैठती है कि भूमि की स्थिति रिपोर्ट उनको हर हाल में 14 दिनों के भीतर मिल जाएगी। मिलनी भी चाहिए क्योंकि सरकार का दावा है कि सभी कुछ पारदर्शिता से किया जाता है। ऑनलाइन होने के कारण वरिष्ठ अधिकारी इसकी निगरानी भी कर लेते हैं। परंतु दिल्ली के दक्षिण ज़िले की बात करें तो यहाँ ऐसा नहीं है। एक शिकायत के माध्यम से पता चला है कि दिल्ली के दक्षिण ज़िले के राजस्व विभाग में नवम्बर 2022 में जिन लोगों ने भूमि की स्थिति कि रिपोर्ट के लिए आवेदन किया था उन्हें अभी तक यह रिपोर्ट नहीं दी गई। जिस कारण सरकार को राजस्व का भारी नुक़सान भी सहना पड़ रहा है। क्योंकि भूमि की स्थिति रिपोर्ट के बाद ही लोग रजिस्ट्री करवा सकते हैं, जिसमें उन्हें सरकार को स्टाम्प ड्यूटी देनी पड़ती है। जाँच करने पर यह पता चला कि दक्षिण ज़िले के इस अधिकारी ने नवम्बर 2022 से फ़रवरी 2023 तक के लगभग 100 से अधिक आवेदनों को रोक रखा है। सूत्रों ने बताया कि इस अधिकारी से इन आवेदनों को रोकने का कारण पूछे जाने पर एक वरिष्ठ महिला आईएएस अधिकारी का तबादला तक करवा दिया गया।

मुख्य मंत्री केजरीवाल यदि भ्रष्टाचार में लिप्त होने पर अपने बेटे को गिरफ़्तार करवाने की बात खुले मंच से करते हैं तो अपनी सरकार में ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रहे? क्या भ्रष्टाचार की शिकायतों पर केजरीवाल को सरकारी दफ़्तरों में औचक निरीक्षण नहीं करवाना चाहिए? दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाने के बाद यदि केजरीवाल की आम आदमी पार्टी देश भर में अपना अस्तित्व बनाना चाहती है तो उन्हें कुछ ऐसे अनूठे कदम उठाने होंगे जिससे उन्हें देश भर में पंख पसारने से कोई नहीं रोक पाएगा।

उभरता हुआ खतरनाक भूजल प्रदूषक–'प्लास्टिक' !

सुनील कुमार महला

,आज का युग प्लास्टिक का युग है। प्लास्टिक का युग इसलिए कि आज दुनिया के हरेक देश में प्लास्टिक का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। जहाँ देखो, जिस चीज को देखो, सब प्लास्टिक का ही बना नजर आता है।

शोध बताते हैं कि एक औसतन भारतीय हर साल करीब 10 किलोग्राम प्लास्टिक का इस्तेमाल करता है और भारत में हर साल करीब 35 लाख टन घरेलू कचरा पैदा होता है। माइक्रोप्लास्टिक अब माउंट एवरेस्ट से लेकर महासागरों, नदियों, झीलों, पानी के स्रोतों, मिट्टी, वायु, पहाड़ों, मैदानों तक पूरे ग्रह को लगातार दूषित कर रहा है।हाल ही में विज्ञान पत्रिका पीएलओएस वन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के महासागरों में प्लास्टिक कणों की औसत संख्या वर्ष 2019 तक 170 ट्रिलियन से अधिक हो गई है। कारण है आज दुनिया में प्लास्टिक एवं इससे बने, जुड़े प्रोडक्ट्स(उत्पादों) का तेजी से बाजार में उपयोग होना। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यदि अभी से हमने प्लास्टिक पर रोक नहीं लगाई तो माइक्रोप्लास्टिक की तादाद वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2040 के आते आते 2.6 गुना तक बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2016 में 122 ट्रिलियन माइक्रोप्लास्टिक समुद्र की सतह पर था। दरअसल,माइक्रोप्लास्टिक हवा में मौजूद प्लास्टिक के कण हैं, जो धूल मिट्टी में भी पाए जाते हैं।ये आकार में 5(पांच) मिलीमीटर से कम है, लेकिन 1(एक) माइक्रोमीटर से बड़े होते हैं।100 nm से नीचे के कणों को नैनो प्लास्टिक कहा जाता है। माइक्रोप्लास्टिक्स और नैनो प्लास्टिक्स दोनों आमतौर पर प्लास्टिक के बड़े टुकड़ों के टूटने से बनते हैं। एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि माइक्रोप्लास्टिक लाल रक्त कोशिकाओं की बाहरी झिल्लियों से चिपक सकता है और ऑक्सीजन के परिवहन की क्षमता को सीमित कर सकता है। माइक्रोप्लास्टिक के कण गर्भवती महिलाओं में फेफड़ों से दिल, दिमाग और भ्रूण के अन्य अंगों को तेजी से नुकसान पहुंचा सकते हैं।बहरहाल, यह अत्यंत गंभीर व संवेदनशील है कि आज माइक्रोप्लास्टिक न केवल समुद्र के भीतर का पूरा इकोसिस्टम प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह संपूर्ण धरती के इकोसिस्टम को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। हाल ही में जो अध्ययन आया है वह हमें बताता है कि वर्ष 2040 तक माइक्रोप्लास्टिक की तादाद 317 ट्रिलियन का आंकड़ा छू लेगी। बताया गया है कि अभी समुद्र में करीब 14 बिलियन टन माइक्रोप्लास्टिक पहले से ही मौजूद है। वास्तव में आज प्लास्टिक की रि-साईक्लिंग की जा रही है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि हम प्लास्टिक की रि-साईक्लिंग की बजाय इसके उपयोग को घटाने की दिशा में काम करें। वास्तव में आज विश्व में प्लास्टिक का उपयोग करने की समस्त जिम्मेदारी उपभोक्ता की ही है, जबकि यह जिम्मेदारी उत्पादक पर तय की जानी चाहिए। जब प्लास्टिक का उत्पादन ही नहीं होगा तो उपभोक्ता तो अपने आप प्लास्टिक का उपयोग करना बंद कर देगा। हालांकि उपभोक्ता की भी अपनी जिम्मेदारियां हैं ही। उसे प्लास्टिक के उपयोग के बारे में, इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी तो होनी ही चाहिए व प्लास्टिक के उपयोग के बारे में सजगता व जागरूकता की भी बहुत आवश्यकता है। इसमें कोई भी दौराय व शक नहीं है कि अपने उत्पादन से लेकर इस्तेमाल तक सभी अवस्थाओं में प्लास्टिक पारिस्थितिकी तन्त्र(इको सिस्टम) के लिए भी खतरनाक है। यह वर्षों वर्षों तक भी गलता नहीं है और न ही नष्ट होता है। यदि हम यूं कहें कि आज 'प्लास्टिक प्रदूषण' पूरे विश्व की सबसे बड़ी और गंभीर समस्या है। प्लास्टिक को आसानी से अपघटित नहीं किया जा सकता है। भूमि, नदी, नालों व तालाबों में इकट्ठे प्लास्टिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह बहुत ही खतरनाक है। वास्तव में, प्लास्टिक ऐसे यौगिकों से बना है जिसे पूर्णतया नष्ट होने में 500 वर्ष या इससे भी अधिक तक का समय लग जाता हैं। प्लास्टिक प्रदूषण हमारे धरती के पारिस्थितिकी तंत्र को बहुत तेजी से दूषित कर रहा है। यह भूमि को बंजर बनाता है।प्लास्टिक कचरे से रिसने वाले हानिकारक रसायन जल में घुलकर उसे दूषित कर देते हैं। विश्व में होने वाली तेज़ जनसंख्या वृद्धि ने भी प्लास्टिक प्रदूषण को बढ़ावा दिया है।प्रतिवर्ष समुद्र में फेका जा रहा लगभग 8 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा जलीय जीवनतंत्र पर गंभीर परिणाम डाल रहा है।प्लास्टिक प्रदूषण के कारण हर वर्ष लगभग 10 करोड़ जलीव जीव मर जाते हैं। हाल ही में लंदन स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक से पक्षियों में होने वाली नई बीमारी 'प्लास्टिकोसिस' खोजी गई है। उन्होंने बताया है कि प्लास्टिक के महीन कण समुद्री पक्षियों के पाचन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बेचो, खाओ मौज़ करो

डॉ. सुरेश कुमार

उधर गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं। इधर जनता हाय-हाय करने लगी। यह बात अंधभक्तों को बुरी लगी। वे लोगों को समझाने निकल पड़े कि गैस सिलेंडर की कीमतें नहीं बढ़ी हैं बल्कि आम जनता में खरीदने की क्षमता में कमी हुई है। जनता कामचोर होती जा रही है। विकासशील देश में ऐसी जनता का होना नाक कटाने से कम नहीं है।

कुछ अतिउत्साही अंधभक्तों ने टोली बनाई और तय किया कि ऐसी कामचोर जनता जहाँ भी मिलेगी हम उनकी खूब कुटाई करेंगे और उनसे जमीन पर नाक रगड़वाकर कहलवायेंगे कि दुनिया में इतना सस्ता गैस सिलेंडर कहीं नहीं मिल सकता। और तो और उनसे यह भी कबूलवाने का प्रयास करेंगे कि गैस सिलेंडर में कोई ऐसी-वैसी गैस नहीं है। इसमें देशभक्ति की गैस भरी है। इस गैस से पका पकवान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रभक्ति का संचार करेगा। जो गैस सिलेंडर की कीमतों का विरोध करेगा वह राष्ट्रद्रोही और देश के नाम पर कलंक कहलाएगा।

अंधभक्तों ने एक बस्ती पर धावा बोला। वहाँ जाकर लोगों के गैस सिलेंडर उठा लाए। हर किसी के पास एक या दो सिलेंडर थे। अंधभक्तों के मुखिया ने कहा – लोगों से बहस कर सिलेंडर हथियाने में रात हो गई। कल मीडिया में इस खबर के बारे में रिपोर्ट जारी की जाएगी कि किस प्रकार सरकार से मुफ्त के गैस सिलेंडर लेकर उन्हीं पर अंगुली उठा रहे हैं। ऐसा करने से गैस सिलेंडर की कीमतों का विरोध करने वालों के मुँह पर ताला पड़ जाएगा। कल दोपहर को सब मीडिया प्वाइंट के पास मिलेंगे। चूँकि गैस सिलेंडर भरे हुए हैं सो सभी एक सिलेंडर अपने-अपने घर ले जाओ। सभी मैं ले जाऊँगा तो बस्ती भर के लोग इसी पर खाना पकाना शुरु कर देंगे। वैसे नेता का मतलब लूटी हुई सामग्री का एक समान आबंटन करने वाला होता है। तुम सबको तो पता ही है कि इन्हीं सिलेंडरों को होटलों, दुकानों में बेचकर हमारा धंधा पानी चलता है। इसलिए तुम सब भी यही करना। बदले में खाली सिलेंडर उठा लाना। अगले दिन दोपहर को सब मिले पर सिलेंडर कोई नहीं लाया था। अंधभक्त मुखिया ने कहा – सभी अपने-अपने सिलेंडर यहाँ दे दो। इन्हें दिखाकर मीडिया के सामने भोली भाली कहलाने वाली जनता का असली चेहरा बेनकाब करते हैं। सरकारी स्किम का लाभ उठाने वालों को मजा चखाने का समय आ गया है। लेकिन सिलेंडर कोई नहीं लाया था।

एक अंधभक्त ने कहा – अभी सिलेंडर का इंतजाम नहीं हो सकता। जिस दुकान में मैंने बेचा है उसने किसी और को बेच दिया है। दो-तीन दिन में देने का वादा किया है।

दूसरे अंधभक्त ने कहा – मुफ्त का गैस सिलेंडर देख घरवालों ने उसी पर खाना पकाना शुरु कर दिया। जब तक वह खाली नहीं होगा तब तक के लिए मीडिया से बातचीत की योजना स्थगित करते हैं।

उस दिन सभी अपने-अपने घर चले गए। चार-पाँच दिन बाद मिलने की योजना बनाई।

पाँचवें दिन भी कोई सिलेंडर नहीं लाया।

एक अंधभक्त ने कहा – यह सब छोड़ो। यही मौका है। सभी मिलकर अलग-अलग बस्तियों में जाते हैं वहाँ से सिलेंडर उठा लाते हैं। और बेच देते हैं। जब तक किसी दूसरी चीज़ की कीमत नहीं बढ़ जाती तब तक यही धंधा करते हैं। दाम का दाम और काम का काम भी हो जाएगा। बेचो, खाओ और मौज़ करो। क्या आप सब मेरी बात से सहमत हैं?

सभी को यह योजना अच्छी लगी। इस तरह मीडिया प्वाइंट के पास सिलेंडर लेकर प्रेस कान्फरेंस करने की योजना ठंडे बस्ते में डालते हुए अंधभक्त गरीब बस्तियों की ओर निकल पड़े।

मीन राशि में सूर्य का गोचर 8 राशिवालों के शुरु होंगे अच्छे दिन

सूर्य का राशि परिवर्तन आज 15 मार्च को सुबह 06 बजकर 47 मिनट पर हुआ है. सूर्य कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर हुआ है. मीन राशि में सूर्य 15 मार्च से 14 अप्रैल तक रहेगा. सूर्य के गोचर करने से 8 राशि के जातकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे. उनको नौकरी और बिजनेस में उन्नति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मिथुन: सूर्य की कृपा आपके राशि के जातकों पर होगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। सरकार से भी मदद मिलेगी। सरकार से कोई काम पाना चाहते हैं तो समय अच्छा है। सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: सूर्य का राशि परिवर्तन आपके लिए लाभ प्रदान करने वाला होगा। नौकरी या बिजनेस से जुड़े जातकों को यश प्राप्त होगा। फैसलों की प्रशंसा होगी। धर्म कर्म में मन लगेगा।

कन्या: सूर्य का मीन राशि में गोचर करने से कन्या राशिवालों को बिजनेस में लाभ हो सकता है। काम का विस्तार हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों का कार्य दायित्व बढ़ सकता है। अटके हुए काम पूरे होंगे। पार्टनरशिप में बिजनेस से बचें।

तुला: सूर्य का राशि परिवर्तन आपके प्रभाव में बढ़ोत्तरी करने वाला होगा। हर क्षेत्र में आपको कामयाबी मिलेगी। विदेश में पढ़ने का सपना पूरा हो सकता है। शत्रुओं पर हावी रहेंगे। वाद विवाद में सफलता प्राप्त हो सकती है।

वृश्चिक: जो जातक सरकारी नौकरी के लिए प्रयासरत हैं, उनके लिए समय अच्छा है। मेहनत करें, सफलता मिल सकती है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफल रहेंगे, कोई उपलब्धि मिल सकती है।

मकर: सूर्य का राशि परिवर्तन आपके लिए उन्नति के नए अवसर ला सकता है। जीवन में तरक्की होगी। नौकरी या बिजनेस में लिए गए निर्णयों की सराहना होगी। पूजा पाठ में मन लगेगा। अपने मन और व्यवहार पर नियंत्रण रखेंगे तो सफल होंगे।

मीन: आपकी राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर आपके यश और कीर्ति में वृद्धि करने वाला होगा। आपको कोई सरकारी काम मिल सकता है, समय अच्छा है। विरोधी भी मित्रता करना चाहेंगे।

ऐसे करें सुबह की शुरुआत मां लक्ष्मी होगी प्रसन्न

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बड़ा महत्व होता है। जिस घर में वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन किया जाता है उस घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती। वास्तु के अनुसार मां लक्ष्मी उसी घर में वास करती है जिस घर में उनके पूजा की जाती है और उन्हें प्रसन्न करने के उपाय किया जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं कि आपके घर में भी मां लक्ष्मी का वास रहे तो अपने दिन की शुरुआत इस कामों से करें। क्योंकि यदि सुबह की शुरुआत सही तरीके से की जाती है तो पूरा दिन अच्छा रहता है और मन प्रसन्न रहता है। आइये जानते हैं कि वो कौन से काम हैं जिनसे दिन की शुरुआत करने पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

1. उठते ही सबसे पहले झाड़ू लगाएं वास्तु के अनुसार सुबह उठे ही सबसे पहले बासी झाड़ू लगाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। मान्यता है की जिस घर में सबसे पहले उठे ही झाड़ू लगाई जाती है उस घर में हमेशा धन-धान्य की वर्षा होती है। इसलिए आप भी चाहते हैं कि, आपके घर में मां लक्ष्मी का वास रहे और धन वर्षा होती रहे तो सबसे पहले उठते ही बासी झाड़ू लगाएं।

2 सूर्य दर्शन करें सूर्य दर्शन को वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि सुबह नहाकर तांबे के लौटे से सूर्य भगवान को जल चढ़ाने से भाग्य उदय होता है। साथ ही सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न हो उस घर में वास करती है। सूर्य भगवान को भाग्य का देवता माना जाता है।

3 नमक का पोछा लगाएं वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि यदि रोजाना घर में नमक का पोछा लगाने से वास्तु दोष दूर होता है। और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं। अगर आप भी अपने घर से वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो अपने घर में नमक का पोछा लगाएं।

4 तुलसी की पूजा करें हिंदूधर्म में तुलसी का बड़ा महत्व होता है। हर घर में तुलसी का होना अनिवार्य माना जाता है। वास्तु में बताया गया है की यदि सुबह नहाकर मां तुलसी की पूजा की जाये और उन्हें जल चढ़ाया जाये तो इससे लक्ष्मी मां प्रसन्न होती हैं। मान्यता है की तुलसी में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास हॉट है। इसलिए अगर आप मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो रोजाना तुलसी की पूजा करें।

कहाँ न लगाएं शीशा

शीशे को गलत दिशा पर लगाया जाये तो ये आपके चमकते भाग्य पर ग्रहण लगा सकता है। वास्तु में शीशे की नियमों के बारे में बताया गया है जिनका पालन करने से आपका भाग्य चमक सकता है। आइये जानते हैं विस्तार से।

भूलकर भी बेडरूम में न लगाएं शीशा आजकल बेडरूम में शीशा लगाना एक फैशन से हो गया है। लगभग सभी के घरों में बेडरूम में शीशा लगा होता है। लेकिन वास्तु में बेडरूम में शीशा लगाने कि सख्त मनाही होती है। माना जाता है कि यदि शीशे में बिस्तर का रिफ्लेक्शन आता है तो इससे घर के सदस्यों को कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं और अनावश्यक खर्चे होते हैं। जो आपकी आर्थिक कंडीशन को बिगाड़ सकते हैं। अगर आपके घर में जगह कम है और बेडरूम में शीशा लगाना आपकी मजबूरी है तो, उसे किसी कपड़े या पर्दे से ढककर रखें। खास टूर पर रात को सोते समय तो जरूर ढक दें।

शीशे को कूड़े-कबाड़े वाली जगह पर न रखें वास्तुशास्त्र में बताया गया है कि, शीशे को कूड़े-कबाड़ वाली जगह पर नहीं रखना चाहिए। यदि शीशे में कबाड़ दिखाई देता है या कबाड़ वाली जगह पर रखा होता है तो इससे घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। यदि आपके घर में में भी शीशा ऐसी जगह पर रखा है तो तुरंत जगह बदल दें। वरना आपके चमकते भाग्य पर काली छाया पड़ सकती हैं।

अलमारी के डोर पर न लगवाएं शीशा आपने अक्सर देखा होगा की लोग अलमारी के डोर पर शीशा लगवाते हैं। लेकिन आपको बता दें कि, वास्तु में अलमारी के डोर पर लगे शीशे को अशुभ माना जाता है। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी आ आगमन होता है और घर कि खुशहाली चली जाती है। इसके अलावा घर के सदस्यों में आपसी तनाव बढ़ता है। साथ ही आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ता है। इसलिए कोशिश करें कि अलमारी के डोर पर शीशा न लगा हो, लेकिन यदि हो तो उसे ढक कर रखें। घर में न रखें टुटा हुआ शीशा वास्तु के अनुसार घर में कभी भी टुटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि शीशा घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली परेशानियों को अपने ऊपर ले लेता है। और जब किसी के ऊपर कोई परेशानी आने वाली होती है तो शीशा अपने आप ही टूट या चटक जाता है। ऐसे में कभी भी घर में टूटा हुआ शीशा न रखें। अगर वो टूट जाये तो तुरंत घर से बाहर निकाल फेंके।

संतान की सफलता के लिए इस दिशा में रखें ये चीजें

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बड़ा महत्व होता है। वास्तु के अमुसार घर में रखी चीजों का भी इंसान के जीवन पर बहुत असर पड़ता है। लेकिन आपको बता दें कि, वास्तु शास्त्र में रंगों के के हसाब से चीजों को रखने की दिशा के बारे में बताया गया है। क्योंकि यदि इन चीजों को ठीक से न रखा जाए तो इसका नेगेटिव असर पड़ता है। लकिन वहीं इन्हीं चीजों को वास्तु के हिसाब से रखा जाए तो आपके जीवन में इसका पॉजिटिव असर पड़ता है, जो समृद्धि के मार्ग खोलता है।

बिस्तर आदिको किस दिशा में रखना चाहिए। इसके अलावा जो लोग अपने घर में पार्क या छोटा सा गार्डन बनाना चाहते हैं तो वो किस दिशा में बनवाएं। बता दें कि, वास्तु में हरे रंग का बड़ा महत्व होता है। माना जाता है कि यदि हरे रंग कि चीजों को सही दिशा में रखा जाए तो इससे आपकी संतान को कई लाभ मिलते हैं। और उनके जीवन में कामयाबी के मार्ग खुलते हैं। कई लोग ऐसे होते है जो मेहनत करने के बाद भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते, ऐसे में माना जाता है कि वास्तु के दोष ने उन्हें घेरा हुआ है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हरे रंग से संबंधित चीजों को पूर्व या फिर दक्षिण-पूर्व दिशा, में रखना अच्छा होता है। साथ ही घर में हरी घास के छोटे-से बगीचे को भी उन्हीं दिशाओं में से एक में बनाना चाहिए। हरे रंग और इन दोनों दिशाओं का संबंध काष्ठ तत्व, यानी कि लकड़ी से है। इसलिए पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में हरे रंग की चीजें रखना शुभ फलदायी है।

संतान की सफलता के लिए इस दिशा में रखें ये चीजें वास्तु में बताया गया है कि, पूर्व दिशा में हरे रंग की चीजें रखने से घर के बड़े बेटे के जीवन में कामयाबी के द्वार खुलते हैं।

लेकिन अगर घर में बड़ी बेटी है तो दक्षिण पूर्व दिशा में हरे रंग की चीजें रखने से उन्हें लाभ मिलता है। इसलिए अगर आप चाहें तो अपने घर के बेटे या बेटी के लिए और उनकी उनत्ति के लिए वास्तु के ये उपाय कर सकते हैं।

नए घर में प्रवेश से पहले करें ये काम

नए घर में प्रवेश से पूर्व वास्तु शांति अर्थात यज्ञादि धार्मिक कार्य अवश्य करवाने चाहिएं। वास्तु शांति कराने से भवन की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है, घर शुभ प्रभाव देता है तथा जीवन में खुशी व सुख-समृद्धि आती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार मंगलाचरण सहित वाद्य ध्वनि करते हुए कुलदेव की पूजा व बड़ों का सम्मान और ब्राह्मणों को प्रसन्न करके गृह प्रवेश करना चाहिए। आप जब भी कोई नया घर या मकान खरीदते हैं तो उसमें प्रवेश से पहले उसकी वास्तु शांति कराई जाती है। जाने अनजाने हमारे द्वारा खरीदे या बनाए गए मकान में कोई भी दोष हो तो उसे वास्तु शांति द्वारा दूर किया जाता है। इसमें वास्तु देव का विशेष पूजन किया जाता है।

वास्तु का अर्थ है मनुष्य और भगवान का रहने का स्थान। यह विज्ञान सृष्टि के मुख्य तत्वों आकाश, पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु द्वारा दिए जाने वाले लाभ प्राप्त करने में मदद करता है।

वास्तु वास्तव में दिशाओं के, प्रकृति के पांच तत्वों के, प्राकृतिक स्रोतों और उसके साथ जुड़ी हुई वस्तुओं के देव हैं। हम प्रत्येक प्रकार के वास्तु दोष दूर करने के लिए वास्तु शांति करवाते हैं। उससे जमीन प्रकृति अथवा वातावरण में रहा हुआ वास्तु दोष दूर होता है।

गृह प्रवेश से वास्तु शांति के लिए शुभ नक्षत्र वार एवं तिथि इस प्रकार हैं-

शुभ वार : सोमवार, बुधवार, गुरुवार तथा शुक्रवार।

शुभ नक्षत्र : अश्विनी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, रोहिणी, रेवती, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, स्वाति, अनुराधा एवं मघा।

अन्य विचार: चंद्रबल, लग्न शुद्धि एवं भद्रादि का विचार कर लेना चाहिए।

कितने दिन चलेगा चैत्र नवरात्रि

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होता है

इस बार नवरात्रि पूरे 9 दिन के पड़ रहे हैं और ये संयोग हर साल नहीं होता है।

चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि, इस बार चैत्र नवरात्रि 22 मार्च, 2023 से शुरू हो रहे हैं और 30 मार्च को समाप्त होंगे। यानी इस बार नवरात्रि पूरे 9 दिन के पड़ रहे हैं और ये संयोग हर साल नहीं होता है। चैत्र और अश्विन माह में आईने वाली नवरात्रि पर मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा धूमधाम से की जाती है। 2023 में चैत्र नवरात्रि कब से कब आरंभ हो रही है और कितने दिन त्योहार चलने वाला है इसकी पूरी डिटेल्स आपको देंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र नवरात्रि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होता है और नवमी तक इस पर्व को चैत्र नवरात्रि के नाम से जानते हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन घरों में शुभ मुहूर्त में घट स्थापित होता है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस साल 22 मार्च से चैत्र नवरात्रि प्रारंभ हो रही है और 30 मार्च तक चलेगी। चैत्र नवरात्रि की नवमी को भगवान श्री राम का जन्म हुआ था और उस दिन को राम नवमी के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल 9 दिनों की नवरात्रि है और 30 मार्च को इसका समापन होगा। 9 दिनों तक देवी मां के नौ स्वरूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। 9 कन्याओं को भोजन कराया जाता है और उन्हें सामर्थ्य के अनुसार दक्षणा दी जाती है। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन कराया जाता है। ये सबकुछ करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्त की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। दुर्गा मां की पूजा देशभर में की जाती है। चैत्र का महीना बहुत ही पावन माना जाता है और इस महीने के ये 9 दिन तो इंसान को दुनिया की हर बुराईयों और आलोचनाओं से बचना चाहिए।

अनमोल वचन

" खेल चाहे कितने ही बदल लो ,
लक्ष्य केवल विजय पर ही होना चाहिए। "

जिस व्यक्ति के विचार महान हैं ,
उससे श्रेष्ठ व्यक्ति कोई हो नहीं सकता।

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए।
हालात कितने ही खराब क्यों ना हो ,
जीत की लालसा मन में होनी चाहिए।

आक्रोश में लिए गए फैसले, सदैव गलत ही साबित हुए हैं।
बदले की भावना में जीने वालों का चरित्र भी बदल जाता है।

जो समय बर्बाद करते हैं ,
वह स्वयं को बर्बाद करते हैं।
समस्या जिसकी होती है ,
समाधान भी उसी के पास होता है।

छोटी असफलता से जो घबरा जाता है ,
वह जीवन भर मूक दर्शक बना रहता है।

अपने हृदय को पवित्र रखने के लिए ,
सदैव दूसरों का उपकार करते रहें।

" ब्रह्मांड की सभी सार्थक शक्तियां
तभी तुम्हारे साथ हो सकती है
जब तुम मन , हृदय और
वचन से स्वच्छ हो। "

ऑस्कर जीतकर हैदराबाद पहुंचे जूनियर एनटीआर बोले- हर भारतीय को धन्यवाद करना चाहता हूं

13 मार्च को लॉस एन्जिल्स में हुए ऑस्कर में धाक जमाने के बाद साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भारत लौट आए हैं। वो बुधवार सुबह करीब 3 बजे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां उनके स्वागत के लिए लोगों की भीड़ दिखी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत भी की। वीडियो में जूनियर एनटीआर मीडिया से घिरे नजर आ रहे हैं, वहीं एयरपोर्ट के बाहर फैंस की भारी भीड़ दिखाई दे रही है। लोग आरआरआर, जूनियर एनटीआर और रामचरण के पोस्टर लेकर सुपरस्टार का वेलकम कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज और फोटोज सामने आ रहे हैं, जिनमें फैंस अलग-अलग अंदाज में आरआरआर की जीत का जश्न मनाते दिखाई दे रहे हैं। कहीं पटाखे जलाकर आतिशबाजी की जा रही है, तो कई जमकर डांस किया जा रहा है। ऑडियंस और फिल्म इंडस्ट्री के प्यार से ही ये मुमकिन हो पाया- जूनियर एनटीआर। एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से कहा- एमएम कीरवानी और चंद्रबोस को ऑस्कर रिसीव करते हुए देखना सबसे अच्छा पल था। मुझे आरआरआर पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। जूनियर एनटीआर ने नाटू-नाटू की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा- मैं आरआरआर को प्रोत्साहित करने के लिए हर भारतीय का धन्यवाद करना चाहता हूं। यह ऑस्कर जो हमने जीता है, वो दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के प्यार से ही मुमकिन हो पाया है।नेट बेस क्विड कंपनी ने हाल ही में एक दिलचस्प खुलासा किया है कि ऑस्कर सेरेमनी के दौरान मीडिया चैनल और सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर को सबसे ज्यादा बार मेंशन किया गया है। वहीं लिस्ट में दूसरे नंबर पर राम चरण रहे हैं। तीसरे पायदान पर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड पाने वाले के हुई क्वान और चौथे नंबर पर बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड पाने वाले ब्रेंडन फ्रेजर रहे।

नाटू-नाटू का क्रेज महज देश में ही नहीं, बल्कि विदेशी फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। कई इंटरनेशनल गानों को पीछ छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया है। इनमें अप्लॉज, होल्ड माय हैंड, लिफ्ट मी अप और दिस इज अ लाइफ जैसे चार्ट बस्टर गाने शामिल थे। ऑस्कर से पहले गाने ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड और बेस्ट क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड अपने नाम किया है।

लॉरेंस बिश्नोई बोला- सलमान माफी मांगें वरना..

सलमान ने हमारे समाज को नीचा दिखाया है, उनका अहंकार तोड़ेंगे

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने जेल में बैठकर ही सलमान खान को धमकी दे दी है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उसने कहा है कि अगर सलमान ने बिश्नोई समाज से माफी नहीं मांगी तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में संलिप्त अपराधी लॉरेंस बिश्नोई का कहना है कि सलमान ने काले हिरण का शिकार करके उसके बिश्वोई समाज का अपमान किया है। सलमान के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया था लेकिन उन्होंने कभी इस घटना पर माफी नहीं मांगी।

सलमान को लेकर बचपन से गुस्सा है लॉरेंस

लॉरेंस बिश्नोई की पहचान एक दुर्दांत अपराधी के तौर पर है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में उसका हाथ बताया जाता है। मूसेवाला की दिनदहाड़े हत्या के बाद ऐसी आशंका जताई गई कि वो सलमान खान के ऊपर भी ऐसे हमले करवा सकता है, क्योंकि उसने सलमान को काले हिरण के शिकार के मामले में काफी पहले धमकी दी थी। एक इंटरव्यू में उसने फिर से सलमान के खिलाफ आग उगली है। उसका कहना है कि जब वो चार-पांच साल का था तभी सलमान ने शिकार खेलते वक्त बिश्नोई समाज के लिए पूजे जाने वाले काले हिरण को मार दिया था, और तभी से उसके मन में सलमान के प्रति गुस्सा है। सलमान का अहंकार तोड़ेंगे-लॉरेंसलॉरेंस बिश्नोई ने कहा, 'सलमान खान ने हमारे समाज को बहुत नीचा दिखाया है। हम उनका अहंकार तोडेंगे। हमारे समाज में जीव जंतुओं और पेड़ पौधों को भी पूजा जाता है। हम चाहते हैं कि सलमान हमारे समाज के सामने आकर माफी मांगे। राजस्थान में हमारे समाज का मंदिर जंभेश्वर जी के सामने आकर सलमान माफी मांगे, अगर समाज के लोगों ने उन्हें माफ कर दिया तो फिर मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

रिपोर्ट्स की माने तो सलमान खान ने 1998 में फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान राजस्थान के जंगलों में काले हिरण का शिकार किया था। सलमान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू और नीलम कोठारी पर भी आरोप लगे थे। विश्नोई समाज ने तब सलमान के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। सलमान को इसके लिए जोधपुर कोर्ट ने पांच साल की सजा भी सुनाई थी, हालांकि बाद में उन्हें इस मामले में बेल मिल गई।

लॉरेंस जेल में अमूमन विदेशी सिम काम में लेकर सारे मैसेज वॉट्सऐप के जरिए भेजता है। उसके पिता लविंद्र कुमार पंजाब पुलिस में कॉन्स्टेबल के पद पर रह चुके हैं। वो सलमान खान को उड़ाने की धमकी देकर सबसे पहले चर्चा में आया था। वो 2014 से ही जेल में बंद है। खुद लॉरेंस ने कहा है कि वो अपने करीबी अकाली नेता विक्की मिड्डूखेड़ा की मोहाली में हुई हत्या से नाराज था। लॉरेंस के मुताबिक, जिन लोगों ने विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या की वो सिद्धू मूसेवाला के करीब थे। लॉरेंस ने तिहाड़ जेल में कसम तक खाई थी कि वह मूसेवाला को जिंदा नहीं छोड़ेगा।

शादी का प्रपोजल भी ले गए थे.. जूही के पिता ने कर दिया था मना

जब सलमान खान जूही चावला से शादी करना चाहते थे। सलमान ने इसके लिए जूही के पिता से उनका हाथ भी मांग लिया था। हालांकि, जूही के पिता ने सलमान का प्रपोजल मानने से इनकार कर दिया था। सलमान खान का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने जूही से शादी करने की इच्छा जताई थी। हालांकि 1995 में जूही ने बिजनेस जय मेहता से शादी कर ली। सलमान और जूही ने साथ में 1997 में आई फिल्म दीवाना-मस्ताना में काम किया था।

जूही के पिता ने सलमान को कर दिया था मना

एक सोशल मीडिया यूजर ने सलमान के पुराने इंटरव्यू की छोटी क्लिप को कैप्शन के साथ शेयर किया। सलमान उस वीडियो में कहते हैं, 'जूही बहुत प्यारी है, मैंने उनके पिता से शादी के लिए पूछा था।' इंटरव्यू ले रहे होस्ट ने सलमान से पूछा कि जूही के पिता ने उनसे क्या कहा, जवाब में सलमान बोले, 'नहीं'। होस्ट ने इसकी वजह पूछी तो सलमान ने कहा, 'मुझे लगता है कि बिल फिट नहीं बैठा।'

सलमान खान से जुड़ा ये वीडियो क्लिप 1990 के समय का है। इस इंटरव्यू को हुए सालों हो गए हैं लेकिन सलमान को आज भी लाइफ पार्टनर की तलाश है। वहीं जूही की शादी 1995 में ही हो गई थी। उनकी लव स्टोरी भी बेहद दिलचस्प है। उनके पति जय मेहता पहले से ही शादीशुदा थे। जूही जब जय से पहली बार मिलीं तो उनकी पहली पत्नी सुजाता बिड़ला की मौत एक प्लेन क्रैश में हो गई थी।

इस हादसे के बाद जूही और जय के बीच नजदीकियां बढ़ीं और फिर दोनों ने शादी कर ली थी। जूही और जय के बीच में 7 साल का एज डिफरेंस है। उनके दो बच्चे, बेटी जाह्नवी और बेटा अर्जुन हैं। जूही के पति जय मेहता मल्टीनेशनल कंपनी मेहता ग्रुप के ओनर हैं। उनकी सीमेंट की दो कंपनियां भी है। शाहरुख खान के साथ वे आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के को-ओनर भी हैं।

कई एक्ट्रेसेस को डेट कर चुके हैं सलमान

सलमान खान अपनी लाइफ में कई एक्ट्रेसेस को डेट कर चुके हैं, लेकिन उनमें से किसी के भी साथ उनका रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाया। सबसे ज्यादा चर्चे उनके और ऐश्वर्या राय के रिश्ते की हुई थी। 1997 में 'हम दिल दे चुके सनम' के सेट पर सलमान और ऐश्वर्या करीब आए। हालांकि, बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। इसके अलावा सलमान का रिलेशन संगीता बिजलानी, सोमी अली और कटरीना कैफ से भी रहा। रिपोर्ट्स की माने तो सलमान पिछले कई समय से रोमानिया की मॉडल यूलिया वंतूर के साथ रिलेशनशिप में हैं।

यूलिया वंतूर का जन्म 24 जुलाई 1980 को रोमानिया में हुआ था। वे मॉडल, एक्टर होने के साथ ही सिंगर भी हैं। उन्होंने राधे, ओ तेरी और सुल्तान जैसी फिल्मों में काम किया है। यूलिया सलमान खान के साथ अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान की यूलिया से पहली मुलाकात 2012 में एक था टाइगर से सेट पर हुई थी। उसके बाद से ही सलमान और यूलिया के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। बाद में यूलिया भारत आ गईं, यहां वो अक्सर सलमान की फैमिली के साथ टाइम स्पेंड करती हैं। अभी हाल ही में वो सलमान के 57वें जन्मदिन पर सलमान की बहन अर्पिता के घर नजर आईं थीं। हालांकि सलमान और यूलिया ने कभी अपने रिलेशनशिप की ऑफिशियली पुष्टि नहीं की है।

सोनू सूद बोले- पहले दबंग को किया था रिजेक्ट मुझे पहले वो रोल अच्छा नहीं लगा था

एक्टर सोनू सूद ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्होंने पहले फिल्म दबंग में काम करने से इनकार कर दिया था। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म के कई सीन्स में बदलाव किए और उन्हें खुद लिखा। बातचीत के दौरान जब सोनू को सलमान खान के साथ दबंग में काम करने से जुड़े एक्सपीरिएंस पर सवाल किया गया, तो इस पर सोनू बताया कि उन्हें हमेशा से पता था कि स्पॉट लाइट हमेशा सलमान पर होगी, लेकिन उन्होंने भी तय कर लिया था कि इस रोल के जरिए वो अपनी छाप छोड़ छोड़ेंगे।

एक इंटरव्यू में सोनू ने बताया कि उन्होंने दबंग के कई सीन खुद लिखे हैं, उन्होंने छेदी सिंह के किरदार में कई बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा- मेरा एक क्राइटेरिया था कि भले ही आपके मेरे से 21 सीन हों, लेकिन मैं भी 19 सीन्स तो हर हाल लेकर जाऊंगा और उनमें अपना बेस्ट करने की कोशिश करूंगा।

मैंने अपने किरदार में कई बदलाव किए

सोनू ने आगे लिखा- मैंने दबंग के कई सारे सीन्स लिखे हैं। पहले छेदी सिंह बहुत ही अहंकारी और एकदम फाड़ दूंगा, जान ले लूंगा, ऐसे टाइप का कैरेक्टर था। लेकिन मुझे वो अच्छा नहीं लगा, मैंने दबंग के लिए मना कर दिया था। लेकिन बाद में बदलावों के साथ छेदी सिंह एक कॉमिक कैरेक्टर बन गया। कोरोना काल के दौरान जनता के मसीहा बनने के बाद, लोग कयास लगा रहे थे कि सोनू जल्द पॉलिटिक्स कर लेगें। इंटरव्यू के दौरान जब सोनू से पॉलिटिक्स ज्वाइन करने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- राजनीति की बात करें तो मुझे दो बार राज्यसभा के लिए ऑफर किया जा चुका है, लेकिन मैंने उसे स्वीकार नहीं किया।

टीवी सीरियल नुक्कड़ में खोपड़ी के किरदार निभाने वाले एक्टर समीर खाखर का निधन

फेमस टीवी शो नुक्कड़ में अपने किरदार 'खोपड़ी' से सभी को हंसाने-गुदगुदाने वाले एक्टर समीर खाखर का मुंबई में निधन हो गया है। 71 साल के समीर लंबे समय से सांस और कई अन्य बीमारियों से जूझ रहे थे। सांस लेने में दिक्कत के चलते ही उन्हें मंगलवार को बोरीवली के एमएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने सुबह करीब 4:30 बजे दुनिया को अलविदा कह दिया।

समीर आखिरी बार शाहिद कपूर और विजय सेतुपति स्टारर वेब सीरीज फर्जी में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने सनी के दोस्त के पिता का किरदार निभाया था। इसके अलावा गोविंदा की फिल्म राजा बाबू, सलमान खान की फिल्म जय हो और परिणीति चोपड़ा-सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म हंसी तो फंसी उनकी फेमस फिल्मों में शामिल हैं।

समीर खाखर की ये तस्वीर टीवी सीरियल नुक्कड़ की शूटिंग के दौरान ली गई थी। यह सीरियल 1986 से 1987 के बीच दूरदर्शन पर टेलीकास्ट किया गया था। उनके भाई गणेश खाखर ने बताया कि कल से उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। बाद में वे बेहोश हो गए। तब हमने डॉक्टर को बुलाया, जिसने हमें सलाह दी कि समीर को अस्पताल में भर्ती कर दिया जाए। हम उन्हें लेकर एमएम हॉस्टिपल गए। वहां उन्हें ICU में भर्ती किया गया। बेहोशी की हालत में ही उन्हें मल्टिपल ऑर्गन फेलियर हो गया और वे सुबह करीब 4:30 बजे चल बसे। सुबह करीब 10:30 बजे बोरीवली के बाभई नाका श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। समीर खाखर टीवी सीरियल नुक्कड़ के किरदार खोपड़ी से फेमस हुए थे। ये सीरियल दूरदर्शन पर 1986-87 में टेलीकास्ट किया गया था। सीरियल कुंदन शाह और सईद अख्तर मिर्जा ने डायरेक्ट किया था। खोपड़ी का रोल उन्हें कैसे मिला ये बड़ा दिलचस्प किस्सा है।

समीर उन दिनों एक्टर अमजद खान के साथ 'फुर फुर करती आई चिड़िया' नाम का एक नाटक कर रहे थे। इस दौरान समीर के एक दोस्त ने उनसे कहा था कि एक बड़ा शो बन रहा और उसके मेकर्स तुमसे मिलता चाहते हैं, तुम कल मराठा मंदिर पहुंच जाना, यहां पर मैं तुम्हें सईद मिर्जा से मिलवा दूंगा। दोस्त की सलाह पर समीर अगले दिन वहां पहुंच गए। काफी देर इंतजार करने के बावजूद वहां कोई नहीं आया। तब समीर पास की एक दुकान से सिगरेट खरीदकर फूंकने लगे। इत्तेफाक से तभी वहां कुंदन शाह पहुंच गए। उन्होंने समीर से पूछा कि वो यहां क्या करने आए हैं, तो इस पर उन्होंने सारी बात बता दी। मराठा मंदिर के पास ही कुंदन के पहचान के मिर्जा भाइयों का घर था, जहां समीर के कई टेस्ट हुए और आखिरकार उन्हें इस रोल के लिए फाइनल कर लिया गया। समीर ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि पहले उनका किरदार बस 2- 3 एपिसोड का ही होने वाला था, लेकिन खोपड़ी के किरदार को मिले बेहतरीन रिस्पॉन्स को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें आखिर तक रखने का फैसला कर लिया।

फिल्म जवाब से की थी करियर की शुरुआत

समीर ने अपने करियर की शुरुआत 1987 में आई फिल्म जवाब हम देंगे से की थी। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में मेरा शिकार, शहंशाह, गुरु, नफरत की आंधी, परिंदा जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। छोटे पर्दे पर समीर ने मनोरंजन, सर्कस, नया नुक्कड़, श्रीमान-श्रीमती और अदालत जैसे टीवी शोज में नजर आए।

'तू झूठा मैं मक्कार' में डिंपल कपाड़िया ने रणबीर को दे दना दन जड़े थे 15-20 थप्पड़

अनुभवी अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'तू झूठा मैं मक्कार' में रणबीर कपूर को एक सीन को फिल्माते समय लगभग 15-20 बार थप्पड़ मारा. डिंपल कपाड़िया फिल्म में रणबीर की मां की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म के निर्देशक लव रंजन ने दूसरे टेक में सटीक शॉट लिया, लेकिन टीम को चिढ़ाने के लिए उन्होंने बार-बार एक और टेक कहा.

फिर सब ने डिंपल कपाड़िया से पूछा कि क्या वह वास्तव में रणबीर को थप्पड़ मार रही थी. पता चला कि रणबीर की टाइमिंग इतनी परफेक्ट थी कि वह सही समय पर थप्पड़ को डक कर रहे थे. इस पर डिंपल कपाड़िया ने करारा जवाब देते हुए कहा, 'वह ऋषि कपूर के बेटे हैं और वह अपनी टाइमिंग को अच्छी तरह जानते हैं.' डिंपल कपाड़िया और रणबीर कपूर के बीच ऑन-स्क्रीन बॉन्ड और मां-बेटे की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है.लव रंजन द्वारा निर्देशित, लव फिल्म्स के लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित और टी-सीरीज के गुलशन कुमार और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत 'तू झूठा मैं मक्कार' सिनेमाघरों में चल रही है.

तमन्ना भाटिया साउथ इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस हैं। उनकी खूबसूरती फैंस के दिलों दिमाग में बसी हुई है। फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर आहें भरते हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों पर अपना ढेर सारा प्यार लुटाते हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। वहीं,उनका लेटेस्ट ग्रीन कलर हाल्टर नेक गाउन में लुक फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। तमन्ना भाटिया ने बग्रीन कलर हाल्टर नेक गाउन पहन रखा है। जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

ग्रीन कलर हाल्टर नेक गाउनमें तमन्ना भाटिया ने बिखेरे जलवे, एक्ट्रेस की कातिलाना अदाओं ने फैंस पर ढाए सितम। इस आउटफिट में तमन्ना भाटिया अपना कर्वी फिगर और क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनका लेटेस्ट यूनीक स्टाइल और खूबसूरती फैंस को अपना दीवाना बना ही लेती है। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया का ये क्लासी लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। डीपनेक ड्रेस में तमन्ना भाटिया बेहद ही बोल्ड और हॉट नजर आ रही हैं। तमन्ना भाटिया अक्सर अपने बोल्ड अंदाज से फैंस पर बि ज लि यां गिराने का का म करती हैं। उनका ये लुक सोशल मीडिया पर आग लगाए हुए है। इस आउटफिट में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया बहुत ही स्टाइलिस्ट लग रही हैं। वहीं, उनका ये स्टाइल फैंस के दिलों में बस गया है। सोशल मीडिया पर तमन्ना भाटिया कभी अपने ट्रेडिशनल लुक तो कभी ग्लैमरस अंदाज में फैंस के ऊपर बिजलियां गिराती नजर आती हैं। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इंस्टाग्राम पर भी काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 18 मिलियन से भी अधिक फॉलोवर्स हैं।

ओवरसाइज लोग नियमित करें इन योगासनों का अभ्यास, अतिरिक्त फैट होगा कम

योग शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए फायदेमंद होता है। योगाभ्यास से कई तरह की बीमारियां दूर रहती हैं। बढ़े हुए वजन और मोटापा घटाने के लिए लोग कई तरह की शारीरिक एक्टिविटी की जाती हैं। व्यायाम और योग से वजन कम किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों का शरीर बढ़ा हुआ होता है, उनके लिए कई तरह के योग लाभकारी हैं। अक्सर लोगों के पेट की चर्बी अधिक होती है, तो वहीं पैर या बाजूओं में अतिरिक्त चर्बी होती है। अतिरिक्त चर्बी और वजन को कम करने के लिए नियमित योगासन का अभ्यास करें। यहां ओवरसाइज या ओवरवेट लोगों के लिए कुछ योगासनों के बारे में बताया जा रहा है। नियमित अभ्यास से वजन कम करने के साथ ही शरीर को सुडौल बना सकते हैं।

बितिलासन

यह आसन रीढ़ की हड्डी के लिए फायदेमंद होता है। पीठ, पेट और कमर की मांसपेशियां स्ट्रेच होती है और शरीर लचीला बनता है। शरीर सुडौल रहता है।

त्रिकोणासन

ओवरसाइज लोगों को त्रिकोणासन का अभ्यास नियमित करना चाहिए। इस आसन को करने से रक्तचाप दुरुस्त रहता है। कमर, पीठ, बाहों और पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है और ब्लड प्रेशर कम होता है। शरीर को लचीला बनाने से अपच की समस्या दूर होती है और पेट की चर्बी घटती है।

उष्ट्रासन

उष्ट्रासन हिप्स मसल्स की टोनिंग के लिए लाभकारी है। इस आसन को करने से जांघों की चर्बी कम होती है। पाचन क्रिया सुचारू रहती है और कंधों व पीठ की मांसपेशियां स्ट्रेच होती है। श्वास संबंधी समस्याओं को कम करने के साथ ही कमर दर्द से छुटकारा पाने और रीढ़ की हड्डी को फ्लेक्सिबल करने के लिए उष्ट्रासन का अभ्यास कर सकते हैं।

क्या माता-पिता से दूर रहकर युवा ले रहे हैं गलत निर्णय

आज के दौर में माता-पिता बहुत ही कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। बच्चों की परवरिश के पारंपरिक तरीक़े, प्यार से समझाना, ज़रूरत पड़ने पर डांट देना, प्रभावशाली नहीं हो पा रहा है। ऐसे में इस विषय पर मनोवैज्ञानिक शोध और सिद्धांत उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं। वैसे तो पीढ़ियों के बीच मत-मतांतर पहले भी होते थे पर उस समय स्नेह, आदर और मर्यादा के रहते मां-बाप और बच्चों के रिश्तों के बीच इतनी खटास नहीं आती थी और सभी समय रहते अपनी-अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन कर लेते थे। परंतु सोशल मीडिया के इस दौर में जहां बच्चों की एक पूरी अलग दुनिया जिसे हम आभासी यानी वर्चुअल वर्ल्ड कहते हैं, बन चुकी है, वहां अभिभावकों के लिए नए सिरे से बच्चों के साथ रिश्तों को परिभाषित करना ज़रूरी हो गया है।

सबसे पहले तो यह सोचें कि अब बच्चों के लिए साधन उपलब्ध कराने भर से कोई भी माता-पिता उनके जीवन में योगदान नहीं कर पाएंगे।

इस पीढ़ी के बच्चों को ज़रूरत है आपके साथ की, आपके समय की, आपके निष्पक्ष मार्गदर्शन की। आपको अपने बच्चों के साथ रिश्ता मज़बूत बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना होगा। उनसे मिलने के लिए उनकी दुनिया में क़दम रखना होगा।

बिना किसी पूर्वग्रह के उनकी बातों को, उनके अपने मत को सुनना और समझना होगा।

बच्चों के लिए क़दम-क़दम पर उनका ध्यान बंटाने के हज़ारों साधन उपलब्ध हैं। वे पूरी तरह से भ्रम की स्थिति से गुज़र रहे हैं जहां हर मोड़ पर सही दिशा का चुनाव करना होता है और सारी दिशाएं धुंधली नज़र आती हैं।

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि बच्चों के मां-बाप के साथ कितने मज़बूत, सुरक्षित और गहरे संबंध हैं, इस पर उनके आगे के जीवन के सारे रिश्ते निर्भर करते हैं।

अगर मां-बाप के साथ ही उनके मन में असुरक्षा की भावना रही तो आगे आने वाले सारे संबंधों में असुरक्षित ही महसूस करेंगे और किसी पर भी जल्दी से, बिना जांचे-परखे विश्वास कर लेंगे या फिर किसी पर भी विश्वास

कर ही नहीं पाएंगे। ऐसे में वे जीवन से और लोगों से असंतुष्ट और नाख़ुश बने रहेंगे।

माता-पिता अपने बच्चों के साथ मनोविज्ञान के सुझाए गए सरल सिद्धांतों पर अमल करके बहुत मधुर और भावनात्मक रूप से स्थिर संबंध विकसित कर सकते हैं।

इसका पहला सिद्धांत है उपलब्धता

बच्चों की विकासशील अवस्था में क़दम-क़दम पर उन्हें आपकी ज़रूरत होती है। उस समय आपके उपलब्ध कराए हुए साधन आपकी कमी पूरी नहीं कर पाएंगे। आपका उनके लिए मौजूद होना, उनकी बात सुनने के लिए तत्पर रहना, उनके लिए अमूल्य है।

दूसरा सिद्धांत है संवेदनशीलता

बच्चों के कोमल मन को पढ़ पाना, उसे समझ पाना, बिना प्रतिक्रिया दिए, उनके मन की बात को पूरी संवेदना के साथ सुन पाना, एक अभिभावक के लिए बच्चों के मन में सदा के लिए घर बना सकता है। अगर आप से संवेदना नहीं मिली तो वे किसी और से भी इसकी उम्मीद नहीं कर पाएंगे।

तीसरा सिद्धांत है उनके जीवन में रुचि लेना

बच्चों के जीवन में क्या हो रहा है? उनके मोबाइल गेम, उनके कार्टून, उनके सोशल मीडिया एप्स, उनके 'रियल' और 'वर्चुअल' दोस्त, उनके पसंदीदा म्यूज़िकल बैंड, उनकी पसंदीदा वेब सीरीज़, उनकी पसंदीदा स्पोर्ट्स और खिलाड़ी, इनकी जानकारी रखना, इनके बारे में और जानने की उत्सुकता दिखाना, उनकी दुनिया में जाकर उनके साथ समय बिताना और उससे परिचित होना, उन्हें निश्चित रूप से आपके क़रीब लाएगा।

चौथा सिद्धांत है प्रवचन नहीं संवाद

'तुम्हें ऐसा करना चाहिए', 'ऐसा नहीं करना चाहिए' इस तरह के निर्देशों से बच्चे बहुत जल्दी उकता जाते हैं। बढ़ते बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित कीजिए जहां आप उन्हें अपने समानांतर रखकर उनके मत का भी सम्मान कर पाएं। ऐसा करने से बच्चे अपनी बात आपसे खुलकर रख पाएंगे। उनके साथ आप स्वयं को भी और अपनी सोच को विकसित होने दें।

अपने बच्चों से ख़राब हुए संबंधों को भी इन सिद्धांतों पर काम करके सुधारा जा सकता है। याद रखिए आपसे भी त्रुटियां हो सकती हैं। अपने अहंकार को बच्चों से ज़्यादा कभी बड़ा ना होने दें। जहां ग़लती हो उसे मानें, जहां हो सके वहां उन्हें भी क्षमा करें। बिना किसी शर्त के निश्चल स्नेह से बच्चों के मन को फिर से जीतने का ईमानदारी से प्रयास करें। बच्चे आपमें किसी निगरानी रखने वाले 'नैतिक जासूस' को देखकर हताश महसूस करते हैं। उनसे ऐसा संबंध विकसित करें कि आप उनकी सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताओं को उनसे खुलकर कह सकें और साथ ही हर परिस्थिति में उनका साथ देने का आश्वासन भी दे सकें। बच्चों को आपकी और आपके प्यार की ज़रूरत है। एक क़दम आगे बढ़ाएं, उन्हें अपने क़रीब आने का मौक़ा दें। जिनसे दूरियां बन चुकी हैं उन्हें अपने मन में, अपने घर में लौटा लाएं।

हर महिला को निवेश के बारे में पता होनी चाहिए

5 बातें जो हर महिला को धन और निवेश के बारे में पता होनी चाहिए

धन के सही प्रबंधन और बचत के लिए ज़रूरी है वित्तीय सजगता। कई गृहिणियां और कामकाजी महिलाएं अभी भी वित्तीय रूप से सजग नहीं हैं। आर्थिक जानकारियां धोखे से बचाती हैं व बेहतर योजना बनाने में मदद कर सकती हैं।

आय स्रोतों के प्रति जागरूकता

परिवार की आमदनी के सभी साधनों की जानकारी महिला को होनी चाहिए। जैसे कि उसे पता होना चाहिए कि परिवार के सदस्यों की आय कितनी है, व्यवसाय है तो उसकी आय, किराये के मकान या अन्य वस्तु का किराया कितना है या अन्य आय आदि। यदि वह सभी आय संसाधनों के बारे में जागरूक होगी को अपने परिवार के ख़र्च और बचत बजट को बेहतर तरीक़े से तैयार कर पाएगी।

बजट और बचत योजना

आमतौर पर महिलाएं अपने घर में पहले ख़र्च का बजट तैयार करती हैं और ख़र्च करने के बाद अगर कुछ बचता है तो बचत की योजना बनाती हैं। लेकिन निवेश गुरु वॉरेन बफेट ने कहा है कि पहले बचत की योजना बनानी चाहिए और ख़र्च करना दूसरा क़दम होना चाहिए। बचत विकल्पों की योजना बनाने और व्यय बजट तैयार करने के लिए वित्तीय साक्षरता बहुत महत्वपूर्ण है।

सिबिल स्कोर के मायने

किसी तरह का क़र्ज़ मिलने या न मिलने के पीछे एक अहम कारण क्रेडिट स्कोर है। क्रेडिट इतिहास व क्रेडिट स्कोर (सिबिल) की जांच करने से आपको अपनी वर्तमान क्रेडिट स्थिति को समझने में मदद मिल सकती है। ग़लत या अधूरी जानकारी का पता लगाने में भी मदद मिलेगी। कर्ज़ लेने की स्थिति में किसी तरह की दिक़्क़त का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ख़ुद को करें भुगतान

बिलों और अन्य वित्तीय दायित्वों का भुगतान करने से पहले, दीर्घकालिक लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, शादी व अप्रत्याशित आपात स्थितियों के लिए बनाए गए खातों में हर महीने एक उचित राशि अलग रखें। दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए समय व योजना की आवश्यकता होती है। ये ऐसे भुगतान नहीं हैं जो इस सप्ताह या इस वर्ष करेंगे। इन लक्ष्यों के लिए एक निश्चित ढंग से योजना और निवेश करें।

वित्तीय साक्षरता ऐसे प्राप्त करें

वित्तीय समाचारों पर विशेष ध्यान देने के साथ रोज़ समाचार पत्र पढ़ें। टीवी पर वित्तीय समाचार देखने के लिए दैनिक आधार पर कुछ समय देना भी शुरू करें। इस बारे में जानकार और अनुभवी सखियों, पड़ोसनों और सह-कर्मियों से पूछें। वित्तीय साक्षरता वेबिनार, ई-लर्निंग कार्यक्रमों आदि में भाग लें। कई वेबसाइट्स व मोबाइल एप्लिकेशन हैं जो विशेषज्ञों की मदद से वित्तीय साक्षरता बढ़ाने में सहायता करते हैं।

पीठ के कालेपन को करना है दूर तो नींबू के साथ मिलाकर लगाएं ये चीजें

आज कल के समय में लड़कियों को बैकलेस कपड़े पहने का काफी शौक होता है। पर, कई बार ऐसा देखा जाता है कि, लोग अपने शरीर के बाहरी हिस्से का तो काफी ध्यान रखते हैं, वहीं जब बात आती है शरीर के आंतरिक हिस्सों की तो उन पर किसी का ध्यान तक नहीं जाता। इन्हीं में शामिल है पीठ। कपड़े पहनने पड़ते हैं। पीठ को सही करने के लिए लोग हजारों रुपये तक पार्लरों में खर्च कर देते हैं।हम आपको नींबू का कुछ ऐसा इस्तेमाल बताएंगे, जिसे फॉलो करके आप अपनी पीठ को अच्छे से साफ कर सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे खर्चने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। आइए देर

सफाई की कमी और ज्यादा धूप पड़ने की वजह से पीठ काली पड़ने लगती है। ऐसे में परेशानी तो तब सामने आती है जब कभी बैकलेस ना करते हुए आपको बताते हैं कि नींबू के साथ किन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी पीठ साफ कर सकते हैं।

नींबू और एलोवेरा है बेहद फायदेमंद

नींबू और एलोवेरा एक साथ मिलाकर आप अपनी पीठ साफ कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो नींबू का रस निचोड़ लें। इसके बाद इसमें दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। अगर ये फ्रेश हो, तो और भी अच्छा रहेगा। दोनों को मिलाकर अच्छे से पीठ पर मसाज करें। कुछ समय

बाद इसे धो लें।

बेसन के साथ करें नींबू का इस्तेमाल

अगर आप नींबू और बेसन को एक साथ मिलाकर अपनी पीठ पर लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक

टेबलस्पून बेसन लें। इसमें एक नींबू का रस निचोड़कर डालें। इसमें दो चम्मच दही और एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। अब इसे पीठ पर लगाकर पांच मिनट के लिए छोड़ दें। हटाने से पहले मिक्स करने के बाद पीठ पर लगाएं और इसे अच्छे से सूखने दें। स्क्रब करने के बाद इसे साफ कर लें।

चावल का आटा भी कर सकते हैं इस्तेमाल

पीठ साफ करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा लें और इसमे दो चम्मच दही डालें। इसके ऊपर इसमें नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। चावल के पैक को पीठ पर अप्लाई करें और 10 मिनट लगा रहने दें। इसके बाद इसे धो दें।

अगर बहन के साथ करनी है ट्यूनिंग तो पेडनेकर सिस्टर्स से लें टिप्स

जब भी बात आती है फैशन और स्टाइल की तो कपूर सिस्टर्स का नाम काफी ऊपर आता है। करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर स्टाइल के मामले में सभी को पीछे छोड़ती हैं। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। अक्सर वो ट्यूनिंग करते हुए भी नजर आती हैं। वहीं अब पेडनेकर सिस्टर्स भी कपूर सिस्टर्स को कड़ी टक्कर दे रहीं हैं।

मशहूर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर अपने स्टाइल के मामले में सभी को पीछे छोड़ रहीं हैं। दोनों आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। अगर आप भी अपनी बहन ने साथ सिस्टर गोल्स करना चाहती हैं तो आप पेडनेकर सिस्टर्स से टिप्स ले सकती हैं। चाहे शादी-पार्टी के कार्यक्रम हों या फिर

क्लब में जाना हो, हर जगह के लिए पेडनेकर सिस्टर्स कमाल के

लुक्स लेकर सामने आती हैं। तो आइए देर ना करते हुए आपको पेडनेकर सिस्टर्स के बेस्ट लुक्स दिखाते हैं।

एथनिक वियर में लगती हैं कमाल

भूमि पेडनेकर के साथ साथ उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर भी एथनिक वियर में बेहद कमाल की लगती हैं। कुछ समय पहले समीक्षा ने फोटोज शेयर की थीं, जिसमे भूमि और समीक्षा दोनों ने पेस्टल रंग का ही लहंगा पहना था। दोनों ने एथनिक वियर के साथ ज्वेलरी भी काफी स्टाइल से कैरी की थीं।

ब्लैक में दिखाएं अपना ग्लैमरस अंदाज

पेडनेकर सिस्टर्स में से भूमि का मेटैलिक एक्सेंट वाला ब्लैक पैंटसूट और समीक्षा की ब्लैक ब्लेज़र ड्रेस बेहद स्टाइलिश लग रही है। दोनों ने सिर्फ आउटफिट्स में ही नहीं बल्कि मेकअप और हेयरस्टाइल में भी ट्यूनिंग की थी।

ट्यूनिंग करके पहनें पिंक

आप भी पेडनेकर सिस्टर्स की तरह अपनी बहन के साथ ट्यूनिंग करके पिंक कलर के आउटफिट पहन सकती हैं। इस लुक में समीक्षा ने पिंक कलर की ड्रेस पहनी है, वहीं भूमि ने पिंक ट्यूब टॉप के साथ जींस कैरी की है। इस आउटफिट में दोनों ने जमकर पोज दिए हैं।

ब्लैक पहन कर दिखाएं जलवा

अपनी बहन के साथ कलर मैच करके आप ब्लैक आउटफिट कैरी कर सकती हैं। इस लुक में भूमि ने ग्लिटर लुक वाला कट आउट हॉल्टर ड्रेस पहना है और साथ में स्टेटमेंट शेड्स में वह सुपर सेक्सी दिख रही हैं। ब्लैक कलर वैसे भी एवरग्रीन होता है, जिसे आप किसी भी पार्टी में कैरी कर सकती हैं।

देखें दोनों का ग्लैमरस अंदाज

अगर आप अपनी बहन के साथ ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो पेडनेकर सिस्टर्स के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं। समीक्षा और भूमि का ये लुक बेहद ग्लैमरस है।

टॉयज आर यूएस ने कानूनी मुद्दों पर 24 घंटे के भीतर हैदराबाद में स्टोर बंद किया

हैदराबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। खिलौने और कपड़ों के एक प्रमुख अमेरिकी रिटेलर टॉयज 'आर' यूएस ने हैदराबाद के एक शॉपिंग मॉल में अपना स्टोर खोलने के 24 घंटे के भीतर कुछ कानूनी मुद्दों के चलते बंद कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सारथ सिटी कैपिटल मॉल में 4,000 वर्ग फुट से अधिक का स्टोर 11 मार्च को खोला गया था, लेकिन अगले दिन बंद हो गया। मॉल के मालिकों ने कथित तौर पर एक अन्य वैश्विक खिलौना रिटेलर के साथ नो-कॉम्पिट क्लॉज के कारण टॉयज 'आर' यूएस को बंद कर दिया। दूसरे खिलौना रिटेलर का उसी मॉल में पहले से ही एक स्टोर था। टॉयज 'आर' यूएस को भारत में दो फॉर्मेट में लॉन्च किया गया है - टॉयज 'आर' यूएस, जो दुनिया का अग्रणी टॉय स्टोर है, और बेबीज 'आर' यूएस, जो बच्चों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है।

रिटेलर का भारत में संचालन बेंगलुरु स्थित एक फर्म एसीई टर्टल द्वारा चलाया जाता है, जिसने जून 2021 में भारत में फ्लिपकार्ट समूह की थोक इकाई के साथ टॉयज 'आर' यूएस और बेबीज 'आर' यूएस के लिए लाइसेंस हासिल करने के मकसद से एक संयुक्त उद्यम शुरू किया। यह छह साल में भारत में अमेरिकी खिलौने और कपड़ों के खुदरा विक्रेता की दूसरी प्रविष्टि है। वैश्विक खिलौना ब्रांड अक्टूबर 2017 में भारत में लॉन्च किया गया था। इसकी 200 से अधिक स्टोर खोलने की योजना थी, लेकिन यह केवल 14 स्टोर खोलने का प्रबंधन कर सका, जो संचालन के तीन साल के भीतर बंद हो गया।

अब अमेरिका का तीसरा बैंक संकट में

फर्स्ट रिपब्लिक बैंक का शेयर 70% टूटा, बैंक ने कहा-हमारे पास पर्याप्त नगदी

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में बैंकिंग सेक्टर क्राइसिस थमने का नाम नहीं ले रहा है। सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के बाद अब फर्स्ट रिपब्लिक बैंक पर भी बंद होने का खतरा मंडराने लगा है। बीते 5 दिनों में फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के शेयर में 65.61% की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं एक महीने की बात करें तो स्टॉक की कीमत में 70.30% की गिरावट आ चुकी है। ऐसे में निवेशकों में इस बैंक को लेकर चिंता बढ़ गई।

मूडीज ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को अंडर रिव्यू में रखा

रेटिंग एजेंसी मूडीज (मूडीज) ने भी जिन छह अमेरिकी बैंकों को अंडर रिव्यू रखा है, उसमें फर्स्ट रिपब्लिक बैंक का नाम भी शामिल है। इसके अलावा रेटिंग एजेंसी ने जिओन्स बैनकॉपोरेशन, वेस्टर्न एलिएंस बैनकॉर्प, कॉमेरिका इंक, यूएमबी फाइनेंशियल कॉर्प और इंट्रस्ट फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन की रेटिंग भी डाउनग्रेड करते हुए अंडर रिव्यू में रखा है। इससे पहले सोमवार को मूडीज ने सिग्नेचर बैंक की डेट रेटिंग को डाउनग्रेड कर जंक टेरिटरी में डाल दिया था।

बैंक ने कहा 'हमारे पास बैंक चलाने के लिए पर्याप्त नगदी'

फर्स्ट रिपब्लिक बैंक ने अपने बचाव में कहा है कि उसके पास बैंक को चलाने के लिए पर्याप्त नगदी है। इसने अतिरिक्त नगदी के लिए फेड और जेपी मॉर्गन से हाथ मिलाया है। इससे पहले सोमवार को वेस्टर्न एलायंस ने बताया था कि बैंक के पास 25 बिलियन डॉलर से ज्यादा की नगदी उपलब्ध है।

सिलिकॉन वैली बैंक के सवाल पर उठकर चले गए थे बाइडेन

सिलिकॉन वैली बैंक क्राइसिस अमेरिकी सरकार के लिए परेशानी बनती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से सोमवार को इस क्राइसिस पर सवाल किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

इतना ही नहीं वे इवेंट से उठकर चले गए। राष्ट्रपति जो बाइडेन व्हाइट हाउस में "लचीली बैंकिंग व्यवस्था को बनाए रखने और ऐतिहासिक आर्थिक सुधार की रक्षा" विषय पर बोल रहे थे। स्पीच खत्म होने के बाद रिपोर्टर ने राष्ट्रपति बाइडेन पूछा था कि आप इस बारे (सिलिकॉन वैली बैंक क्राइसिस) में अभी क्या जानते हैं कि ऐसा क्यों हुआ? और क्या आप अमेरिकियों को आश्वस्त कर सकते हैं कि ऐसा नहीं आगे होगा?, लेकिन जो बाइडेन इस सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए।

भारतीय बैंकों पर अमेरिकी बैंकिंग संकट का असर नहीं

अमेरिका के दो बड़े बैंकों के दिवालिया होने का असर भारतीय बैंकों पर नहीं होगा। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट कंपनी जेफरीज और फाइनेंशियल सर्विसेस फर्म मैक्वेरी ने ऐसा भरोसा जताया है।

इनका कहना है कि स्थानीय डिपॉजिट पर निर्भरता, सरकारी बॉन्ड में निवेश और पर्याप्त नकदी के चलते भारतीय बैंक मजबूत स्थिति में हैं। कुछ महीनों से भारतीय बैंक विदेशी बैंकों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। जेफरीज के मुताबिक, अधिकांश भारतीय बैंकों ने 22-28% ही सिक्योरिटीज में निवेश किया है। बैंकों के सिक्योरिटीज निवेश में 80% हिस्सेदारी सरकारी बॉन्ड की है। अधिकांश बैंक इनमें से 72-78% मैच्योरिटी तक रखते हैं। इसका मतलब है कि इनकी कीमतों में गिरावट का असर इस निवेश पर नहीं होगा।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में सिंगापुर

हांगकांग के बराबर आने के लिए भारत को लंबा रास्ता तय करना होगा : यूएसआईएसपीएफ

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। कारोबार करने में आसानी (इज ऑफ डूइंग बिजनेस) की राह में आने वाले अवरोधक भारत को दूर करने होंगे, देश ने इस दिशा में कुछ प्रगति तो की है लेकिन इस मामले में सिंगापुर और हांगकांग की बराबरी करने के लिए अभी उसे लंबा रास्ता तय करना है। अमेरिका भारत रणनीतिक एवं साझेदारी फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने यह कहा। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी ने भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बताते हुए कहा कि ये हर पहलू में सकारात्मक तरीके से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, भूराजनीतिक तौर पर देखने पर पता चलता है कि क्वाड आगे बढ़ रहा है, आई2यू2 भी प्रगति कर रहा है।

अघी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का लाभ अमेरिका को भी मिल रहा है। उन्होंने एयर इंडिया द्वारा बोइंग को दिए गए विमानों के ऑर्डर का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे अमेरिका में दस लाख से अधिक उच्च वेतन वाली नौकरियों का सृजन हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हमारा अनुमान है कि इंडिगो भी ऑर्डर देने वाला है। अमेरिका के लिए वृद्धि के आर्थिक इंजन को रफ्तार भारत दे रहा है। एयर इंडिया ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह एयरबस और बोइंग से 470 विमानों की खरीद करेगा।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 15 मार्च को कमी देखने को मिली है. वहीं, चांदी के भाव में इजाफा हुआ है. भारतीय सर्राफा बाजार में आज (बुधवार), 15 मार्च की ताजा कीमतों के मुताबिक, सोना 57 हजार के पार और चांदी के कीमत 66 हजार के पार है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 57501 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी के दाम 66364 रुपये हैं।

आधिकारिक वेबसाइट ibjarates.com के मुताबिक, 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने का दाम 57271 है. वहीं, 916 शुद्धता वाला सोना आज 52670 रुपये का हो गया है. इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले सोने के दाम बढ़कर 43125 रुपये पर पहुंच गए हैं. वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड आज 33638 रुपये महंगा हो गया है. इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी गिरावट के साथ 66364 रुपये पहुंच गई है। सोने-चांदी के दाम में बदलाव देखने को मिलता है. 15 मार्च की सुबह के ताजा अपडेट के मुताबिक, 999 प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना 104 रुपये सस्ता हुआ है और 995 प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना आज 103 रुपये कम हुआ है. वहीं, 916 प्योरिटी वाला सोना 96 रुपये, 750 प्योरिटी वाला सोना 79 रुपये और 585 प्योरिटी वाला सोना 61 रुपये महंगा हुआ है।

सिलिकॉन वैली बैंक के नए सीईओ ने की जमाकर्ताओं से फिर लौटने की अपील

बोले-बैंक बचाने का यही रास्ता

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के नए सीईओ टिम मायोपोलोस ने जमाकर्ताओं से बैंक को बचाए रखने के लिए अपने पैसे के साथ लौटने का आग्रह किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चुनिंदा निवेशकों और लिमिटेड पार्टनर्स (एलपी) के साथ जूम मीटिंग में उन्होंने उनसे नए डिपॉजिट करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि मौजूदा और नई दोनों डिपॉजिट फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) की ओर से बीमित होंगे।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जमा के लिए इस बैंक से सुरक्षित और कोई जगह नहीं है। नवगठित एसवीबी ब्रिज बैंक खाते की 250,000 डॉलर की विशिष्ट कानूनी सीमा के अधीन भी नहीं है। उन्होंने ग्राहकों से संस्था में अपनी जमा राशि दोबारा वापस लाने को कहा है। मायोपोलोस ने ज़ूम कॉल पर कहा, यह एकमात्र सबसे महत्वपूर्ण बात है जो आप यह सुनिश्चित करने के लिए कर सकते हैं कि सिलिकॉन वैली बैंक जीवित रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसवीबी ब्रिज बैंक के लिए उपलब्ध विकल्पों में से एक यह है कि यह किसी अन्य वित्तीय संस्थान या अन्य निवेशकों के साथ मिलकर काम करेगा या फिर दूसरा विकल्प ये है कि इसे बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि हम विंड-डाउन मोड में नहीं हैं। बैंक के भविष्य पर अभी चर्चा चल रही है।

लेकिन उन्होंने ग्राहकों से अपील करते हुए कहा कि वे कम से कम आपका कुछ पैसा संस्थान में वापस लेकर आएं। इससे पहले ग्राहकों को भेजे गए ईमेल में मायोपोलोस ने कहा था कि बैंक सामान्य रूप से कारोबार कर रहा है। उन्होंने कहा हम इस समय आपके विश्वास को बहाल करना चाहते हैं और आपका व आपकी कंपनियों का समर्थन करना चाहते हैं। उधर, एफडीआईसी के नवीनतम बयान ने एसवीबी के नए ट्रैक की पुष्टि की है, इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ प्रबंधन को बैंक से हटा दिया गया है। मेयोपोलस 2008 के आर्थिक संकट के दौरान मोर्टगेज फाइनेंसिंग कंपनी फैनी के नेतृत्व टीम का हिस्सा था। सिग्नेचर बैंक और सिल्वरगेट कैपिटल के साथ एसवीबी का पतन 2008 में अमेरिकी वित्तीय मंदी की शुरुआत के दौरान वाशिंगटन म्यूचुअल फंड की विफलता के बाद से देश को प्रभावित करने वाला सबसे खराब वित्तीय संकट है।

ऑनलाइन दवा दुकानों पर लग सकता है ताला, सरकार लाएगी नया कानून!

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ऑनलाइन दवा की दुकानों या ई-फार्मेसी को विनियमित करने की योजना बना रही है. संभव है कि इन पर प्रतिबंध भी लगा दिया जाए. हालांकि, इस पर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है. इस संबंध में पेश किया गए औषधि, चिकित्सा उपकरण और प्रसाधन सामग्री विधेयक 2023 को अभी विभिन्न मंत्रालयों के पास मंथन के लिए भेजा गया है. ये कवायद ऐसे समय में शुरू की गई है जब पिछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने 20 ऑनलाइन दवा बिक्री कंपनियों को नोटिस भेजा था.

खबरों के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि ई-फार्मेसी को नियंत्रण में लाने के लिए नए विधेयक पर चर्चा की जा रही है. साथ ही मंत्री समूह ने इन पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में अपना मत रखा है. उनका मानना है कि इससे ग्राहक के निजी डाटा की गोपनीयता को खतरा है. इसके अलावा डॉक्टर की पर्ची के बिना दवाएं देने और मनमानी कीमतें वसूले जाने के प्रचलन को बढ़ावा मिल रहा है. उनका मानना है कि यह काफी खतरनाक है और इससे दवाओं के खुदरा बाजार को काफी नुकसान हो सकता है।

सरकार कर चुकी है विनियमन की बात

केंद्र सरकार ने पिछले महीने बजट सत्र के दौरान कहा था कि वह दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को बड़े स्तर पर विनियमित करने के लिए कानून में जरूरी संशोधन की तैयारी कर रही है. पिछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर औषधि नियंत्रक डीसीजीआई ने टाटा 1 एमजी, अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत 20 कंपनियों को नोटिस भेजा था. नोटिस में कहा गया था कि ये कंपनियां शेड्यूल एच, एच 1 और एक्स श्रेणी में सूचीबद्ध दवाओं को बगैर किसी अनुमति के अवैध तरीके से बेच रही हैं।

रोगियों के डाटा को खतरा

ये कंपनियां रोगियों के डाटा को एकत्रित करती हैं. इससे रोगियों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों में बढ़ोतरी होती है. इसके अलावा इन वेबसाइट के जरिए दवाओं को अनर्गल इस्तेमाल किया जा रहा है. सरकार द न्यू ड्रग्स मेडिकल डिवाइसेज एंड कॉस्मेटिक्स बिल 2023 और मौजूदा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 को बदलने की तैयारी में है।

5 दिन में निवेशकों के 8.5 लाख करोड़ रुपए डूबेः सेंसेक्स 344 अंक गिरकर 57,556 पर बंद

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (15 मार्च) को लगातार पांचवें कारोबारी दिन गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 344 अंक गिरकर 57,556 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 123 अंक गिरा है, यह 16,972 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयरों में गिरावट और सिर्फ 9 में बढ़त रही। बाजार की बिकवाली में बैंकिंग स्टॉक्स सबसे आगे रहे। बाजार में 5 दिनों की गिरावट से निवेशकों के करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 15 मार्च को घटकर 255.76 लाख करोड़ रुपए हो गया। 9 मार्च को ये 264.30 लाख करोड़ रुपए था।

आम यात्रियों से भारी किराया न वसूलें विमान कंपनियां

संसदीय समिति की रिपोर्ट में सिफारिश

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने नागर विमानन मंत्रालय से हवाई किराए की ऊपरी और निचली सीमा तय करने और यह सुनिश्चित करने को कहा है कि एअरलाइन की ओर से मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के नाम पर भारी कीमत वाली व्यवस्था नहीं अपनाई जाए। संसद में सोमवार को पेश परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी स्थायी समिति की वर्ष 2023-24 की अनुदान की मांगों से जुड़ी रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

वाणिज्यिक हितों और यात्रियों के हितों के बीच एक व्यवस्थित संतुलन हो

रिपोर्ट के अनुसार समिति ने कहा कि निजी एअरलाइन के वाणिज्यिक हितों और यात्रियों के हितों के बीच एक व्यवस्थित संतुलन बनाया जाना चाहिए ताकि निजी एअरलाइन का विकास भी हो और यात्रियों के हितों को भी ध्यान में रखा जाए। समिति ने यह भी देखा कि वर्तमान में हवाई किराए में वृद्धि मौजूदा विमान नियम, 1937 के आधार पर किराए को नियंत्रित करने के लिए मंत्रालय की ओर से किसी भी प्रकार के तंत्र को नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक एक ओर तो सरकार आम आदमी के लिए हवाई परिवहन को सस्ता बनाने की योजना बना रही है और हवाई क्षमता बढ़ाई जा रही है, लेकिन दूसरी ओर विमानों को लाने की क्षमता का उसके अनुरूप विस्तार नहीं किया जा रहा है। इसके चलते उच्च मांग के समय एअरलाइन टिकटों की कमी पैदा हो जाती है जिसके चलते कीमतों में वृद्धि होती है। समिति ने सिफारिश की है कि मंत्रालय की ओर से एक तंत्र होना चाहिए जो टिकटों की ऊपरी और निचले कीमतों का तय करे या कीमतों में अचानक वृद्धि को रोका जा सके। इसकी कड़ी निगरानी के लिए डीजीसीए के साथ मिलकर मंत्रालय यात्रियों को गुमराह करने से रोकने के लिए एअरलाइनों की वेबसाइटों पर भी नजर रखी जाए। इसके अलावा, पैनल ने कहा कि यदि निजी एअरलाइंस किराए के संबंध में सही जानकारी प्रकाशित नहीं करती हैं, तो उन्हें इसके लिए दंडित किया जाना चाहिए।

समिति का मानना है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन और घरेलू पर्यटन दोनों बढ़ रहे हैं लेकिन पर्यटन अभी तक महामारी से पहले के अपने स्तर तक नहीं पहुंच सका है। इसमें कहा गया है कि ई-वीजा को सरल बनाने और जागरूकता पैदा करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में समिति को सूचित किया गया है कि वर्तमान में ई-वीजा (ई पर्यटन वीजा, ई बिजनेस वीजा, ई मेडिकल वीजा, ई कांफ्रेंस वीजा और ई मेडिकल अटेंडेंट वीजा की पांच उप श्रेणियों के तहत) 165 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है। समिति को यह भी सूचित किया गया है कि मंत्रालय गृह और विदेश मंत्रालयों के साथ मिलकर पर्यटन हितधारकों और पर्यटकों के बीच परिपत्रों, रोड शो, बैठकों, सेमिनारों, सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया, यात्रा एवं उपभोक्ता मेलों आदि के माध्यम से ई-वीजा सुविधाओं को बढ़ावा दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार समिति ने कहा कि निजी एअरलाइन के वाणिज्यिक हितों और यात्रियों के हितों के बीच एक व्यवस्थित संतुलन बनाया जाना चाहिए ताकि निजी एअरलाइन का विकास भी हो और यात्रियों के हितों को भी ध्यान में रखा जाए। समिति ने यह भी देखा कि वर्तमान में हवाई किराए में वृद्धि मौजूदा विमान नियम, 1937 के आधार पर किराए को नियंत्रित करने के लिए मंत्रालय की ओर से किसी भी प्रकार के तंत्र को नहीं है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	06-24 बजे
चंद्र-	धनु	में	मेष--	08-00 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	09-45 बजे
बुध-	कुंभ	में	मिथुन..	11-46 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	13-57 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	16-10 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	18-17 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	20-22 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक	22-31 बजे
			धनु.....	00-45 बजे
			मकर..	02-52 बजे
			कुंभ...	04-42 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी **- 16 -39** उपरान्त दशमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , गुरूवार **Mar 16**
नक्षत्र - पूर्वाषाढा - **04 -46** तक उपरान्त उत्तराषाढा
योग - व्यतिपात - **10 - 06** - तक उप वरियान
करण- गर - **16 - 39** - तक उप- वणिज
विशेष:- मीन मे बुध- **10-47** से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
13:55 से
15:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:27 - 07:55 शुभ	अमृत.	18:22 - 19:55 शुभ
रोग	07:55 - 09:25 अशुभ	चंचल.	19:55 - 21:25 शुभ
उत्पात	09:25 - 10:55 अशुभ	रोग.	21:25 - 22:55 अशुभ
चंचल	10:55 - 12:25 शुभ	काल.	22:55 - 00:25 अशुभ
लाभ	12:25 - 13:55 शुभ	लाभ	00:25 - 01:54 शुभ
अमृत	13:55 - 15:25 शुभ	उत्पात	01:54 - 03:24 अशुभ
काल	15:25 - 16:55 अशुभ	शुभ.	03:24 - 04:54 शुभ
शुभ	16:55 - 18:22 शुभ	अमृत	04:54 - 06:27 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। निवास स्थान के संबंध में किया गया निवेश लाभदायक रहेगा। दिन के अंत में अप्रत्याशित खुशखबरी पूरे परिवार के लिए खुशी और उल्लास लेकर आएगी। आप सुख देकर और पिछली गलतियों को क्षमा करके अपने जीवन को योग्य बनाने जा रहे हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं, लेकिन उनकी मदद करना आपके ऊपर आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है। हालांकि जल्द ही स्थिति में सुधार होगा। युवा स्कूल परियोजनाओं पर कुछ सलाह ले सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आपकी इच्छा शक्ति को आज पुरस्कृत किया जा सकता है क्योंकि आप एक बहुत ही पेचीदा स्थिति का सामना करते हैं। बहुत ही भावनात्मक निर्णय लेते समय आपको अपना दिमाग नहीं खोना चाहिए। लंबे समय से लंबित बकाया और बकाया राशि आखिरकार वसूल हो जाएगी।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मनोरंजन और मौज मस्ती का दिन। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन मनचाहे फ़ायदे नहीं देंगे-जब पैसा निवेश करने की बात हो तो जल्दबाजी में फ़ैसले न लें। पुराने मित्र सहयोगी और मददगार रहेंगे। आपके प्रिय या जीवनसाथी का कोई अच्छा संचार या संदेश आज आपका मनोबल बढ़ाएगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यस्थल पर वरिष्ठों का दबाव और घर में कलह के कारण कुछ तनाव हो सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं, उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और इसके बदले उन्हें अच्छी रकम मिल सकती है।

कन्या (टो पा पी पु ष ण ठ पे पो)
आज आप तनावमुक्त महसूस कर रहे हैं और आनंद लेने के लिए सही मनोदशा में हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा। आप अपने सपने को सच होते हुए देख सकते हैं क्योंकि वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरता है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आपका मन अच्छी बातों के प्रति ग्रहणशील रहेगा। किसी क़रीबी रिश्तेदार के घर जाना आपकी आर्थिक परेशानी बढ़ा सकता है। परिवार के सदस्य या जीवनसाथी कुछ तनाव का कारण बनेंगे। रोमांस के लिए दिन बहुत अच्छा नहीं है क्योंकि आप सच्चा प्यार पाने में असमर्थ हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
जीवन के प्रति गंभीर रवैया अपनाने से बचें अटकलों या अप्रत्याशित लाभ से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रिश्तेदार/दोस्त एक शानदार शाम के लिए आते हैं। रोमांटिक मुलाक़ात काफ़ी रोमांचक है लेकिन यह ज़्यादा देर तक नहीं चलेगी। आज आपका बिस्तर से उठने का मन नहीं करेगा और आलस्य का कार्य करेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे)
शारीरिक लाभ के लिए विशेष रूप से मानसिक मजबूती के लिए ध्यान और योग शुरू करें। आज आपको ऐसे दोस्तों से दूर रहने की जरूरत है जो आपसे पैसे उधार मांगते हैं और फिर उसे वापस नहीं करते हैं। आपका दिलचस्प रवैया घर के माहौल को खुशनुमा बना देगा और घर में अच्छी ऊर्जा भर देगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपने बुलंद हौसले के बावजूद आप किसी ऐसे व्यक्ति की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं हो सका। आप ख़ुद को किसी रोमांचक नई स्थिति में पा सकते हैं- जिससे आपको आर्थिक फ़ायदा भी होगा। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में सुकून और सुकून का पल लेकर आएगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मनोरंजन और मौज मस्ती का दिन। जिन लोगों ने पहले अपना धन निवेश किया था आज उस निवेश का लाभ मिलने की संभावना है। आपका कोई जान-पहचान वाला व्यक्ति वित्त से संबंधित स्थितियों पर ज़रूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया दे सकता है, जिससे घर में असहजता आ सकती है।

मीन (दू दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंता करने से मना करें। यह बीमारी के खिलाफ एक शक्तिशाली टीकाकरण है। आपका सही रवैया गलत रवैये को हरा देगा। दिनभर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर ध्यान दें। जब नए निवेश करने की बात आती है तो स्वतंत्र रहें और अपने निर्णय स्वयं लें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बीजेपी सरकार आने के बाद 10 साल में कैसे और कितना बढ़ा संघ का कुनबा?

नई दिल्ली, 15 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) लोकसभा चुनाव 2024 से पहले संगठन और वैचारिक मुद्दों को धार देने के लिए हरियाणा के समालखा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बड़ी बैठक की। संघ के अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिन तक चली इस बैठक में तीन बड़े प्रस्ताव भी पेश किए गए। संघ ने सेम सैक्स मैरिज पर सरकार के स्टैंड को सही ठहराया है। संघ की इस मीटिंग में 34 संगठनों के 1400 से अधिक पदाधिकारी शामिल थे। होसबाले ने कहा कि देश में अब आरएसएस की 42,613 स्थानों पर 68,651 दैनिक शाखाएं चल रही हैं। देश के 901 जिलों में 26,877 साप्ताहिक बैठकें होती हैं। 10,412 संघ मंडली हैं। संघ देश भर में 71,355 स्थानों पर मौजूद है। 98 साल पहले गठित संघ का मोदी सरकार बनने के बाद तेजी से विस्तार हुआ है। इस स्टोरी में संघ के विस्तार के बारे में जानेंगे, लेकिन पहले जानते हैं मीटिंग के बाद होसबाले ने क्या-क्या कहा?

1. हिंदू राष्ट्र की मांग सैद्धांतिक नहीं, सांस्कृतिक है

संघ में नंबर दो दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बैठक में अगले 25 सालों के सामाजिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का खाका खींचा है। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की बात सांस्कृतिक है। यह कोई सैद्धांतिक मांग नहीं है। बैठक में पंजाब और मतांतरण के मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर समेत कई संगठन महामंत्री शामिल हुए हैं।

2. शादी समझौता नहीं संस्कार का मसला

आखिरी दिन पत्रकारों से बातचीत के दौरान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सेम सेक्स मैरिज पर कहा कि भारतीय संस्कृति में शादी एक संस्कार है। यह कोई समझौता नहीं है। संघ पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को होसबाले ने राजनीतिक एजेंडा बताया है। संघ की बैठक के बाद बीजेपी भी इस हफ्ते महासचिवों की बैठक कर सकती है।

3. संघ का काम पॉलिटिकल नहीं

मीटिंग के बाद संघ ने फिर कहा कि उनका काम पॉलिटिकल नहीं है। होसबाले ने कहा कि हम सामाजिक काम करते रहे हैं और आगे भी यही करेंगे। संघ में महिलाओं की भागीदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि संगठन में पहले से ही डिसीजन मेकिंग में महिलाओं को जगह दी गई है। हमने अभी आगे के प्लान पर कोई चर्चा नहीं की है।

मोदी सरकार बनने के बाद संघ के विस्तार की कहानी।

2013 में 400 प्रतिनिधि हुए थे शामिल, शाखाएं 45 हजार से भी कम

मोदी सरकार बनने से एक साल पहले आरएसएस ने जयपुर में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक आयोजित की थी। 2013 की रिपोर्ट के मुताबिक उस वक्त देश के 28788 स्थानों पर 42981 शाखाएं चलाई जा रही थी। 9597 साप्ताहिक बैठकें होती थी। उस वक्त 7178 संघ मंडली था। संघ की वार्षिक रिपोर्ट मुताबिक 2013 में सिर्फ 1500 लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से संघ से जुड़ने की रुचि दिखाई थी। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में करीब 400 पदाधिकारी ही शामिल हुए थे। संघ की उस वक्त सबसे ज्यादा उपस्थिति गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य क्षेत्र में था।

1998 में 30 हजार शाखाएं ही चलती थी

रिपोर्ट के मुताबिक 1998 में आरएसएस की सिर्फ 30 हजार शाखाएं चलती थी। उस वक्त संघ के पास कार्यकर्ताओं का भी कोई हिसाब नहीं होता था। बंगाल, बिहार, दक्षिण और उत्तर पूर्व के राज्यों में कार्यकर्ताओं का दखल कम ही था। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार बनी, जिसके बाद थोड़ा बहुत संघ का भी विस्तार हुआ। 2004 के आसपास संघ के करीब 39 हजार शाखाएं चलती थी। 2004 में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद संघ के तत्कालीन प्रवक्ता राम माधव ने कहा था कि अगले 5 साल में शाखाओं की संख्या 60 हजार के पार पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। संघ के इस प्लान पर पानी फिर गया और सत्ता में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार आ गई। कांग्रेस की सरकार में संघ का दायरा तो नहीं घटा, लेकिन इसका विस्तार जरूर रुक गया। 9 साल में संघ की शाखा में सिर्फ 3000 की बढ़ोतरी हो पाई।

युवाओं में बढ़ रहा है संघ का क्रेज?

संघ के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य के मुताबिक बीते कुछ सालों में आरएसएस के प्रति युवाओं का क्रेज बढ़ा है। एक डेटा जारी करते हुए वैद्य ने कहा कि 2017 से लेकर 2022 तक 7 लाख से अधिक लोगों ने संघ में शामिल होने की इच्छा जताई। वैद्य के अनुसार ऑनलाइन आवेदन जितने भी आए हैं, इनमें से अधिकांश 20 से 35 आयु वर्ग के युवक हैं। उन्होंने कहा कि संघ में 60 प्रतिशत शाखाएं विद्यार्थी शाखाएं हैं। बीते एक साल में 121137 युवाओं ने संघ का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

10 साल में कैसे बढ़ा संघ का ग्राफ?

संघ के ग्राफ में बढ़ोतरी के पीछे क्या सिर्फ लोकप्रियता वजह है? आरएसएस पर करीब से नजर रखने वाले विष्णु शर्मा कहते हैं- लोकप्रियता के अलावा और भी कई वजहें हैं, जिससे पिछले 10 सालों में काफी ज्यादा विस्तार हुआ है।

1. सत्ता में बीजेपी- विष्णु शर्मा बताते हैं, एक वक्त संघ को बीजेपी में नेता बनाने की फैक्ट्री कहा जाता था। 2014 के बाद यह देखा भी जाने लगा। संघ से जुड़े लोग उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाए गए। इसका

मैसेज लोगों में साफ गया कि दक्षिणपंथ की राजनीति में संघ का महत्वपूर्ण योगदान हैं। शर्मा बताते हैं कि जहां-जहां बीजेपी की सरकार है, वहां संघ को कार्यक्रम करने में परेशानी नहीं होती है। ऐसे में संघ का संदेश उन राज्यों में लोगों के बीच सीधे तौर पर चला जाता है। इससे लोग संघ के कामों के बारे में जानते हैं और फिर जुड़ते हैं।

2. रणनीति में किया बदलाव- 2014 के बाद संघ ने अपनी रणनीति में भी बदलाव किया है। विष्णु शर्मा के मुताबिक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी पहले पत्रकारों से बातचीत से कतराते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बड़े मुद्दों पर संघ का बयान आ जाता है। इसके अलावा पहले शाखा का चलन था, लेकिन अब संघ ने कई तरह के कार्यक्रम चला रहे हैं। लोग इसके जरिए भी संघ से जुड़ रहे हैं और उसे जान रहे हैं। कोरोना काल में संघ ने ऑनलाइन माध्यम से लोगों से संपर्क बनाए रखा।

3. सोशल मीडिया पर संघ के बड़े पदाधिकारी- 2018 में सरसंघचालक मोहन भागवत समेत संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी सोशल मीडिया साइट्स ट्विटर पर आए। संघ का ऑफिसियल अकाउंट भी फेसबुक और ट्विटर पर काम करने लगा। शर्मा के मुताबिक नए पीढ़ी से जुड़ने के लिए सबसे मुफीद सोशल मीडिया ही है। संघ ने इसे समझा और लागू किया। संघ के अन्य संगठन भी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है।

4. इतिहास के फैक्ट पर जोर- विष्णु शर्मा आगे बताते हैं, पिछले 10 साल में जो सबसे बड़ा बदलाव हुआ है, वो इतिहास के फैक्ट को सुधारने का है। 10 सालों में आजादी के इतिहास के कई फैक्ट पर सवाल किए गए। लोगों में यह सवाल जिज्ञासा का विषय बन गया। लोग कांग्रेस से सवाल पूछने लगे। ऐसे में संघ का इतिहास भी कुरेदा गया और लोग उसके काम को जानने लगे। लोगों में संघ का काम एक पॉजिटिव मैसेज गया, जो बड़ी वजह है।

1925 में स्थापना, दो बार लग चुका है प्रतिबंध

आरएसएस की स्थापना 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने किया था। शुरुआत में आरएसएस शाखा के जरिए ही लोगों के बीच लोकप्रिय था। वीर सावरकर के सिद्धांत हिंदू राष्ट्र की मांग को अपनाने के बाद संघ का ग्राफ धीरे-धीरे बढ़ने लगा। आजादी के अगले ही साल महात्मा गांधी की हत्या हो जाती है। हत्या में शामिल नाथूराम गोडसे और उनके सहयोगियों का तार संघ से जोड़ा जाता है। संघ पर केंद्र सरकार इसके बाद बैन लगा देती है। बाद में तत्कालीन गृह मंत्री और तत्कालीन सरसंघचालक गुरु गोलवलकर के बीच समझौते को लेकर बातचीत होती है। इसके बाद संघ का अपना संविधान बनाया जाता है। इसके मुताबिक संघ में सबसे पावरफुल सरकार्यवाह होंगे और उनका चुनाव अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में की जाएगी। संघ में शीर्ष पद सरसंघचालक का होता है, लेकिन वो सिर्फ संघ का विचार तय करते हैं। संघ में विस्तार से लेकर तमाम नीति को लागू करने की जिम्मेदारी सरकार्यवाह के जिम्मे होता है। आजादी के बाद संघ का धीरे-धीरे विस्तार शुरू होता है। संघ मध्य प्रांत और राजस्थान जैसे राज्यों पर विशेष फोकस करता है। यहां धीरे-धीरे संघ की जड़ें जमने लगती है। संघ एक वक्त संगठन के जरिए लोगों को जोड़ने का काम कर रहा था, वहीं संघ से निकले नेता जनसंघ के जरिए राजनीति भी करते थे। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का ऐलान किया तो इसकी चपेट में आरएसएस भी आ गई। संघ पर आपातकाल के दौरान दूसरी बार बैन लगा और यह 1977 तक जारी रहा। इस दौरान संघ के कई पदाधिकारी जेल में रहे। आपातकाल हटा तो पहली बार जनसंघ की सरकार मध्य प्रदेश में बनी। केंद्र में भी जनसंघ से मंत्री बनाए गए। 1980 में आरएसएस की सपोर्ट से बीजेपी की स्थापना हुई। 1998 में संघ ने विद्यार्थियों के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना की।

बीजेपी की स्थापना के बाद संघ के प्रचारक को बीजेपी में संगठन महासचिव की जिम्मेदारी दी जाती है। वर्तमान में बीएल संतोष बीजेपी के संगठन महासचिव हैं, जो आरएसएस के प्रचारक रह चुके हैं। 2014 के बाद आरएसएस पर लोकतंत्र खत्म करने और संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा जमाने का आरोप लगाती रही है। हालांकि, संघ हमेशा इन आरोपों को खारिज करता रहा है।

ईंट भट्ठे में दम घुटने से पांच मजदूरों की मौत

सीएम ने जताया दुख

महासमुंद, 15 मार्च (एजेंसियां)। महासमुंद जिले के बसना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़फुलझर में बीती रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। ईंट भट्ठा में ईंटों को पकाने के लिए आग लगाकर भट्ठा के ऊपर ही सो रहे छह श्रमिकों में से पांच की दर्दनाक मौत हो गई है तो वहीं एक श्रमिक गम्भीर है। जिसे बसना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। बसना थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर ने घटना की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार गांव में कुंज बिहारी पांडे का ईंट का भट्ठा संचालित है। कुंज बिहारी पांडे कोई और नहीं बल्कि माटीकला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष चंदशेखर पांडे के छोटे भाई हैं। यह भट्ठा अवैध रूप से संचालित था यह बात भी निकलकर सामने आई है। वह श्रमिकों से ईंट बनवाकर उसे पकाने के लिए ठेका पर दिए थे। जहां ग्राम गढ़फुलझर के 6 श्रमिक गंगा राम बिसी (55), दशरथ बिसी (30), सोना चंद भोई (40), वरुण बरिहा (24), जनक राम बरिहा (35) और मनोहर बिसी (30) काम कर रहे थे। रात 12 बजे तक ईंट भट्ठा में काम चल रहा था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सभी श्रमिक काम का थकान मिटाने शराब पीकर भट्ठा के ऊपर ही सो गए थे। ईंट भट्ठा से निकलने वाले धुएं से सभी का दम घूंट जाने की आशंका जताई जा रही है।

घटना में गंगा राम बिसी, दशरथ बिसी, सोना चंद भोई, वरुण बरिहा और जनक राम बरिहा की मौत हो गई है जबकि मनोहर बिसी गंभीर है, जिसे उपचार के लिए रायपुर भेजा गया है। मृतकों में तीन लोग एक ही परिवार के पिता और दो पुत्र हैं। घटना रात 12 से चार बजे के बीच की है। सुबह पांच बजे एक ग्रामीण जब भट्ठा से धुआं उठते देखा और ऊपर सो रहे लोगों को आवाज लगाया तब कोई जवाब नहीं मिलने से अनिष्ट की सूचना बसना पुलिस को दी गई। बसना टीआई कुमारी चंद्राकर घटना स्थल पर पहुंची और सभी को अस्पताल रवाना किया। जहां चिकित्सकों ने पांच को मृत घोषित कर दिया। बहरहाल, शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना में रखा गया है। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया है।

सीएम भूपेश बघेल ने जताया गहरा दुःख, दी आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के ग्राम गढ़फुलझर में ईंट भट्ठा में काम वाले पांच श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने मृत्य व्यक्तियों के परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि मंजूर की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को गंभीर रूप से घायल श्रमिक को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि घटना में घायल श्रमिक को बेहतर उपचार के लिए राजधानी रायपुर रेफर किया है। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने दुर्घटना के जांच के आदेश दिए हैं।

श्रमिकों की मृत्यु के मामले में कलेक्टर ने दिए दंडाधिकारी जाँच के आदेश

जिले के बसना विकासखंड के गांव गढ़फुलझर ईंट भट्ठा में ईंटों को पकाने के लिए आग लगाकर भट्ठा के ऊपर ही सो गए छह श्रमिकों में से पांच की मौत हो गई। एक गंभीर है। जिसका इलाज चल रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुँचे हुए है। मामले में कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने पूरी घटना की दंडाधिकारी जाँच के आदेश दिए है। उन्होंने एसडीएम को तत्काल नियमानुसार आर्थिक सहायता राशि देने के भी निर्देश दिये। घटना में घायल श्रमिक का बेहतर उपचार के निर्देश दिए। शवों को पीएम के लिए भेजा गया है। ईंट-भट्टे पर सो रहे पांच मजदूरों की मौत किस कारण हुई इसकी सही जानकारी पोस्टमार्डम के बाद पता चलेगी।

खनिज विभाग की टीम भी मौके के लिए रवाना

जिले के ग्राम गढ़फुलझर ईंट भट्ठा में ईंटों को पकाने के लिए आग लगाकर भट्ठा के ऊपर ही सो गए छह श्रमिकों में से पांच की मौत मामले में खनिज विभाग ने भी अपनी जांच शुरू कर दी है। प्रभारी खनिज अधिकारी उमेश भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि, भट्ठा कुंज बिहारी पांडे का है, जिसकी अनुमति नहीं ली गई है। हालाकिं पांडे समाज के लोगों को ईंट बनाने में कुछ छूट रहती है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था और नियमावली का पालन करना अनिवार्य होता है। मामले में किस तरह की लापरवाही बरती गई है इसके जांच के लिए मौके के लिए टीम रवाना हो गई है।

झारखंड के मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव को समन

ईडी ने धनशोधन मामले में की कार्रवाई

रांची/नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का को तलब किया है। उन्हें निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से संबंधित धनशोधन मामले (मनी लॉन्ड्रिंग केस) के सिलसिले में समन किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, अब पंचायती राज सचिव एक्का से इस मामले से संबंधित मनरेगा योजना में कथित अनियमितताओं के बारे में पूछताछ की जा सकती है।

एक निजी स्थान पर सरकारी कागजों पर कथित रूप से हस्ताक्षर करने के विवाद में फंसे एक्का को भाजपा के इस आरोप के बाद प्रधान सचिव के पद से हटा दिया गया कि उनकी बिचौलियों से मिलीभगत है। ईडी कथित मनरेगा घोटाले के साथ धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज दूसरे मामले के अंतर्गत भी राज्य में खनन क्षेत्र में कथित अनियमितताओं में सिंघल की भूमिका की जांच कर रही है। इस बीच, झारखंड सरकार ने एक्का के विरूद्ध आरोपों की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग सोमवार को गठित किया।

नक्सलियों ने फिर फेंके पर्चे, सड़क की ब्लॉक

कोरेंडम खदान को माइनिंग कंपनी को देने का किया विरोध

जगदलपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। जगदलपुर मंगलवार की रात नक्सलियों ने नेशनल हाइवे फारेस्ट नाका से रुद्राराम तक भारी मात्रा में पर्चे फेंककर कोरंडम खदान का विरोध किया है। मद्देड एरिया कमेटी माओवादियों के द्वारा रोड पर फेंके पर्चों में लिखा है कि कुकनूर, धनगोल में माइनिंग कंपनी को कोरंडम खदान देने की निंदा की है। माओवादियों ने पर्चों में लिखा है कि सरकार आदिवासी इलाकों के सभी प्रकार के खनिज संसाधनों को कौड़ियों के दाम बेचकर पूंजीपतियों की जेब भर रही है।

माओवादियों ने भाजपा मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि राजनीतिक संसाधन हमलों के साथ हमारी पार्टी के ऊपर एलआईसी पालिसी को अपनाते हुए दुष्प्रचार कर रही है। आदिवासी जनता अपने जल जंगल जमीन व अस्तित्व और आत्मसम्मान के लिए जन संघर्ष कर रही है। नक्सलियों ने आम जनता, किसान, छात्र, युवाओं व सभी वर्गों से अपील की है कुचनुर, धनगोल गांव में कोरंडम खदान को माइनिंग कंपनी को सौंपने के खिलाफ संघर्ष करने और आगे आने को कहा है। नक्सलियों ने इसका विरोध जगह-जगह करने की बात पर्चों में लिखी है।

कचरा संग्रहण केंद्र में लगी भीषण आग

दमकल की गाड़ियां पहुंची, असामाजिक तत्वों की बताई जा रही करतूत

कोरबा, 15 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा शहर से लगे काशीनगर वार्ड 20 में स्थित मणि कचरा संग्रहण केंद्र में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। राहगीर और क्षेत्र वासियों की भीड़ एकत्रित हो गई। आग की लपटे देख दमकल वाहन और 112 की टीम को मौके पर बुलाया गया। जहां दमकल वाहन और 112 के आने से पहले बस्ती वासियों ने कचरा संग्रहण केंद्र में काम करने वाले कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। जिस कमरे पर कचरा रखा हुआ था और आग की लपटे नहीं पहुंच पाई थी उस कचरे को आनन-फानन में बाहर निकाला गया लेकिन उनके निकालते तक काफी हिस्से का कचरा जलकर खाक हो चुका था।

बताया जा रहा असामाजिक तत्वों की करतूत करतूत हो सकती है जब कर्मचारी पहुंचे तो आग लग चुकी थी। आग धीरे-धीरे विकराल रूप ले रही थी कुछ हद तक आग पर काबू पाने प्रयास किया गया लेकिन कचरा संग्रहण केंद्र में सूखा कचरा होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया।

कचरा संग्रहण केंद्र में रखें अलग-अलग रखा संग्रहित कचरा रखा जाता है। तीन श्रेणी में कचरा रखा हुआ था सूखा कचरा, गीला कचरा और मिक्स कचरा कालोनी और बस्ती से लेकर यहां लाया जाता है। उसके बाद अलग-अलग संग्रहित कर रखा जाता है सूखा कचरा बाहर था जिसमे आगजनी की घटना घटी है। जो धीरे-धीरे अंदर तक फैल गया। आगजनी की घटना की सूचना सिविल लाइन थाना और नगर निगम के अधिकारियों को दे दी गई है।

एनआईए ने झारखंड में आठ जगहों पर की छापेमारी

पूर्व विधायक पर हमले से जुड़े हैं तार

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। एनआईए ने बुधवार को झारखंड में आठ जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी पूर्व भाजपा विधायक गुरुचरण नायक पर हुए नक्सली हमले के मामले में की गई। बीते साल हुए इस हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। जिन जगहों पर छापेमारी की गई, वह माओवादी समर्थक नेटवर्क से जुड़े लोगों के घर हैं। एनआईए को छापेमारी में कई अहम चीजें हाथ लगी हैं। जिनमें नक्सलियों से जुड़े अहम दस्तावेज शामिल हैं।

एनआई ने दी यह जानकारी

एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि सभी आठ संदिग्धों के परिसरों में छापेमारी की गई। ये लोग माओवादी समर्थक नेटवर्क के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं। एनआईए ने बताया कि माओवादियों की जिस टीम ने पूर्व भाजपा विधायक पर हमला किया था, उसे लॉजिस्टिक मदद और अन्य सहायता इन्हीं लोगों ने दी थी। छापेमारी के दौरान एनआईए ने संदिग्धों के ठिकानों से माओवादियों के कई पोस्टर, अवैध कोलहान राज्य से संबंधित दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और कई अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। एनआईए ने बीती एक जनवरी को इस मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। 4 जनवरी 2022 को भाजपा के पूर्व विधायक गुरुचरण नायक गोईलकेरा थाना क्षेत्र के झीलरुवां गांव में एक फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते वक्त गुरुचरण नायक के काफिले पर नक्सलियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में गुरुचरण नायक किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल हो गए थे लेकिन उनके दो सुरक्षाकर्मी इस हमले में मारे गए थे। भाजपा के पूर्व विधायक पर हमले को लेकर झारखंड की राजनीति खूब गरमाई थी और भाजपा ने जगह जगह हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

बनबिलाव, कबर बिज्जू का शिकार कर खा जाते थे

वन विभाग ने घेराबंदी कर नौ को किया गिरफ्तार

बिलासपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर सोढ़ी सर्किल के जंगल में वन्यजीव की शिकार की सूचना डीएफओ कुमार निशांत को मिली थी। जानकारी दी गई की बिटकुला और सोढ़ी सर्किल के जंगल में वनप्राणियों का शिकार किया जा रहा है।

इसपर डीएफओ कुमार निशांत ने सोढ़ी सर्किल के डिप्टी रेंजर हफिज खान को शिकार करने वाले आरोपियों को पकड़ने का निर्देश दिया।

जिसपर रेंजर हफिज खान ने सोढ़ी और बिटकुला के जंगल में आसपास के वनरक्षक चंद्रहास तिवारी, नवापारा के वनरक्षक रविंद्र महिला, जेवरा के रमेश ठाकुर और बिटकुला प्रबंधन समिति को लेकर घेराबंदी की जिसके बाद कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़कर उनसे तलाशी ली।

आरोपियों के पास से से बनबिलाव, कबर बिज्जू और वनप्रजाति के अन्य वन्य प्राणी मिले हैं। पूछताछ के दौरान पता चला कि सोढ़ी के जंगल और पीपरानार में सभी वन प्राणियों को मारने के बाद उसका मांस खाने के लिए में प्रयोग करते थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

झारखंड हाईकोर्ट ने जांच के लिए कमेटी के गठन का दिया निर्देश

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को राज्य के पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों में अवैध खनन की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति आनंद सेन की पीठ ने पंकज कुमार यादव द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि समिति में एक पुलिस महानिरीक्षक रैंक का अधिकारी और दो अन्य खनन अधिकारी होने चाहिए। खनन अधिकारियों को भूविज्ञान का ज्ञान होना चाहिए।

साथ ही हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि तीन जिलों के उपायुक्त इस समिति की हरसंभव मदद करेंगे। समिति को चार हफ्ते में अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। खनिज संपन्न झारखंड में बहुमूल्य अयस्कों के अवैध खनन में नेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप लगे हैं। इस मामले में कई नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ जांच चल रही है।

झारखंड विधानसभा में रोजगार नीति को लेकर हंगामा

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को एक बार फिर विपक्षी सदस्यों ने राज्य की रोजगार नीति पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हुए हंगामा किया। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने हंगामा किया और मांग की कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस रिपोर्ट को स्पष्ट करें कि राज्य की रोजगार नीति वंचित वर्गों के लिए 60 प्रतिशत तक नौकरियां आरक्षित करेगी। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने सदन की कार्यवाही 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और फिर बाद में दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले उन्होंने सदन को सुचारू रूप से चलने देने की बार-बार अपील की, लेकिन उनकी अपील पर भाजपा विधायकों ने ध्यान नहीं दिया। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने से भगवा टी-शर्ट पहने भगवा पार्टी के विधायकों ने '60-40 की नीति स्वीकार्य नहीं होगा' बैनर के साथ नई नीति का विरोध करते हुए विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया।

अमेरिका बोला- अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग

चीन एलएसी पर हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहा, वह इंडो-पैसेफिक के लिए खतरा

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश और चीन के बीच मैकमोहन लाइन को अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के तौर पर मान्यता दे दी है। अमेरिकी सीनेट में पास हुए एक प्रस्ताव में अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा बताया गया है। बिल को सीनेट (अपर हाउस) में लाने वाले सांसद बिल हैगरटी और जेफ मर्क्ले ने कहा- चीन लगातार इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में खतरा पैदा कर रहा है। ऐसे में ये जरूरी है कि अमेरिका अपने रणनीतिक साझेदार और खासतौर पर भारत के साथ खड़ा रहे।

उन्होंने कहा- ये बिल अरुणाचल प्रदेश को स्पष्ट रूप भारत के हिस्से के रूप में मान्यता देता है। चीन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर अभी जो स्थिति है उसे बदलने की कोशिश कर रहा है और हम इसकी निंदा करते हैं। हम लगातार भारत और क्वाड देशों के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाने के पक्ष में हैं, जिससे इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में शांति बनाई जा सके।

एलएसी पर चीन के उकसावों की निंदा की

इस प्रस्ताव में अमेरिका ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीन के उकसावों की निंदा की है। उन्होंने चीन के सैन्य बल का इस्तेमाल करने, विवादित क्षेत्र में गांव बसाने, स्थानीय शहरों का मैंडरिन (चीनी भाषा) में नाम रखने और मैप पब्लिश करने की भी निंदा की है। इसके साथ ही उन्होंने भूटान में भी कई क्षेत्रों को चीन का हिस्सा बताने को गलत ठहराया है।

भारत-क्वाड के साथ संबंध बेहतर करने पर फोकस

इसके अलावा, प्रस्ताव में चीन की तरफ से बढ़ते खतरों के बीच अपने बचाव में उठाए गए कदमों के लिए भारत सरकार की सराहना की गई है। इसके अलावा रिजोल्यूशन में भारत-अमेरिका के बीच डिफेंस, टेक्नोलॉजी और इकोनॉमी के क्षेत्र में द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है। साथ ही क्वाड, ईस्ट एशिया समिट और एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (एएसईएएन) के जरिए दोनों देशों के बीच मल्टी-लैटरल कोऑपरेशन बढ़ाने की भी बात कही है।

चीन ने तवांग में की थी घुसपैठ की कोशिश

अरुणाचल के तवांग में 9 दिसंबर, 2022 को भारत और चीन के सैनिकों में हाथापाई हुई थी। 600 चीनी सैनिकों ने 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए घुसपैठ की कोशिश की थी। यह पोस्ट यांगत्से में है। भारतीय सैनिकों ने चीनियों को खदेड़ दिया था। तवांग में हुई झड़प से पहले भी चीन ने अरुणाचल सीमा में अपने ड्रोन भेजने की कोशिश की थी। इसके बाद आईएएफ ने तुरंत अपने लड़ाकू विमान अरुणाचल सीमा पर तैनात किए थे।

अरुणाचल और अक्साई चीन पर भी विवाद

3488KM

लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) को लेकर दोनों देशों में विवाद है। हालांकि, चीन अरुणाचल प्रदेश वाले हिस्से को भी विवादित मानता है।

अरुणाचल प्रदेश की 1126 किलोमीटर लंबी सीमा चीन के साथ और 520 किलोमीटर लंबी सीमा के साथ मिलती है।

चीन का दावा है कि अरुणाचल पारंपरिक तौर पर दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है, वहीं भारत अक्साई चिन इलाके को अपना बताता है।

1962 के युद्ध में चीन ने अक्साई चिन वाले हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

3 साल पहले गलवान में हुई थी झड़प

15 जून 2020 को लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी।

चीन ने अरुणाचल से लगे इलाके में बदले थे 15 जगहों के नाम

2021 में चीन ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्र में 15 स्थानों के नाम चीनी और तिब्बती रख दिए थे। चीन की सिविल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने कहा था- यह हमारी प्रभुसत्ता और इतिहास के आधार पर उठाया गया कदम है। यह चीन का अधिकार है। दरअसल, चीन दक्षिणी तिब्बत को अपना क्षेत्र बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया। इसके पहले 2017 में चीन ने 6 जगहों के नाम बदले थे।

ब्रिटिश प्रिंस ने इंडियन योगी से कराई थेरेपी

एंड्रयू ने 32 लाख का बिल किंग चार्ल्स को भेजा, उन्होंने कहा- इसे खुद भरो

लंदन, 15 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने प्रिंस एंड्रयू के इलाज के लिए फीस भरने से मना कर दिया है। एंड्रयू कई सालों से एक भारतीय योगी से इलाज करवा रहे हैं। इसके लिए उन्हें सालभर में 32 लाख की फीस भरनी होती है। अब तक ये पैसे क्वीन एलिजाबेथ अपनी कमाई से देती थीं। लेकिन किंग चार्ल्स ने ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने एंड्रयू को खुद ये पैसे चुकाने को कहा है।

ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक, भारतीय योगी कई सालों से एंड्रयू को मंत्रों, मसाज और मेडिटेशन के जरिए थेरेपी देते हैं। इसके लिए वो अब तक एंड्रयू के रॉयल लॉज वाले घर में करीब 1 महीने तक रहते हैं। पिछले साल सितंबर में अपनी मौत से पहले तक एलिजाबेथ बिल चुकाती रहती थीं। ये पैसे ब्रिटेन के मोनार्क की स्टेट डची ऑफ लैनकेस्टर से होने वाली कमाई से दिए जाते थे। लेकिन ब्रिटेन में बढ़ती महंगाई को देखते हुए किंग चार्ल्स ने ऐसा नहीं करने का फैसला किया है। उनके मुताबिक इससे देश की जनता तक राजघराने को लेकर गलत मैसेज जाएगा। इसके अलावा चार्ल्स जल्दी ही एंड्रयू की 249 लाख रुपए की सालाना सैलरी पर भी रोक लगा सकते हैं। ये पैसे भी उन्हें डची ऑफ लैनकेस्टर से दिए जाते हैं। कुछ दिन पहले ही उन्हें अपने घर रॉयल लॉज को खाली करने को कहा गया था। अब वे प्रिंस हैरी के घर फ्रॉगमोर कॉटेज में रहेंगे। इस घर में अब तक प्रिंस हैरी-मेगन मार्केल रहते थे। घर खाली करवाने का ये कदम प्रिंस हैरी की किताब 'स्पेयर' के रिलीज होने के बाद उठाया गया है। प्रिंस एंड्रयू पर पूर्व मॉडल वर्जिनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि जब वो 17 साल की थीं, तब जेफ्री एप्सटीन (इस मामले के मुख्य आरोपी) उन्हें एंड्रयू के पास ले गए थे और प्रिंस ने उनके साथ संबंध बनाए थे। इस आरोप पर एक्शन लेते हुए किंग चार्ल्स ने उन्हें रॉयल फैमली से बेदखल कर दिया था। उनकी सिक्योरिटी भी छीन ली गई थी, लेकिन अब उन्होंने प्रिंस एंड्रयू को फ्रोगमोर कॉटेज में रहने का ऑफर दिया है। हालांकि, उन्होंने ऐसा क्यों किया है, इसकी वजह सामने नहीं आई है।

जापान में सांसद की सदस्यता खत्म

टोक्यो, 15 मार्च (एजेंसियां)। जापान की संसद ने आमराय से एक सांसद की सदस्यता खत्म कर दी है। देश के संसदीय इतिहास में पहली बार गैरहाजिर रहने वाले किसी मेंबर ऑफ पार्लियामेंट के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई की गई है। इसके पहले खराब बर्ताव के लिए एक सांसद को सदस्यता गंवानी पड़ी थी। इस सांसद का नाम योशिकाजू हिगाशितानी है। 51 साल के योशिकाजू प्रोफेशनल यूट्यूबर हैं और एक गॉसिप शो होस्ट करते हैं। वो पूरा वक्त अपने यूट्यूब चैनल को देते थे। यही वजह है कि उन्होंने संसद के किसी भी सेशन में हिस्सा नहीं लिया था।

अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव एक कड़वी सच्चाई

जो लोग इस भेदभाव पर कानून का विरोध कर रहे हैं, वे दक्षिणपंथी हैं

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के सिएटल में पहली बार जाति भेदभाव के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून बना है। इसे बनाया और प्रस्तावित किया उच्च जाति की हिंदू और सिएटल काउंसिल की एकमात्र भारतीय-अमेरिकी सदस्य क्षमा सावंत ने। उनका कहना है कि अमेरिका में जातिगत भेदभाव कड़वी सच्चाई है। अमेरिका में खासकर सिएटल में आपने इस कानून की जरूरत क्यों महसूस की?

हमारे पास आंकड़ों पर आधारित विश्लेषण है कि पूरे अमेरिका में जाति भेदभाव बड़ी समस्या है। सैकड़ों कामगारों के बयान हैं जिन्होंने इसे महसूस किया है। कार्नेगी एंडोमेंट की स्टडी है। सिएटल बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों का केंद्र है जहां बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई हैं।

कानून को 1965 के नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन बताया जा रहा है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका जैसे संगठन ऐसी बात कर रहे हैं। ये दक्षिणपंथी संगठन हैं। यदि वास्तव में वे भेदभाव का विरोध करते हैं तो जातिगत भेदभाव कानून का विरोध क्यों कर रहे हैं?

कानून के दुरुपयोग की आशंका जाहिर की जा रही है कि इससे कंपनियां डर के कारण दक्षिण एशियाई लोगों को नौकरी देना बंद कर सकती हैं।

यह सब कल्पनाएं हैं और इनमें कुछ भी वास्तविकता नहीं है। कानून तभी इस्तेमाल होगा जब दलित जाति का व्यक्ति उच्च जाति के किसी व्यक्ति से भेदभाव का शिकार होगा। यह समझना होगा कि सिएटल में पहले से धार्मिक या राष्ट्रीयता के आधार पर भेदभाव पर कानूनन रोक है। हमने कानून में केवल जाति का एक और पहलू जोड़ा है।

सिएटल सिटी काउंसिल की सारा नेल्सन का कहना है कि जाति भेदभाव अमेरिका में नहीं है। अमेरिका में इस तरह के कानून की जरूरत नहीं है।

हमें दक्षिणपंथियों से इस तरह के प्रगतिवादी कदम के विरोध की पहले से उम्मीद थी। बिल 6-1 से पास हुआ और विरोध में एक वोट नेल्सन का ही था। वह अमीरों और कारोबारियों की हिमायती रही हैं। कार्नेगी एंडोमेंट ने दो विधियों से स्टडी की है और माना है कि जाति भेदभाव हमारे समाज में है।

क्या अब डेमोक्रेटिक पार्टी इस कानून को दूसरे शहरों में भी लागू करने की नीति अपनाएगी?

हमें पूरी दुनिया के साथ भारत से इसके लिए जोरदार समर्थन मिला है। इसने हजारों दक्षिण एशियाई वर्कर्स का ध्यान आकर्षित किया है। सिएटल से हमें एकजुट होकर आंदोलन करने की सीख लेनी चाहिए। डेमोक्रेटिक पार्टी हमारे साथ नहीं है। हमें इसके लिए अपनी दम पर स्वतंत्र आंदोलन खड़ा करना होगा।

रूस ने ब्लैक सी में अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया

यूएस बोला-रूसी फाइटर जेट्स ने 40 मिनट तक घेरा फिर तबाह किया, रूस का इनकार

कीव, 15 मार्च (एजेंसियां)। रूस फाइटर जेट्स ने मंगलवार को ब्लैक सी (काला सागर) में अमेरिकी ड्रोन एमक्यू-9 रीपर को मार गिराया है। अमेरिका का दावा है कि यह घटना तब हुई जब रूसी जेट और अमेरिकी ड्रोन ब्लैक सी के ऊपर इंटरनेशनल एयरस्पेस में चक्कर लगा रहे थे। अमेरिका ने कहा कि दो रशियन सु-27 फाइटर जेट्स ने अमेरिकी ड्रोन को पहले 40 मिनट तक घेरा फिर ऊपर से फ्यूल गिराया। इससे ड्रोन के प्रोपैलर को नुकसान पहुंचा। इसके बाद ड्रोन को तबाह कर ब्लैक सी में गिरा दिया।

इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। यूएस एयरफोर्स के जनरल जेम्स हैकर ने रूस की हरकत को बेहद गैरजिम्मेदार और भड़काऊ बताया है। उधर, रूस ने अमेरिका के आरोपों से इनकार किया। उसने कहा कि हमारे फाइटर जेट किसी भी अमेरिकी ड्रोन के संपर्क में नहीं आए हैं। साथ ही कहा कि हम अमेरिका के साथ टकराव नहीं चाहते हैं।

ब्लैक सी यूरोप और एशिया के बीच स्थित है। यह उत्तर दिशा में यूक्रेन, उत्तरपश्चिम में रूस, पूर्व में जॉर्जिया, दक्षिण में तुर्किये और पश्चिम में बुल्गारिया और रोमानिया से घिरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ब्लैक सी में पिछले कई महीनों से तनाव बना हुआ है। यहां रूसी और अमेरिकी विमान अक्सर उड़ान भरते रहते हैं, लेकिन यह पहली बार हुआ है जब दोनों विमान आमने-सामने आ गए।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने कहा कि अनआर्म्ड रीपर ड्रोन रूटीन गश्त पर था। यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप से करीब 128 किमी दक्षिण-पश्चिम में दो रूसी सु-27 फाइटर जेट्स करीब 40 मिनट तक अमेरिकी रीपर ड्रोन के आसपास उड़ान भर रहे थे।

इसके बाद ये लड़ाकू विमान इसके ऊपर उड़ान भरने लगे और ड्रोन को नीचे लाने के लिए मजबूर किया। पेंटागन ने कहा कि यूक्रेन जंग के बाद से रूस और अमेरिकी सेनाओं के बीच यह पहला फिजिकल संपर्क हुआ है। अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक गिरे हुए ड्रोन को बरामद नहीं किया गया है। हम उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह गलत हाथों में न लगे।

यूएस एयरफोर्स ने रूस के रवैये को गैरजिम्मेदार और भड़काऊ बताया

यूएस एयरफोर्स के जनरल जेम्स हैकर ने कहा- रूस की एयरफोर्स का रवैया बेहद गैरजिम्मेदाराना और भड़काऊ है। इसे प्रोफेशनल वर्कआउट भी नहीं कहा जा सकता। उनके दोनों एयरक्राफ्ट भी क्रैश हो सकते थे। वो पहले भी इस तरह की हरकतें करते रहे हैं। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

रूस ने अमेरिका के आरोपों को गलत ठहराया है। रूस का कहना है कि अमेरिकी ड्रोन ने करतब दिखाते हुए टर्न लिया, जिससे वह क्रैश हो गया। वह रूसी एयरक्राफ्ट्स से संपर्क में भी नहीं आया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा कि एमक्यू-9 रीपर ड्रोन ने उड़ान के दौरान अपने ट्रांसपोन्डर्स बंद कर रहे थे, ताकि उसे कोई ट्रैक न कर सके।

उधर, अमेरिका ने रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव को तलब किया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय पहुंचकर रुसी राजदूत ने कहा कि अमेरिकी विमानों का रूसी सीमा के पास होने से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस अमेरिका से टकराव नहीं चाहता है।

ड्रोन क्या है?

चालकरहित विमान यानी अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) को ही आसान शब्दों में ड्रोन कहते हैं। पिछले 30 साल से ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। न केवल मिलिट्री सर्विलांस के लिए बल्कि फिल्म बनाने, किसी इलाके की मैपिंग और अब तो सामान की डिलीवरी में भी। जहां तक मिलिट्री सर्विलांस का सवाल है तो इसकी शुरुआत 1990 के दशक में अमेरिका ने ही की थी।

मिलिट्री टेक्नोलॉजी के एडवांसमेंट के साथ ही ड्रोन का इस्तेमाल दुश्मन को मार गिराने में भी होने लगा। 1999 के कोसोवो वॉर में सर्बिया के सैनिकों के गुप्त ठिकानों का पता लगाने के लिए पहली बार सर्विलांस ड्रोन का इस्तेमाल हुआ था। 2001 में अमेरिका 9/11 के हमले के बाद ड्रोन हथियारों से लैस हो गया। उसके बाद तो जैसे यह सबसे एडवांस हथियार के तौर पर विकसित हो ही रहा है।

मिलिट्री ड्रोन से हमले कब शुरू हुए?

2001 में। अमेरिका ने ड्रोन से पहला हमला अक्टूबर 2001 में किया, जब उसने तालिबान के मुल्ला उमर को निशाना बनाया था। मुल्ला के कम्पाउंड के बाहर कार पर ड्रोन से हमले में मुल्ला तो नहीं मरा, पर उसके बॉडीगार्ड्स मारे गए थे। पहले ही मिशन में नाकामी के बाद भी अमेरिका पीछे नहीं हटा। उसने इस टेक्नोलॉजी को और मजबूती दी।

अमेरिका ने 'वॉर ऑन टेरर' के दौरान प्रिडेटर और रीपर ड्रोन अफगानिस्तान के साथ ही पाकिस्तान के उत्तरी कबाइली इलाकों में भी तैनात किए थे। अमेरिका के ही ड्रोन इराक, सोमालिया, यमन, लीबिया और सीरिया में भी तैनात हैं। रीपर ड्रोन ही था, जिससे यूएस ने अलकायदा के ओसामा बिन लादेन की निगरानी की थी। जिसके बाद नेवी सील्स ने 2 मई 2011 को पाकिस्तान के एबटाबाद में लादेन को मार गिराया था। अमेरिका ने आज तक कभी भी ड्रोन हमलों के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

ड्रोन हमलों की निगरानी करने वाले एक ग्रुप जेन्स का दावा है कि 2014-2018 के बीच चार साल में इराक और सीरिया में अमेरिका ने रीपर ड्रोन से कम से कम 2,400 मिशन अंजाम दिए, यानी हर दिन दो हमले किए।

अप्रैल में होने वाली बैठक के लिए भारत ने पाकिस्तान को भेजा न्योता!

रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को बुलाया

इस्लामाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को आमंत्रित किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अप्रैल माह में नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्री स्तर की बैठक होने वाली है। इसके लिए भारत सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान विदेश कार्यालय में औपचारिक निमंत्रण भेजा है। हालांकि, इस संबंध में पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट पर नई दिल्ली से तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई है।

अप्रैल में होगी रक्षा मंत्री स्तर की वार्ता

गौरतलब है कि वर्तमान में भारत वर्तमान में शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में इस साल एससीओ के अध्यक्ष के रूप में भारत में इसकी कई बैठकें होनी हैं। इस क्रम में विदेश मंत्रियों की बैठक मई में गोवा में होगी जबकि रक्षा मंत्रियों की बैठक अप्रैल माह में नई दिल्ली में होगी।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले भारत ने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल को आमंत्रित किया था, साथ ही एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भी पाकिस्तान को एक निमंत्रण भेजा था।

हालांकि पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल की यात्रा के बारे में पाकिस्तान ने आखिर में निर्णय लिया था। वह एससीओ के मुख्य न्यायाधीशों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। उनकी जगह न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर ने वर्चुअल मोड़ से बैठक में भाग लिया। बिलावल भुट्टो जरदारी और रक्षा मंत्री आसिफ के भारत में बैठकों में हिस्सा लेने पर संशय बरकरार। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने इन निमंत्रणों के संदर्भ में कहा है कि उसने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी या रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत में बैठकों में भाग लेंगे या नहीं। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने कहा है कि उचित समय पर फैसला लिया जाएगा।

बिलावल को भी भारत ने किया है आमंत्रित

बिलावल और चीन के विदेश मंत्री किन गैंग शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें भारत ने मई में होने वाली बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। बता दें कि यदि पाकिस्तानी विदेश मंत्री व्यक्तिगत रूप से बैठक में भाग लेते हैं, तो यह 2011 के बाद से इस्लामाबाद की तरफ से भारत की पहली ऐसी यात्रा होगी। 2011 में पाकिस्तानी विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत का दौरा किया था। खार वर्तमान में विदेश मामलों की राज्यमंत्री के रूप में सेवारत हैं।

मई 2014 में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। इसके बाद दिसंबर 2015 में भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिनों बाद पीएम मोदी ने पड़ोसी देश का संक्षिप्त दौरा किया था।

बोरिस जॉनसन से 'पार्टीगेट' घोटाले में होगी पूछताछ

लंदन, 15 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पर पार्टीगेट मामले को लेकर मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। वहीं ब्रिटिश सांसद अगले हफ्ते बोरिस जॉनसन से पूछताछ करेंगे कि क्या उन्होंने पार्टीगेट के बारे में गलत जानकारी दी थी। वहीं इस पूछताछ के बाद जो जांच होगी वह संसद के सदस्य के रूप में उन्हें हटाने का कारण बन सकता है। हालांकि बोरिस जॉनसन ने संसद में बार-बार इस बात से इनकार किया कि उन्होंने या उनके कर्मचारियों ने डाउनिंग स्ट्रीट में भीड़ इकट्ठा करके किसी भी तरह का कोरोना लॉकडाउन कानूनों का उल्लंघन किया है। लेकिन पुलिस ने एक आपराधिक जांच के बाद दर्जनों सहयोगियों पर जुर्माना लगाया और जॉनसन ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री बने, जिन्हें एक सभा में कानून तोड़ते हुए पाया गया। लॉकडाउन उल्लंघनों और अन्य घोटालों के आरोपों में घिरे रहने के बाद बोरिस जॉनसन ने जुलाई 2022 में प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। संसद की विशेषाधिकार समिति ने एक बयान में कहा कि बोरिस जॉनसन ने सार्वजनिक रूप से मौखिक साक्ष्य देने के लिए समिति के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। सुनवाई 22 मार्च को होगी। आठ महीने के काम के बाद इस महीने की शुरुआत में जारी एक अंतरिम रिपोर्ट में, समिति ने कहा कि अब तक हाउस ऑफ कॉमन्स में बोरिस जॉनसन की बेगुनाही की दलीलों को कम करके आंका गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबूत बताते हैं कि जॉनसन ने कोरोना लॉकडाउन का उल्लंघन किया जब वह सभाओं में थे। जब कोरोनावायरस अपने चरम था तो ब्रिटेन में पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया था। इसी लॉडाउन के बीच बोरिस जॉनसन का 56वां बर्थडे मनाया गया था और पार्टी का आयोजन उनकी पत्नी कैरी ने किया था। वहीं कोरोना लॉकडाउन प्रतिबंधों के मुताबिक पार्टी या किसी भी तरह के आयोजन की अनुमति नहीं थी साथ ही किसी कार्यक्रम में दो से ज्यादा एक जगह लोगों के शामिल होने की मंजूरी नहीं थी।

नेपाल में पुष्प कमल दहल की सरकार बचेगी या जाएगी?

20 मार्च को होगा फैसला

काठमांडु, 15 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल की पुष्प कमल दहल सरकार 20 मार्च को विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाल प्रधानमंत्री सचिवालय ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री दहल ने सहयोगी पार्टियों के नेताओं के साथ चर्चा के बाद 20 मार्च को विश्वास मत हासिल करने की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि हाल के दिनों में कई सहयोगी पार्टियों ने पुष्प कमल दहल की सरकार वाले सत्ताधारी गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। जिसके चलते नेपाल सरकार अल्पमत में आ गई है।

बच सकती है प्रचंड की सरकार

बता दें कि नेपाली संविधान के प्रावधान के अनुसार, अगर सरकार से कोई पार्टी समर्थन वापस ले लेती है तो सरकार को 30 दिनों के भीतर विश्वास मत हासिल करना होता है। प्रचंड को सरकार बचाने के लिए 138 वोटों की दरकार है। हालांकि नेपाली कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के समर्थन से सरकार बचाने में सफल हो सकते हैं। नेपाली कांग्रेस के पास 89 वोट हैं, तो वहीं प्रचंड की पार्टी सीपीएन-माओवादी के पास 32 और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के पास 29 वोट हैं। इस तरह प्रचंड की सरकार को 141 वोट मिल सकते हैं और वह सरकार बचाने में सफल हो सकते हैं।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर हुई गठबंधन में टूट

उल्लेखनीय है कि करीब तीन महीने पहले ही पुष्प कमल दहल ने केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल और अन्य सहयोगी पार्टियों के साथ सरकार बनाई थी। हालांकि सभी को चौंकाते हुए दहल ने राष्ट्रपति चुनाव में सहयोगी पार्टी सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवार सुभाषचंद्र नेम्बांग की जगह नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार रामचंद्र पौडेल को समर्थन दे दिया। इससे गठबंधन में टूट हो गई और केपी शर्मा ओली के समर्थन वाली सीपीएन यूएमएल ने सरकार से समर्थन ले लिया। इससे पहले राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी प्रचंड सरकार से समर्थन ले लिया था।

कांग्रेस सरकार में बीजेपी नेताओं को राजनीतिक नियुक्ति मिली

जिला उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष और मेंबर बने; मंत्री बोले- सीएम ऑफिस से तय हुआ

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर सेकेंड के जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष बनाए गए ग्यारसी लाल मीणा(बाएं) भाजपा के एसटी मोर्चा में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं।

राजस्थान की कांग्रेस सरकार में बीजेपी से जुड़े नेताओं को नियुक्तियों में जगह मिलने से विवाद हो गया है। जिला उपभोक्ता जयपुर सेकेंड के अध्यक्ष और बांसवाड़ा में मेंबर पदों पर की गई इन नियुक्तियों पर कांग्रेस नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया है। दरअसल, वकील कोटे से ये नियुक्तियां की गई हैं। कांग्रेस बैकग्राउंड के वकीलों ने विरोध जताते हुए कांग्रेस हाईकमान तक शिकायत की है।

13 मार्च को राज्य सरकार ने जिला उपभोक्ता आयोगों में 12 अध्यक्ष और आठ मेंबर बनाए थे। जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर सेकेंड में ग्यारसीलाल मीणा को अध्यक्ष नियुक्त किया है। ग्यारसीलाल मीणा बीजेपी एसटी मोर्चे की प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य और बीजेपी लीगल सेल के मेंबर हैं। इसी तरह बांसवाड़ा आयोग में मेंबर बनाए गए कमलेश शर्मा बीजेपी की मेडिकल विंग से जुड़े हैं।

दोनों नियुक्तियों पर कांग्रेस नेताओं ने भारी विरोध जताया है। सोशल मीडिया पर कांग्रेस लीगल सेल से जुड़े वकीलों ने कड़ा विरोध जताते हुए तल्ख कमेंट्स किए हैं। जयपुर सेकेंड जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष बनाए गए ग्यारसीलाल मीणा की बीजेपी के कार्यक्रमों की फोटो शेयर किए जा रहे हैं।

जन आक्रोश यात्रा के जिला प्रभारी नेता अब उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष

जिला उभोक्ता आयोग अध्यक्ष बनाए गए ग्यारसीलाल मीणा को बीजेपी एसटी मोर्चे ने गहलोत सरकार के खिलाफ जनाक्रोश यात्रा के जिला प्रभारी की जिम्मेदारी दी थी। बीजेपी एसटी मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा

के साइन लेटर में इसका जिक्र है। कांग्रेस नेता इस लेटर को शेयर करते हुए सवाल उठा रहे हैं।

कांग्रेस हाईकमान को की गई शिकायत में भी इसका जिक्र करते हुए यह लेटर साथ लगाया है। कांग्रेस से जुड़े वकीलों ने इसे लेकर सीएम को ज्ञापन भेजे हैं, अलग अलग तरीके से विरोध जता रहे हैं।

खाद्य मंत्री खाचरियावास बोले- मैं नहीं जानता ग्यारसीलाल और कमलेश कौन हैं

उपभोक्ता आयोग में नियुक्तियों को लेकर खाद्य और उपभोक्ता मामले के मंत्री तक भी फाइल जाती है। इस मुद्दे पर खाद्य और उपभोक्ता मामलात मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास भी नाराज बताए जा रहे हैं। प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- मैं नहीं जानता ग्यारसीलाल मीणा और कमलेश कौन हैं? उपभोक्ता आयोगों में ये जो नियुक्तियां हुई हैं। उनके बारे में मुख्यमंत्री कार्यालय से ही पूछिए, वहीं से सब तय हुआ है।

कांग्रेस लीगल सेल नियुक्ति रद्द करने की मांग की

बीजेपी नेताओं को जिला उपभोक्ता आयोग में नियुक्ति देने पर कांग्रेस नेता ओर कांग्रेस विधि और मानवाधिकार प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष सुशील शर्मा ने सवाल उठाए हैं। सुशील शर्मा ने कहा कि इन आदेशों पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए और नियुक्ति रद्द की जानी चाहिए।

पहले भी हो चुके विवाद

कांग्रेस राज में यह पहला मौका नहीं है, जब राजनीतिक नियुक्तियों पर विवाद हुआ हो। इससे पहले भी कई राजनीतिक नियुक्तियों में विवाद हो चुका है। पार्षदों के मनोनयन से लेकर जिला स्तर की समितियों में भी बीजेपी नेताओं को जगह देने पर विवाद हो चुका है। अब ताजा विवाद उपभोक्ता आयोग की नियुक्तियों कर जुड़ गया है।

जिला उपभोक्ता आयोगों में 12 अध्यक्षों की नियुक्ति

जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर वन में सुबे सिंह, जयपुर सेकेंड में ग्यारसीलाल मीणा, जयपुर थर्ड में देवेंद्र मोहन माथुर को अध्यक्ष बनाया है। जिला आयोग सिरोही में अभिमन्यु सिंह राठौड़, कोटा अनुराग गौतम, झुंझुनू में मनोज कुमार मील, अलवर में कैलाश अग्रवाल, नागौर में नरसिंहदास व्यास, बांसवाड़ा में अशोक शर्मा, हनुमानगढ़ में शिवशंकर, प्रतागढ़ में प्रकाश कुमार और सवाईमाधोपुर में कीर्ति जैन को अध्यक्ष नियुक्त किया है।

आठ मेंबर बनाए

जिला उपभोक्ता आयोग बांसवाड़ा में कमलेश शर्मा, हनुमानगढ़ में कमल कुमार, जयपुर वन में हेमलता अग्रवाल, सवाईमाधोपुर में अर्पणा पाराशर, झालावाड़ में वीरेंद्र सिंह रावत, बाड़मेर में सरीता पारीक, करौली में सुरेंद्र चतुर्वेदी और प्रतापगढ़ में अनिल कुमार जैन को मेंबर नियुक्त किया है।

एबीवीपी ने गांधीनगर थाने का किया घेराव

राष्ट्रीय मंत्री मीणा बोले- कार्यकर्ताओं को बेवजह किया गिरफ्तार, 21 को करेंगे उग्र आंदोलन

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ बुधवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने गांधीनगर पुलिस स्टेशन का घेराव किया। एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री होशियार मीणा ने कहा कि सरकार युवाओं के साथ तानाशाही कर रही है। हमने लोकतांत्रिक तरीके से मुख्यमंत्री का विरोध किया था। लेकिन छात्रों पर राज्य कार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर उनका भविष्य खराब किया जा रहा है। जिससे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने वीरांगनाओं पर हो रहे अत्याचार पेपर लीक और राजस्थान में बढ़ते अपराध के खिलाफ मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाए थे। लेकिन राजस्थान सरकार इन सभी मुद्दों पर कोई एक्शन लेने की बजाय। युवाओं को ही जेल में डाल रही है। जो पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। ऐसे में अगर युवाओं को जल्द से जल्द जेल से नहीं छोड़ा गया। तो हम 21 मार्च को उग्र आंदोलन करेंगे। जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

दरअसल, राजस्थान यूनिवर्सिटी के बाहर मंगलवार दोपहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्र अचानक सीएम गहलोत के काफिले के सामने आ गए। छात्रों के हाथों में काले झंडे थे और वे नारेबाजी करने लगे। वहां हंगामा होता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारी छात्रों को खदेड़ा। पुलिस ने एबीवीपी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष भारत भूषण यादव, सचिव रोहित मीणा, देव पलसानिया, गुलजार मीणा समेत पांच कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि एबीवीपी राजस्थान इकाई के कार्यकर्ताओं ने वीरांगनाओं के सम्मान के मुद्दे को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया था।

सुखजिंदर रंधावा के खिलाफ बीजेपी ने किया प्रदर्शन

पीसीसी मुख्यालय पर पुलिस-बीजेपी कार्यकर्ता में हुई धक्का-मुक्की

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के पुलवामा वाले बयान पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की और से सुखजिंदर सिंह रंधावा के खिलाफ पीसीसी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान जैसे ही नाराज कार्यकर्त्ता पीसीसी की और बढ़ने लगे। पुलिस ने बैरीकेटिंग लगा उन्हें रोक दिया। जिससे नाराज बीजेपी कार्यकर्त्ता पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

बीजेपी जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा एक ओर जहां देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद दे रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री और सेना को लेकर बेतुके बयान दे रहे है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश नहीं किया जाएगा। कांग्रेस ने 70 साल देश को धकेलने का काम किया है। जिनकी सरकार के वक्त भ्रष्टाचार और आतंकवाद को बढ़ावा दिया। ऐसे में कांग्रेस के किसी भी नेता को प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलने का कोई अधिकार नहीं है। बीजेपी जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन शर्मा ने कहा कि ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस देश की आजादी के लिए उन शहीदों ने सियासत नहीं की। उन्होंने अपना बलिदान देकर आजादी दिलवाई थी। इस देश के लोकतंत्र की रक्षा कोई करता है। तो देश की सीमा के अंदर और सीमा के बाहर काम करने वाले वे तमाम सैनिक काम करते हैं।

दरअसल, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को जयपुर के सिविल लाइन फाटक पर कहा है कि पीएम मोदी कहते हैं कि पाकिस्तान को घुसकर मारेंगे। पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि पुलवामा कैसे हुआ। इसकी जांच करवाओ। कहीं चुनाव लड़ने के लिए तो ऐसा नहीं करवा दिया। आज तक इसका कुछ पता नहीं चला है।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या में हिस्ट्रीशीटर की गर्लफ्रेंड शामिल

उदयपुर का बदमाश जेल से देता था निर्देश, हत्या के बाद आरोपियों को घर में रखा

उदयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। बजरंग दल के विभाग सह संयोजक राजेंद्र परमार उर्फ राजू तेली की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। साजिश रचने में मुख्य आरोपी प्रीतम उर्फ बंटी की प्रेमिका गायत्री कुंवर भी शामिल थी। गायत्री वॉट्सऐप कॉल के जरिए जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ से लगातार संपर्क में थी। दिलीप से मिले हर डायरेक्शन को गायत्री ही बंटी और अन्य शूटर तक पहुंचा रही थी। वारदात के बाद से गायत्री फरार थी। मंगलवार को उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इससे पहले उसने जमानत की अर्जी भी लगाई, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। थानाधिकारी रविन्द्र चारण ने बताया कि सब इंस्पेक्टर प्रशिक्षु रेणु खोईवाल, एएसआई नारायण सिंह, कॉन्स्टेबल आलोक कुमार की टीम ने उदयपुर के

लावासरदारगढ़ हाल गुप्तेश्वर नगर सवीना निवासी गायत्री कुंवर पत्नी योगेन्द्र सिंह को मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया। गायत्री ने जयपुर निवासी शूटर विजय मीणा उर्फ सिकरा को राजू तेली की हत्या से पहले 20 से 25 दिन अपने घर में पनाह दी थी।

घर में छिपाए रखे हथियार

गायत्री ने परमार की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों को वारदात से पहले अपने घर में छिपाए रखा। जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ ने मध्य प्रदेश निवासी तूफान सिंह उर्फ ज्ञानी से 1.80 लाख रुपए में तीन पिस्टल व 54 कारतूस उपलब्ध करवाए थे। जो हत्या के लिए बंटी, जितेंद्र उर्फ अन्ना, विजय मीणा व फरार चल रहे हवाला निवासी भरत सिंह को यह उपलब्ध कराए थे।

दिलीप ने दिया मकान व 30 लाख रु. का लालच

गायत्री ने पुलिस को बताया कि उसे प्रीतम ने ही दिलीपनाथ के नंबर दिए थे। उसे वॉटसऐप के जरिए लगातार उससे संपर्क में रहने और दिलीप से मिले डायरेक्शन को उन्हें बताने को कहा था। इस आधार पर राजू की हत्या की योजना तैयार की गई। गायत्री ने यह भी बताया कि दिलीप नाथ ने बंटी और उसे आश्वस्त किया था कि वारदात के बाद उन्हें मकान बनाकर देगा। इसके अलावा 30 लाख नकद और बिजनेस सेटल करने का लालच भी दिया।

2015 से बंटी के साथ लिव इन में रह रही

गायत्री की शादी साल 2011 में गोवर्धन विलास निवासी योगेन्द्र सिंह के साथ हुई थी। चार साल तक वह पति के साथ रही। इसी बीच वह हिस्ट्रीशीटर बंटी के संपर्क में आ गई। 2015 में पति को छोड़कर बंटी के साथ साथ लिव इन में रहने लगी। वर्ष 2015 में प्रीतम को अवैध पिस्टल रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया तो वह मकान खाली कर गुप्तेश्वर नगर तीतरड़ी में मकान लेकर रहने लगी। बाद में प्रीतम भी यहां आकर रहने लगा।

यह था पूरा मामला

6 फरवरी 2023 को रामपुरा इलाके में राजेंद्र परमार की उसी की शॉप के बाहर दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसी रात को गोवर्धनविलास थाने हिस्ट्रीशीटर प्रीतम उर्फ़ बंटी ने फेसबुक पर पोस्ट डालकर इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

इसके बाद पुलिस विजय उर्फ सिकरा, प्रीतम सिंह उर्फ बन्टी, भंवरलाल सुहलका, जितेन्द्र उर्फ अन्ना, तूफानसिंह, सरदार उर्फ ज्ञानी, यशपाल सालवी, प्रियंक जीनगर व राकेश गायरी को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में शहर के एक और हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ का नाम सामने आया है। पुलिस ने इस मामले को लेकर जेल से कुछ मोबाइल फोन भी जब्त किए थे।

मुख्यमंत्री सलाहकार की बीकानेर में सक्रियता

चुनावी साल में महीने में तीसरी बार बीकानेर आए लोकेश शर्मा, बोले मुझे भाने लगा है ये शहर

बीकानेर, 15 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा महज कुछ दिनों के अंतराल में तीसरी बार बीकानेर आए हैं। यहां वो स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं, कुछ समर्थकों के साथ स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा भी ले रहे हैं। शर्मा की इस सक्रियता के चलते अब बीकानेर पूर्व से उन्हें भी विधानसभा चुनाव में टिकट का दावेदार माना जा रहा है। सवाल ये उठ रहा है कि वो स्वयं के लिए राजनीतिक जमीन देख रहे हैं या फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के लिए। वो स्वयं चुनावी राजनीति से दूर पार्टी के लिए सक्रिय काम करने की बात कह रहे हैं।

बीकानेर सर्किट हाउस में पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि ये संयोग ही है कि बीकानेर आने का कार्यक्रम बार बार बन रहा हैं। शर्मा ने कहा कि यहां के लोग इतने सरल है कि उनके प्रति मेरा स्नेह बढ़ता जा रहा हैं। मुझे भाने लगा है बीकानेर। जब उनसे पूछा गया कि बीकानेर आपको स्वयं के लिए भाने लगा है या फिर मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत के लिए भा रहा है। तो उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात कर रहा हूं। शर्मा से जब पूछा गया कि वो बीकानेर पूर्व से विधानसभा चुनाव के दावेदार हैं तो उन्होंने कहा कि चुनाव में कौन आगे बढ़ेगा ये अभी तय नहीं है लेकिन मैं अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा हूं।

लोकेश शर्मा यहां युवाओं के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए हैं। उनका दावा है कि इसमें वो कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे। उनसे पार्टी के लिए डिजिटली काम करने के साथ ही जमीनी स्तर पर काम करने की अपील करेंगे। शर्मा ने माना कि आने महीने चुनावी माहौल के हैं, ऐसे में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को अभी से चुनावी मोड में आना पड़ेगा।

सर्किट हाउस में चहल-पहल बढ़ी

शर्मा के आने पर बीकानेर के सर्किट हाउस में चहल-पहल बढ़ जाती है। उनका स्वागत करने कांग्रेस नेता रवि पुरोहित, सेवादल अध्यक्ष अनिल व्यास, गुलाम मुस्तफा, महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के संयोजक मनोज व्यास, पार्षद मनोज किराडू, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनीता गौड़, ब्लॉक अध्यक्ष उमा सुथार, आनन्द जोशी, राहुल जादूसंगत, ऋषि व्यास, तौलाराम सियाग आदि कार्यकर्ता भी स्वागत करने पहुंचे।

राजस्थान में हिंसा फैलाने का मिला था टारगेट

लोगों के बीच नफरत फैलाने, हथियार-पैसा पहुंचाने की थी प्लानिंग; 2 मेंबर को ट्रेनिंग

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। एनआईए ने राजस्थान में पीएफआई की हिंसक गतिविधियों से जुड़े दो युवकों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी है। दोनों को देश-प्रदेश में अलग-अलग समुदाय के लोगों के बीच नफरत फैलाने का टारगेट दिया गया था। हथियार और विस्फोटक की ट्रेनिंग भी देनी थी।

इनका उद्देश्य 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करना था। इन्हें हिंसा और आतंक के लिए रुपए जुटाने का काम भी दिया गया था। दरअसल, सितंबर 2022 में आपराधिक साजिश की जांच करते हुए ये चार्जशीट दर्ज की है।

एनआईए ने बताया- कोटा के मोहम्मद आसिफ और बारां के सादिक सर्राफ पर मामला दर्ज कर जांच की गई थी।

जांच में सामने आया था कि ये

लोग हिंसक घटना को अंजाम देने के लिए पीएफआई के लिए प्रभावशाली मुस्लिम युवाओं की भर्ती किया करते थे। जांच में सामने आया कि ये हथियारों और विस्फोटकों को चलाने के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करते थे।

लोगों को हथियार उठाने के लिए उकसाते थे

ये लोग पीएफआई के मेंबरों को हथियार उठाने के लिए उकसाने और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने में भी शामिल पाए गए। भारत में विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते थे।

देश में इस्लामिक शासन स्थापित करने के लिए युवाओं को हिंसक तरीकों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया करते थे। इन लोगों ने मुस्लिम युवाओं को यह विश्वास दिलाने के लिए कट्टरपंथी बनाया कि भारत में इस्लाम खतरे में है।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया या पीएफए

बता दें कि 2006 में केरल में बना मुस्लिम संगठन पीएफए, 1993 में बने नेशनल डेवलपमेंट फ्रंट यानी एनडीएफ का ही मॉर्डन वर्जन है। एनडीएफ के 19 प्रमुख नेताओं में से एक प्रोफेसर पी कोया ने ही एसआईएमआी का गठन किया था।

पीएफआई पर दक्षिण भारत में आरएसएस के कम से कम 30 बड़े नेताओं की हत्या के आरोप हैं। इसके अंडर काम कर रहे कई संगठनों पर भी गैरकानूनी गतिविधियों शामिल होने का आरोप हैं।

वीरांगना बोली- हमें धमकाया, धरने पर बैठे तो डंडे मारेंगे

कहा- गुर्जर आंदोलन में तो सरकार ने देवर, जेठ, काका...सबको नौकरी दी थी

कोटा, 15 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में धरने पर बैठी वीरांगना मधुबाला मीणा अब कोटा में अपने गांव सांगोद में हैं। तीन दिन से घर के बाहर पुलिस के जवान तैनात हैं। वीरांगना का कहना है कि घर में खाने-पीने का सामान खत्म होने लगा है। पड़ोसियों से लेकर काम चलाना पड़ रहा है। सामान लेने या मंदिर जाते हैं। तब भी पुलिस के जवान पीछे-पीछे चलते हैं। अब घर से बाहर निकलने में भी शर्म आती है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। दरअसल, वीरांगना मधुबाला मीणा अपने शहीद पति की सांगोद में एक और मूर्ति लगाने की मांग को लेकर जयपुर में धरने पर बैठी थी। पुलिस ने उन्हें धरने से हटाकर घर छोड़ दिया था। अब वीरांगना का आरोप है कि मुख्यमंत्री उनसे डर गए हैं, इसलिए पुलिस के जवान बैठा रखे हैं। वीरांगना मधुबाला ने राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा- गुर्जर आंदोलन पीड़ित परिवारों को नौकरी दी जा सकती है तो दो वीरांगनाओं की मांगें क्यों नहीं मानी जा रही?

वीरांगना का कहना है कि घर के बाहर पुलिस फोर्स लगी है। 4-5 पुलिसवाले सामने बैठे रहते हैं। कुल तीन जगह पर वर्दी व सिविल ड्रेस में पुलिस का पहरा है। दिमाग खराब हो रखा है। घर में नमक भी नहीं है। पड़ोसियों से लेना पड़ रहा है। हम वीरांगनाएं आतंकवादी हैं क्या? ये लोग हमारे पति की रक्षा नहीं कर पाए। अब हमारी रक्षा कर रहे हैं। जब हमारे पति शहीद हुए थे, तब तो पुलिस नहीं लगाई। अब हमारे घर में पुलिस लगा रखी है।

जयपुर की घटना को याद करते हुए वीरांगना मधुबाला ने बताया- उस दिन रात को हम सो रहे थे। अचानक बहुत सारी पुलिस वहां आई। गाड़ियां चुपचाप आई थीं। उन्होंने आते ही जबरदस्ती बैठाना शुरू कर दिया। मैं नींद में थी। सुबह 8 बजे करीब सांगोद लाकर छोड़ दिया।

कार और ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़त, दो की मौत

हादसे में 9 साल की मासूम की गई जान, मौलासर थाना इलाके में हुआ हादसा

डीडवाना, 15 मार्च (एजेंसियां)। डीडवाना के पास गांव फोगड़ी मे मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में एक बच्ची और एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार चिकित्सको द्वारा किया जा रहा था। जबकि मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए गए।

दुर्घटना में चोलु खा निवासी खान मोहम्मद पुत्र हासम खा(45),छोटी बेरी निवासी किस्मत बानो पुत्री हसन खा (9),छोटी बेरी निवासी यास्मीन बानो पत्नी हसन खान (26),रुमाइशा पुत्री हसन खान(2),रिमसा पुत्री हसन खान(7),हसन खान पुत्र पन्ने खा(30)घायल हो गए।

कार में सवार लोग चोलु खा से छोटी बेरी की तरफ जा रहे थे। इस दौरान ग्राम फोगड़ी के पास ट्रेक्टर ट्रॉली ओर कार की टक्कर हो गई। अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सको ने चोलु खा निवासी खान मोहम्मद पुत्र हासम खा(45)छोटी बेरी किस्मत बानो पुत्री हसन खा (9) को मृत घोषित कर दिया।

जयशंकर भूपालपल्ली में ईसीआईएल की सीएसआर पहल

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईसीआईएल ने 15.03.2023 को जयशंकर भूपालपल्ली जिला, तेलंगाना में विधायक गांद्रा वेंकटरमण रेड्डी, जिला कलेक्टर, भावेश मिश्रा और अन्य जिला अधिकारी की उपस्थिति में सिंगरेनी फंक्शन हॉल में वित्त वर्ष 2022-23 के सीएसआर के तहत विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरणों के वितरण शिविर का आयोजन किया और 14 पीएचसी को चिकित्सा उपकरण सौंपे। ईसीआईएल टीम ने सूचित किया है कि एलिम्को (सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) को जिले में रहने वाले उन जरूरतमंद लोगों के लिए सहायक उपकरणों की पहचान और निर्माण का काम सौंपा गया था जो मुख्य रूप से समाज के निचले आर्थिक तबके से संबंधित हैं। निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान की गई। 6 से 8 सितंबर 2022 को एलिम्को के चिकित्सा विशेषज्ञों के माध्यम से जिले के 3 स्थानों महादेवपुर, चीतल और भूपालपल्ली में मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए। लगभग 328 लाभार्थियों को कृत्रिम अंग, प्रोस्थेसिस और ऑर्थोसिस, ट्राइसाइकिल जैसे सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए पहचाना गया। व्हील चेयर, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, बैसाखी, बीटीई हियरिंग एड, ब्रेल किट, एमएसआईईडी किट, स्मार्ट केन, वॉकिंग स्टिक, कुष्ठ रोग के इलाज के लिए एडीएल किट, सीपी चेयर, लुंबो सेक्रल बेल्ट आदि। इस अवसर पर, सभी लाभार्थियों को वितरण के लिए बुलाया जाता है। संबंधित सहायक उपकरण एकत्र करने के लिए शिविर। यह भी सूचित किया जाता है कि एलिम्को वारंटी अवधि के दौरान उपकरणों/उपकरणों की नि:शुल्क मरम्मत करेगा। तदनुसार निर्बाध समन्वय के लिए प्रत्येक लाभार्थी को वारंटी और टोल फ्री नंबर के साथ उपकरण का विवरण जारी किया जाएगा। इसके अलावा, ईसीआईएल ने रुपये मूल्य के चिकित्सा उपकरण सौंपे हैं। जिले के 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और सामान्य प्रसव कराने के लिए 23.91 लाख रुपये के भ्रूण डॉप्लर (14 संख्या), नेब्युलाइज़र (14 संख्या), आटोक्लेव (14 संख्या), ड्रेसिंग ड्रम (14 संख्या), लेबर टेबल (13 संख्या) चिकित्सा तकिए (13 संख्या), रबर जैसे उपकरण चादरें (26 मीटर), फुटस्टेप्स (13 संख्या), वयस्कों और बाल चिकित्सा के लिए इंट्यूबेशन किट (14+14 संख्या), गद्दे के साथ फाउलर बिस्तर (56 संख्या), ड्रेसिंग ट्रॉली (14 संख्या) और बच्चे के वजन के तराजू (13) सौंपे गए। विधायक गांद्रा वेंकटरमण रेड्डी और जिला कलेक्टर, भावेश मिश्रा ने ईसीआईएल के प्रयासों की सराहना की और जयशंकर भूपालपल्ली जिले में इस गतिविधि को शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को विकसित करके समुदायों में जीवन स्तर में सुधार के लिए जिले के लिए इस तरह की और पहल की आवश्यकता है। ईसीआईएल के प्रतिनिधि डॉ. पी वेणु बाबू (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), भवानी शंकर वी (डीजीएम-एचआर) और शकेरुद्दीन एमके (संयुक्त सचिव, ईसीआईएल स्टाफ एंड वर्कर्स यूनियन) ने भाग लिया और इस आयोजन को सफल बनाया।

खुद को आंध्र प्रदेश का सीएम बताने वाला गिरफ्तार

इलेक्ट्रॉनिक रिटेल चेन को ठगने के लिए बुना ताना-बाना

विजयवाड़ा, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुंबई पुलिस की साइबर सेल इकाई ने एक 28 वर्षीय व्यक्ति को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में खुद को पेश करके 12 लाख रुपये के शहर में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी की पहचान नागराजू बुदुमुरु के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बुदुमुरु ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी का नाम लेकर करीब 60 कंपनियों से करीब 3 करोड़ रुपये की ठगी की है। घटना का विवरण देते हुए, मुंबई पुलिस ने कहा, आरोपी ने खुद को आंध्र प्रदेश के सीएम के निजी सहायक के रूप में पेश करते हुए एक इलेक्ट्रॉनिक्स विक्रेता को बुलाया। आरोपी ने कहा कि उसे इलेक्ट्रॉनिक्स विक्रेता के प्रबंध निदेशक का नंबर चाहिए क्योंकि मुख्यमंत्री एमडी से बात करना चाहते हैं। अधिकारी ने कहा कि प्रबंध निदेशक का नंबर मिलने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर आंध्र के मुख्यमंत्री होने का दावा करते हुए एमडी से संपर्क किया और एक क्रिकेटर की किट के प्रायोजन के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन से 12 लाख रुपये मांगे। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने आंध्र क्रिकेट संघ के नाम से फर्जी दस्तावेज और एक ईमेल आईडी भी भेजा, जिसमें दावा किया गया कि यह क्रिकेटर का है और राशि जारी कर दी।

'लैंगिक समानता और डिजिटल स्पेस में महिलाओं की सुरक्षा' विषय पर हुई गोष्ठी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आज हर कोई सोशल मीडिया पर सक्रिय है क्योंकि यह हर जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साइबर सुरक्षा प्रणाली में खामियां हैं जिसके परिणामस्वरूप विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सैयदा समीन फातिमा, संस्थापक रजिस्ट्रार, अनुराग विश्वविद्यालय ने ये विचार मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) में महिला शिक्षा विभाग (डीडब्लूई) द्वारा आयोजित संगोष्ठी "लिंग समानता और डिजिटल स्पेस में महिलाओं की सुरक्षा" के दौरान व्यक्त किए। वह कुलपति, मानू प्रो. सैयद ऐनुल हसन की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। लैंगिक समानता के बारे में बात करते हुए प्रो. समीन फातिमा ने कहा कि इसमें न्याय, समान वेतन और सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर अपराध परिवार के करीबी सदस्यों द्वारा किए जाते हैं। प्रो ऐनुल हसन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि साइबर में चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं। हमें इसे सुरक्षित तरीके से उपयोग करने में सावधानी बरतने की जरूरत है। साइबर सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक करने और खुद को बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य फोरेंसिक विश्लेषक, एसवीपी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी मोहम्मद आरिफ अली खान ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा उपायों को कैसे लागू किया जाए। उन्होंने सलाह दी कि ऑनलाइन पहुंच सुरक्षित होनी चाहिए। माय चॉइस फाउंडेशन की कार्यक्रम प्रमुख डॉ. फरजाना खान ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल दुनिया में महिलाओं की कमी है और डिजिटल क्रांति में उन्हें हाशिए पर धकेला जा रहा है। अब महिलाएं साइबर क्राइम का शिकार हो रही हैं। प्रो. गुलफिशन हबीब, अध्यक्ष, आंतरिक शिकायत समिति ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. अमीना तहसीन, कार्यक्रम समन्वयक और प्रमुख, डीडब्ल्यूई ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. शबाना केसर, सहायक प्रोफेसर, डीडब्ल्यूई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कल शाम एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम-ए-मौसीकी (महिलाओं के लिए एक संगीतमय श्रद्धांजलि) भी आयोजित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभाग ने "मदर इंडिया" फिल्म की स्क्रीनिंग सहित गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की, जिसके बाद "लिंग और सिनेमा" विषय पर चर्चा हुई।

फार्म हाउस अब साइबराबाद पुलिस के रडार पर

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। असामाजिक गतिविधियों के लिए फार्म हाउसों का उपयोग करने वाले बेईमान तत्वों के मामलों में वृद्धि के साथ, साइबराबाद पुलिस ने सप्ताहांत के दौरान शहर के बाहरी इलाकों में ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच के प्रयास तेज कर दिए हैं। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम स्थानीय पुलिस के साथ फार्म हाउसों पर औचक निरीक्षण कर रही है और अवैध गतिविधियों में शामिल पाए गए लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर रही है। कुछ व्यक्तियों द्वारा जुआ, वेश्यावृत्ति, अवैध शराब पार्टियों, ड्रग्स और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को आयोजित करने के लिए फार्म हाउस का उपयोग करते पाए जाने के बाद विशेष जांच करने का निर्णय लिया गया। एक आधिकारिक साइबराबाद एसओटी ने कहा कि स्थानीय पुलिस और साइबराबाद एसओटी की संयुक्त टीमों द्वारा फार्म हाउसों में औचक निरीक्षण किया गया, जो सीधे साइबराबाद पुलिस आयुक्त की देखरेख में काम करता है। विशिष्ट जानकारी के आधार पर, हम छापे मारते हैं और विभिन्न अपराधों में शामिल व्यक्तियों को पकड़ते हैं। इनके खिलाफ स्थानीय थानों में मामले दर्ज हैं। इरादा अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फार्म हाउसों को आवास के रूप में इस्तेमाल करने से रोकना है। अधिकांश फार्म हाउस मोइनाबाद में स्थित हैं, इसके बाद शमशाबाद, राजेंद्रनगर, बालानगर, मेडचल, शमीरपेट और कुछ अन्य क्षेत्र है। टीमें जानकारी इकट्ठा करती हैं और जांच करती हैं। हमने शराब के सेवन या अवैध गेमिंग गतिविधियों सहित गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने अब तक फार्म हाउस में अवैध गतिविधियां करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ करीब एक दर्जन मामले दर्ज किए हैं। जहां भी फार्म हाउस के मालिक या स्टाफ की मिलीभगत है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। पिछले महीने पुलिस ने शादनगर के कोथूर में एक फार्म हाउस में कथित तौर पर देह व्यापार कराने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। कानून तोड़ने वाले अवैध गतिविधियों को चलाने के लिए फार्म हाउसों की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि ये निजी परिसर हैं, शहर से दूर हैं और गोपनीयता प्रदान करते हैं।

महिला आरक्षण बिल तुरंत लाया जाए: कविता

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिला आरक्षण विधेयक को संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में मदद करने वाला बताते हुए भारतीय राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) की नेता के कविता ने बुधवार को कहा कि विधेयक को तुरंत लाया जाना चाहिए। के कविता ने कहा, जो भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलता है उसे बुलाया जाता है और पूछताछ की जाती है। यह गलत है, सभी को सवाल करने का अधिकार है। उन्होंने (भाजपा) पहले व्यापारिक घरानों पर छापा मारा और उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश की, फिर उन्होंने राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने की कोशिश की। "हम लड़ेंगे। हमने कुछ गलत नहीं किया है। जब भी हमें उनके द्वारा (ईडी) बुलाया जाएगा हम जाएंगे और जवाब देंगे। महिला आरक्षण विधेयक के बारे में बात करते हुए बीआरएस एमएलसी ने कहा कि इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। महिला आरक्षण बिल तुरंत लाया जाना चाहिए।

इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए हम गोलमेज बैठक आयोजित कर रहे हैं। इस बिल का समर्थन करने वालों को आज बुलाया जाता है। हम इस बिल को लाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने कांग्रेस से भी भाग लेने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि के कविता बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर एक गोलमेज वार्ता की अध्यक्षता करेंगी। बयान के अनुसार, बैठक में महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों, नागरिक समाजों, महिला संगठनों और अन्य राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी।

बीआरएस एमएलसी ने शुक्रवार को संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल भी शुरू की। इससे पहले आज सुप्रीम कोर्ट दिल्ली आबकारी पुलिस मामले में ईडी के समन के खिलाफ के कविता की याचिका को 24 मार्च को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में उन्हें कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। ईडी ने इस मामले में कविता से 11 मार्च को पूछताछ की थी। मामले में ईडी ने उन्हें फिर से 16 मार्च को तलब किया है।

तेलंगाना के नए सचिवालय भवन की भव्यता का होगा अनुभव

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ बीआर अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय का लंबे समय से प्रतीक्षित उद्घाटन समारोह 30 अप्रैल को सुबह 6:08 बजे विशेष पूजा के साथ होगा।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे और उसी दिन दोपहर 1:20 बजे, अन्य मंत्रियों और उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ अपने कक्ष में अपना आसन ग्रहण करेंगे। सभी मंत्रियों और अधिकारियों को 20 अप्रैल को सचिवालय में उनके कक्ष आवंटित किए जाएंगे, जिससे वे 30 अप्रैल से अपना कार्य प्रभावी ढंग से शुरू कर सकेंगे। मूल रूप से 17 फरवरी के लिए निर्धारित, सोमवार को आयोजित हैदराबाद-रंगारेड्डी-महबूबनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों के बाद हैदराबाद में लागू आदर्श आचार संहिता के कारण सचिवालय भवन का उद्घाटन 30 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इस बीच, अधिकारियों ने राज्य सचिवालय परिसर का एक 3-डी विज़ुअलाइज़ेशन वीडियो जारी किया है, जो इसकी भव्यता और आधुनिक सुविधाओं को प्रदर्शित करता है।

चेन्नई स्थित आर्किटेक्ट्स पोन्नी कॉन्सेसाओ और ऑस्कर कॉन्सेसाओ द्वारा डिजाइन किए गए नए सचिवालय में एक अनूठी वास्तुकला है जो इंडो-सरसेनिक शैली के विशिष्ट गुंबदों के साथ इंडो-इस्लामिक वास्तुशिल्प सुविधाओं को मिश्रित करती है। इमारत के कई गुंबद और मेहराब इस वास्तुकला में पूरी तरह से फिट होने वाली समकालिक और उदार दक्कनी शैली का प्रतिनिधित्व करते हैं। समग्र मास्टर प्लान को सचिवालय भवन, आगंतुकों के लिए सहायक भवनों, पुलिस कर्मियों, अग्निशमन विभाग, क्रेच, उपयोगिता भवन, मंदिर, मस्जिद और चर्च के लिए ज़ोन किया गया है।

लैंडस्केपिंग के लिए पर्याप्त जगह की योजना बनाई गई है, जिसमें पत्थर के फुटपाथ और लॉन, देशी पेड़, फव्वारे, और वीवीआईपी, कर्मचारियों और अन्य लोगों के लिए पार्किंग की जगह वाले सोफ्टस्केप शामिल हैं। सचिवालय सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें सम्मेलन कक्ष, आगंतुकों के लाउंज, भोजन कक्ष और बहुत कुछ शामिल हैं।

महिला आयोग ने बंडी को 18 को पेश होने की अनुमति दी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने घोषणा की है कि वह 18 मार्च को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय के खिलाफ उनकी इच्छा के अनुसार जांच की अनुमति देगा। यह अपरिहार्य है कि तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने बीआरएस एमएलसी द्वारा कविता पर की गई अनुचित टिप्पणियों के लिए नोटिस जारी किया है। इस हद तक, महिला आयोग ने बंडी संजय को 15 मार्च को आयोग के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से सुनवाई में भाग लेने का आदेश दिया, लेकिन एक पत्र में अनुरोध किया कि वह संसद की बैठकों के कारण 15 मार्च को आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हो पाएंगे। ने 18 मार्च को आयोग के अध्यक्ष द्वारा बताए गए समय पर उपस्थित होंगे। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि 18 मार्च को उपस्थित नहीं होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होली मिलन समारोह मना

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर का होली मिलन माधोपुर दुर्गमचेरवू पार्क में मनाया। सभी लोगों ने नाच-गाना-खाना और फूलों की होली खेलकर होली उत्सव मनाया। कार्यक्रम में माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर की अध्यक्षा अरुणा गुप्ता,सचिव नीलम गुप्ता, कोषाध्यक्ष रचना गुप्ता, डा.मालती जी, आशा पनवरिया,मीनू, श्वेता, सुनीता,नूतन, पिंकी, शिप्रा, मधू, भावना, तनिषा, एंव अन्य गणमान्य अतिथि भी सम्मलित हुए सभी ने उत्साहपूर्ण हर्षोल्लास के साथ होली उत्सव मनाया।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन एन. के. सिंह एवं उनके परिवार द्वारा शांति निकेतन अनाथश्रम, वनस्थलीपुरम्, हैदराबाद में रहने वालों लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर एन. के. सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, सूर्यांश सिंह, राजेन्द्र तिवारी, पवन, निकिल आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मुरलीनगर शाखा का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मुरलीनगर शाखा का होली मिलन कार्यक्रम मुरली नगर में संकट मोचन हनुमान मंदिर के निकट संपन्न हुआ, कार्यक्रम में शाखा के सभी पदाधिकारी, परामर्शदाता, केंद्रीय समिति सदस्य व शाखा के सभी सदस्य अपने अपने परिवार के साथ उपस्थित दर्ज करवाई। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पंसारी व कोषाध्यक्ष राकेश जालान ने भाग लिया, इसके अंतरिक्ष पैराडाइज शाखा के अध्यक्ष अशोक चोखानी व मानद मन्त्री दीपक अग्रवाल एवं घांसी बाजार झुला शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य व अग्रमंजूषा के सह संपादक मुकेश केडिया ने भाग लिया, हमेशा की तरह श्री पवन गुरु ने अतिथि के रूप कार्यक्रम में में भाग लिया। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत शाखा के पदाधिकारियों में बड़े उत्साह के साथ किया। केंद्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने सभा को संबोधित किया और कहा कि इस कार्यकाल में शाखाएं बहुत अच्छी तरह से काम कर रही है। शाखा द्वारा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके गायक मनोज शर्मा व गायिका अर्पिता अपनी सुमधुर आवाज में भूले बिसरे गीतों से सभी का मन मोह लिया, इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल भालवाले की पत्नी ज्योति अग्रवाल ने भी अपनी मधुर व सुरेली आवाज में कई पुराने गीत सुना कर सभा में उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

भैंसा में गणगौर उत्सव प्रारम्भ

भैंसा, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा में मारवाड़ी महिलाओ का प्रिय गणगौर उत्सव बुधवार से प्रारंभ किया गया। प्रति वर्ष अनुसार होली पश्चात 16 दिवसीय उत्सव प्रारम्भ किया जाता है। आप को बतादे की सभी शहर में इस उत्सव को खास सिंजारे पर धूम धाम से ईसर गौर की बारात निकाली जाती है। भैंसा महिलाए द्वारा गौरा देवी की प्रतिमा को बारी बारी समाज के घरो में पूजी जाती है मंगल गीत गाये जाते है गली से राधा कृष्ण भवन तक फैरी की जाती है। मान्यता है कि इनके पूजने से सूखी जीवन व कुवारी कन्याओ को सुंदर वर की प्राप्ति होती है इनके भविष्य की मंगल कामना की जाती है। इस बार उत्सव की शुरुवात देवेश्री महेश पुरोहित घर से आयोजित किया गया। उत्सव में समाज की सभी महिलाए उत्साह के साथ शामिल हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दिल्ली सीएम ने ...

वर्तमान एक्साइज पॉलिसी का समय 31 मार्च को खत्म हो रहा है। जिसे छह माह के लिए आगे बढ़ाने का प्रस्ताव आबकारी विभाग की तरफ से दिया गया था। आबकारी मंत्री की तरफ से इसे मंजूरी देने के बाद प्रस्ताव सीएम अरविंद केजरीवाल के पास पहुंचा। जिसे सीएम अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को मंजूर कर लिया। दिल्ली सरकार के मुताबिक अब दिल्ली में वर्तमान में चल रही एक्साइज पॉलिसी 30 सितंबर 2023 तक लागू रहेगी।

मिशन वर्ल्ड कप पर टीम इंडिया: भारत-ऑस्ट्रेलिया दावेदार

वनडे सीरीज एक-दूजे की वीकनेस-स्ट्रेंथ जानने का मौका

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है। टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया है।

अब भारतीय टीम मिशन वनडे वर्ल्ड कप पर है। जो अक्टूबर-नवंबर में भारतीय सरजमीं पर ही खेला जाना है। टीम इंडिया ने आखिरी आखिरी वर्ल्ड कप भी अपनी सरजमीं पर ही जीता था। तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया था। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम को अपनी तैयारी भी पुख्ता रखनी होगी, क्योंकि भारतीय फैंस की उम्मीदें उस इतिहास को दोहराते देखने की होंगी। इस स्टोरी में आप भारतीय टीम के मिशन वर्ल्ड कप का रोड़मैप जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि इस मिशन में टीम इंडिया को किन-किन चुनौतियों से पार पाना होगा और हमारे हथियार क्या होंगे। हम भारत के पॉसिबल स्क्वॉड पर भी बात करेंगे और साथ ही एक्सपर्ट की राय भी लेंगे...

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से मिशन की शुरुआत

राहुल द्रविड़ की कोचिंग वाली भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से अपने वर्ल्ड कप अभियान का आगाज करेगी। टीम को वर्ल्ड कप से पहले कम से कम 14 वनडे मैच खेलने हैं। इनमें 9 द्विपक्षीय सीरीज के और 5 एशिया कप के मैच होंगे। यदि भारत एशिया कप के फाइनल में पहुंचता है तो एक मैच और बढ़ जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 17 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेला जाएगा। 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना उतर रही है, लेकिन चोट से वापसी कर रहे ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श टीम का हिस्सा होंगे। टीम की अगुआई स्टीव स्मिथ करेंगे।

जुलाई में वेस्टइंडीज दौरा

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज खेलने के बाद भारतीय टीम जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने जाएगी। वहां से

बोर्ड से सहमति मिलने के बाद भारतीय टीम को सितंबर महीने में पाकिस्तान में एशिया कप खेलना है। एशिया कप के बाद रोहित आर्मी अपने घर में कंगारुओं से 3 मुकाबलों की एक और सीरीज खेलेगी।

मजबूती: भारतीय टीम में स्टार परफॉर्मर्स की भरमार

भारतीय टीम बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही क्षेत्र में दमदार प्रदर्शन के साथ फील्डिंग में भी ठीक प्रदर्शन कर रही है। टीम के टॉप और मिडिल ऑर्डर में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे बल्लेबाज हैं। तो लोअर ऑर्डर की कमान हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा जैसे ऑलराउंडर के पास है। गेंदबाजी की बात करें, तो घरेलू पिचों पर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव के साथ अक्षर पटेल भी अच्छा कर रहे हैं। सीमर्स की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर जैसे बॉलर्स रहेंगे।

कमजोरी: बड़े मैचों में चोक कर रही टीम इंडिया

पिछले कुछ साल से टीम बड़े मैचों में चोक कर रही है। पिछले दो वर्ल्ड कप से हम टॉप-4 के मुकाबलों में हार कर बाहर हो रहे हैं। ऐसे में रोहित के सामने यह ट्रेंड बदलने की चुनौती होगी।

अब 2 पॉइंट में जानिए वे चुनौतियां, जिनका सामना टीम इंडिया को कर रही है

खिलाड़ियों की इंजरी भारतीय टीम के कई बड़े खिलाड़ी इंजरी से जूझ रहे हैं। रोहित की फिटनेस पर भी सवाल उठते रहे हैं। फिलहाल, बुमराह और अय्यर एनसीए में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वहीं, ऋषभ पंत कार दुर्घटना का शिकार हुए हैं। उनके भी खेलने पर संशय है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट के सामने अपने खिलाड़ियों को चोट से दूर रखने की चुनौती होगी, क्योंकि वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम को 14 वनडे मैचों के अलावा IPL भी खेलना है।

सही टीम कॉम्बिनेशन की तलाश सिलेक्टर्स के सामने वर्ल्ड कप के लिए सही टीम कॉम्बिनेशन तलाशने की चुनौती भी होगी, क्योंकि इस बार वर्ल्ड कप की मेजबानी हमें ही करनी है। ऐसे में टीम का कॉम्बिनेशन क्या हो इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

अब देखें वर्ल्ड कप के लिए भारत का पॉसिबल स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हार्दिक पंड्या, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह (अगर फिट रहें)।

स्टैंड बायः सूर्यकुमार यादव, वॉशिंगटन सुंदर, ईशान किशन, उमरान मलिक, भुवनेश्वर कुमार, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, उमरान मलिक। (इन्हीं में से 3 और खिलाड़ियों के 15 प्लेयर्स के स्क्वॉड में जगह बनाने के आसार हैं।)

चलते-चलते जानिए हमारे हथियार

वर्ल्ड कप में कोहली, रोहित, पंड्या, बुमराह और जडेजा जैसे खिलाड़ी तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। साथ ही घरेलू फैंस के सामने गिल और सूर्या भी अपना जलवा बिखेर सकते हैं।

हमारी अनुमति के बिना आईओसी नहीं करा सकती ओलंपिक क्वालिफायर

भारतीय दौरे पर आईबीए अध्यक्ष उमर क्रेमलेव

खेल डेस्क, 15 मार्च (एजेंसियां)। क्रेमलेव ने कहा कि ओलंपिक से पहले आईबीए ओलंपिक क्वालिफायर और विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए जिम्मेदार है। अगर आईओसी ओलंपिक क्वालिफायर का आयोजन कराना चाहता है तो इसके लिए उसे आईबीए की अनुमति लेनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (आईबीए) के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने मंगलवार को स्पष्ट कर दिया कि बिना उसकी अनुमति के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) पेरिस ओलंपिक के क्वालिफायर नहीं करा सकती है।

15 मार्च से आईजी स्टेडियम में शुरु हो रही विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए आए क्रेमलेव ने कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए दोनों संस्थाओं को समन्वय और आपसी सहयोग से काम लेकर इसे हल करना होगा।

क्रेमलेव ने कहा कि ओलंपिक से पहले आईबीए ओलंपिक क्वालिफायर और विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए जिम्मेदार है। अगर आईओसी ओलंपिक क्वालिफायर का आयोजन कराना चाहता है तो इसके लिए उसे आईबीए की अनुमति लेनी होगी। उल्लेखनीय है कि आईओसी ने आईबीए के प्रतिबंधित होने के चलते मुक्केबाजी के ओलंपिक क्वालिफायर खुद कराने की घोषणा की है।

मोरक्को में खेला जा सकता है फीफा वर्ल्ड कप 2030

मेजबानी के लिए स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिलकर मोरक्को करेगा बिड

खेल डेस्क, 15 मार्च (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप की बिड में अब एक और नया देश शामिल हो गया है। 2030 फीफा वर्ल्ड कप के लिए बिड ली जा रही है। इसमें अब स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिलकर मोरक्को भी मेजबानी कर सकता है।

इससे पहले यूक्रेन, स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिल कर बिड करने वाला था। लेकिन, रूस के खिलाफ जंग की वजह से यूक्रेन का रुख स्पष्ट नहीं हुआ है। यूक्रेन के फुटबॉल एसोसिएशन में जंग को लेकर चिंता भी बनी हुई है।

अफ़्रीकी देश मोरक्को के राजा मोहम्मद -6 ने कहा कि, मोरक्को ने फैसला किया है कि वह स्पेन और पुर्तगाल के साथ मिल कर 2030 वर्ल्ड कप की मेजबानी करने के लिए बिड करेगा। यह

पार्टनरशिप यूरोप और अफ्रीका को साथ लाएगी। हम अपना बेस्ट देंगे।

रवांडा में फुटबॉल संघ के बीच होगी मीटिंग

स्पेनिश फुटबॉल एसोसिएशन ने बोली में मोरक्को के शामिल होने की पुष्टि नहीं ही है। हालांकि, तीनों देशों के महासंघ किसी भी संभावित बदलाव की घोषणा करने से पहले बुधवार को रवांडा में मिलेंगे।

लैटिन अमेरिकी देशों ने भी की है बिड

अर्जेंटीना, चिली, पैराग्वे और उरुग्वे ने आधिकारिक तौर पर 2030 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए अपनी जॉइंट बिड लगाई है। 1930 में उरुग्वे में पाहजली बार वर्ल्ड कप खेला गया था। साउथ अमेरिका का फुटबॉल एसोसिएशन चाहता है कि 2030 में वर्ल्ड कप के 100 साल पूरे होने पर फिर लैटिन अमेरिका में ही खेला जाए।

2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिल कर होस्ट करेंगे वर्ल्ड कप

2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको साथ में होस्ट कर रहे है। 2026 में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप में 48 टीमें शामिल होंगी। पहले फीफा हर ग्रुप में 3 टीमें रखने पर विचार कर रहा था। लेकिन, अब 4 टीमों का एक ग्रुप बनेगा। पूरे टूर्नामेंट में 12 ग्रुप होंगे।

हेलिकॉप्टर से लटककर 1 मिनट में 32 पुल-अप

आर्मेनियाई एथलीट ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

येरेवन, 15 मार्च (एजेंसियां)। आर्मेनिया के एक एथलीट का हैरतअंगेज वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह हेलिकॉप्टर से लटककर पुल-अप लगाता नजर आ रहा है।

दरअसल, हैमजास्प लोयान नाम के इस एथलीट ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया और वह इसमें सफल भी रहा। लोयान ने अपने देश की राजधानी येरेवन में हेलिकॉप्टर से लटककर एक मिनट में 32 पुल-अप्स लगाए।

एक दिन पहले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने अपने अधिकृत पेज पर यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। लोयान ने अपने ही देश के रोमन सहराडियन के रिकॉर्ड को तोड़ा

है। सहराडियन के नाम पर एक मिनट में 23 पुल-अप लगाने का रिकॉर्ड था। सहराडियन ने यह रिकॉर्ड 2022 में बनाया था।

सहराडियन से ट्रेनिंग ली और उन्हीं का रिकॉर्ड तोड़ा

लोयान ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने पिछला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले रोमन सहराडियन से ट्रेनिंग ली और बाद में उन्हीं का रिकॉर्ड तोड़ा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने किया ऐलान

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तरफ से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया- एक मिनट में हेलिकॉप्टर से सबसे अधिक पुल-अप करने का रिकॉर्ड अब हैमजास्प लोयान के नाम है। उन्होंने एक मिनट में 32 पुल-अप किए हैं।

1955 में शुरू हुआ था गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को पहली बार 27 अगस्त 1955 में प्रकाशित किया गया था। इसे शुरू करने का श्रेय ब्रिटिश-दक्षिण अफ्रीकी इंजीनियर सर हग बीवर को जाता है। 1999 तक जीडब्ल्यूआर को द गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नाम से जाना जाता था। इस रिकॉर्ड बुक में हर साल मानवीय उपलब्धियों और नेचुरल वर्ल्ड के कीर्तिमानों को छापा जाता रहा है।

इंग्लैंड ओपन:प्रणय और सेन ने अगले दौर में जगह बनाई

बर्मिंघम, 15 मार्च (एजेंसियां)। ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पहले दिन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन पहला राउंड जीतकर दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। एचएस प्रणय ने ताइवान के वांग जू-वी को हराया। मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में भारतीय शटलर ने लगातार दो गेम्स 21-19 और 22-20 से जीतकर दूसरे दौर में अपनी जगह बना ली। दोनों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली।

अंत में दोनों ही खिलाड़ी 19-19 अंक की बराबरी पर थे, जिसके बाद प्रणय ने 22-20 के अंतर से गेम जीता।

वहीं, लक्ष्य सेन ने भी ताइवान के ही चाउ टीएन-चेन को हराकर उनके अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदों को तोड़ दिया। सेन ने यह मुकाबला 21-18, 21-19 से जीत लिया। लक्ष्य सेन पिछले सीजन के फाइनलिस्ट रह चुके हैं। भारतीय शटलर पीवी सिंधु का पहला मुकाबला चीन की शटलर जैंग के खिलाफ होगा। साइना नेहवाल ने मैच से पहले अपना नाम वापस ले लिया। हालांकि, उन्होंने अपने इस फैसले का कोई कारण नहीं बताया है।

हरियाणा महिला बॉक्सर- बीएफआई विवाद:तीनों बॉक्सर नहीं खेल पाएंगी चैंपियनशिप

हाईकोर्ट के फैसले से टूटी उम्मीद, चयन पर उठाए थे सवाल

रोहतक, 15 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की तीन बॉक्सरों व बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच चल रहे विवाद में मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की बहस के बाद कोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को खेल में शामिल करने की अनुमति देने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट की शरण में गई तीनों बॉक्सर रिजर्व कैटेगरी में रखी गई हैं। किसी खिलाड़ी के न खेलने की स्थिति में ये खेल पाएंगी।

6 सप्ताह में मांगा हलफनामा

एडवोकेट संदीप लांबा ने बताया कि याचिकाकर्ताओं को आरक्षित उम्मीदवार के रूप में रखने के लिए कहा। साथ ही 6 सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने के निर्देश भी दिए। वहीं अब 9 मई को सुनवाई होगी। जिसमें कोर्ट ने पक्षकारों को बुलाया है। साथ ही जवाब भी मांगा गया है।

अगर कोई खिलाड़ी नहीं खेलेगा तो इन खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

कोच विजय हुड्डा ने बताया कि हरियाणा की तीनों बॉक्सर खिलाड़ियों को हाईकोर्ट से अंतिम उम्मीद थी। ताकि वे वर्ल्ड चैम्पियनशिप में खेल पाएं। लेकिन अब यह उम्मीद भी खत्म हो गई है। केवल रिजर्व श्रेणी में रखा गया है। ऐसे में अगर कोई खिलाड़ी उपस्थित नहीं होता है तो इन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है, अन्यथा नहीं।

कल से आरंभ होगी वर्ल्ड चैंपियनशिप

बता दें कि 15 मार्च से वर्ल्ड चैंपियनशिप का आगाज होगा। जो 26 मार्च तक चलेगी। दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में 12 दिनों तक विभिन्न देशों के बॉक्सर अपने पंच का दम दिखाएंगे। वहीं हाईकोर्ट 14 मार्च की तारीख दी थी। अगर फैसला खिलाड़ियों के पक्ष में आता और तो उनका वर्ल्ड चैंपियनशिप में चयन हो पाता। लेकिन अभी फैसला नहीं आया है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयनित 12 खिलाड़ियों में से 8 हरियाणा की

बीएफआई द्वारा वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की गई थी। इस टीम में देशभर की 12 महिला बॉक्सरों की टीम का चयन किया गया था। जिनमें से 8 खिलाड़ी हरियाणा की रहने वाली थी। वहीं 5 खिलाड़ी अकेले मिनी क्यूबा के नाम से प्रसिद्ध भिवानी जिले से हैं जो महिला विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में खेलेंगी।

चयन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

हरियाणा के रोहतक के गांव रिठाल फोगाट निवासी मंजू रानी, गांव रिठाल नरवाल निवासी शिक्षा व हिसार निवासी पूनम ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि टीम चयन के दौरान भ्रष्टाचार व धांधली हुई है। जिसके कारण उनका नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयनित टीम में नहीं हैं।

पहली रैंक से हटाया

48 किलोग्राम भार वर्ग की बॉक्सर मंजू रानी ने कहा कि वह भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक विजेता हैं। उसे पहली रैंक से हटाकर दूसरे नंबर पर डाल दिया। जिस बॉक्सर को नंबर एक पर स्थान दिया है, वह केवल हरियाणा स्टेट में खेली और कोई मेडल भी नहीं ले सकी। जिसका कैंप में तीसरे नंबर पर नाम था। उसे वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में खिलाया जा रहा है।

11 नेशनल मेडलिस्ट में से 9 को चुना केवल 2 को छोड़ा

हिसार निवासी बॉक्सर पूनम पूनिया ने कहा कि नेशनल में गोल्ड मेडल जीतने वाली 11 अन्य बॉक्सरों में से 9 को वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चुना है। इंडिया के लिए टॉप परफॉर्मेंस देने के बाद भी देश के लिए नहीं खेल रही हैं। पिछले कुछ सालों में देश के टॉप खिलाड़ी कोर्ट गए हैं। देश में कुछ खेल संघ को कोर्ट द्वारा निलंबित भी किया गया।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में जीता था गोल्ड

शिक्षा नरवाला ने 20-26 दिसंबर 2022 में आयोजित सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं मई 2022 में तूर्किये में आयोजित महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लिया, 2021 में हिसार में आयोजित सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल, साउथ एशियन गेम में सिल्वर मेडल जीता। इसके अलावा अन्य प्रतियोगिताओं में भी मेडल अपने नाम कर चुकी हैं, लेकिन उनको भी टीम में जगह नहीं दी।

नॉर्वे के डांस क्रू क्विक स्टाइल के साथ थिरके विराट

रील बनाई, बैट पकड़कर डांस किया, क्रू उन्हें फॉलो करता नजर आया

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। विराट कोहली ने मुंबई में मंगलवार को नॉर्वे के डांस ग्रुप क्विक स्टाइल के मेंबर्स से मुलाकात की। वे क्विक स्टाइल के साथ 'स्टीरियो नेशन' के गाने 'इश्क' पर थिरकते नजर आए। क्रिकेटर ने डांस क्रू के सदस्यों के साथ फोटो भी शेयर किया। इसमें कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ₹देखिए मैं मुंबई में किससे मिला।

शूट के दौरान कोहली ने ग्रुप के साथ एक रील बनाई। इसमें क्विक स्टाइल का एक मेंबर एक क्रिकेट बैट उठाता है, वह यह नहीं जानता कि इसका क्या किया जाए। एक सफेद टी-शर्ट और काली जींस पहने, कोहली सीन में आते हैं। बल्ला पकड़कर स्टेप्स करते है। डांस क्रू उन्हें फॉलो करता है।

बॉलीवुड गानों पर डांस करने के लिए फेमस है क्विक स्टाइल

नॉर्वे का डांस क्रू क्विक स्टायले बॉलीवुड गानों पर डांस करने के लिए फेमस है। क्विक स्टाइल ने कुछ महीने पहले अपने ही साथी की शादी में काला चश्मा और साड़ी गली गाने पर डांस किया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद डांस क्रू की लोकप्रियता बढ़ गई। क्विक स्टाइल भारतीय और पाकिस्तानी गानों पर डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करता रहता है।

भारतीय खिलाड़ियों ने चौथे टेस्ट के पहले अहमदाबाद में जमकर होली खेली थी। इस दौरान विराट कोहली ने टीम बस में शुभमन गिल के साथ डांस भी किया था। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में नागपुर में शाहरुख खान की मूवी पठान के गाने का हुक स्टेप भी किया था।

बांग्लादेश ने वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड पर क्लीन स्वीप किया

तीसरे टी-20 मुकाबले में 16 रन से हराया, सीरीज पर 3-0 से कब्जा किया

खेल डेस्क, 15 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने मंगलवार को मीरपुर के शेर-ए- बांग्ला स्टेडियम में विश्व चैंपियन टीम इंग्लैंड को 3 टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में 16 रन से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट खो कर 158 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खो कर 142 रन ही बना स की । बांग्लादेश के लिटन दास को 73 रन की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना ग या । न ज मु ल हुसैन शान्तो को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

बांग्लादेश के लिए लिटन दास ने खेली अर्धशतकीय पारी

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी कर रही मेजबान टीम के लिए ओपनर बैटर लिटन दास ने 57 गेंदों पर 73 रन बनाए। 55 रन पर टीम का पहला विकेट गिरा। उनके अलावा नजमुल हुसैन शान्तो ने नाबाद 47 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद और क्रिस जॉर्डन ने 1-1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल सॉल्ट और डेविड मलान ने पारी की शुरुआत की। साल्ट शून्य पर आउट हुए। इंग्लैंड के लिए डेविड मलान ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। उनके अलावा जोस बटलर ने 40 और क्रिस वोक्स ने 13 रन की पारी खेली।

कांग्रेस नेताओं को 'चलो राजभवन' मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया

बैरिकेड्स तोड़कर राजभवन जाने कोशिश पर पुलिस ने किया बल का प्रयोग

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बुधवार को कांग्रेस नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को उस वक्त हिरासत में ले लिया गया, जब उन्होंने अडानी समूह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच संबंधों को "बेनकाब" करने के लिए राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश की। व्यस्त खैरताबाद चौराहे पर तनाव व्याप्त हो गया क्योंकि पुलिस ने कांग्रेस की रैली को रोक दिया। रैली गांधी भवन में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यालय से शुरू हुई और राज्यपाल के आधिकारिक आवास राजभवन की ओर जा रही थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बेरिकेड्स लगा दिए थे। पुलिस कार्रवाई को लेकर पुलिस अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया और उन्हें हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क, वरिष्ठ नेता मल्लू रवि, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष अंजन कुमार यादव, पार्टी की महिला, युवा और छात्र शाखा के नेता शामिल हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी के बीच संबंधों को "बेनकाब" करने के लिए चलो राजभवन का आह्वान किया था।

पार्टी के झंडे और 'एलआईसी बचाओ' लिखी तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की "जनविरोधी" नीतियों के खिलाफ नारे लगा रहे थे। खैरताबाद चौराहे पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि "प्रधानमंत्री अरबों रुपये के घोटालों में शामिल अडानी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं"। उन्होंने कहा, "भाजपा संवैधानिक संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और लोगों के जीवन को तब तक नष्ट करना जारी रखेगी जब तक कि वह सत्ता से बाहर नहीं हो जाती।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि "अडानी घोटाले" की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की विपक्ष की मांग को खारिज करके, प्रधानमंत्री अडानी को "बचाने" की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, "वह (मोदी) उन लोगों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं जो देश के धन को लूट रहे हैं, जबकि हम सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं।"

बालकृष्ण ने वाईएसआरसीपी विधायक को दी चेतावनी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी नरसरावपेटा के विधायक, गोपीरेड्डी श्रीनिवास रेड्डी, भास्कर रेड्डी नाम के एक वाईसीपी कार्यकर्ता के साथ हाल ही में हुई एक घटना के बाद खुद को मुश्किल में पाया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में, भास्कर रेड्डी ने एक बालकृष्ण फिल्मी गाना बजाया, जिससे विधायक भड़क गए, जिसके कारण उन्होंने युवक को गाली दी और परेशान किया। घटनाओं के एक दुखद मोड़ में, भास्कर रेड्डी ने विधायक और उनके आदमियों द्वारा असहनीय यातना का हवाला देते हुए विधायक के घर के पास आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बारे में सुनकर अभिनेता और राजनेता नंदामुरी बालकृष्ण ने विधायक के व्यवहार पर नाराजगी जताई और कड़ी चेतावनी जारी की। बालकृष्ण ने विधायक के इस विश्वास पर सवाल उठाया कि लोग उनके गुलाम थे और कहा कि एक सिनेमा नायक के रूप में, उनके गीतों का समाज के सभी वर्गों द्वारा आनंद लिया जाता है। उन्होंने विधायक को चेतावनी दी कि अगर उनके गाने बजाने वालों के प्रति उनका व्यवहार जारी रहा तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

राष्ट्रीय वन खेलों में तेलंगाना 16 पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा

मंत्री इंद्रकरन रेड्डी और मुख्य सचिव शांति कुमारी ने एथलीटों को बधाई दी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 26 वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता (एआईएफएसएम) पंचकुला, हरियाणा में आयोजित की गई। चार दिनों तक चलने वाले इस राष्ट्रीय खेल उत्सव में तेलंगाना की ओर से एथलीट के रूप में भाग लेने वाले वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। कुल 16 पदकों के साथ, तेलंगाना राष्ट्रीय स्तर पर नौवें स्थान पर रहा। मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी, मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी को बधाई। तेलंगाना की ओर से भाग लेने वाले एथलीटों ने आठ स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक जीते। छत्तीसगढ़, कर्नाटक और केरल राज्यों के वन विभाग शीर्ष तीन पदों पर हैं। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आईएफएस अधिकारी सोनी बालादेवी को बिलियर्ड्स में दो स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। बालादेवी ने बीआरके भवन में मुख्य सचिव से मुलाकात कर राष्ट्रीय वन खेलों की जानकारी दी। एथलेटिक्स में बी खाजा, एम सुनीता, वी साबैया, तैराकी में जी. किश्त गौड़, बी. सकरू और कैरम में गाजी कमालुद्दीन के साथ तेलंगाना वन विभाग के कर्मचारियों ने शतरंज, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और अन्य खेलों में पदक जीते। पीसीसीएफ डोबरियाल ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और राज्य के एथलीटों का हौसला बढ़ाया। पीसीसीएफ (एफएसी) एम.सी. पुरुगैन ने तेलंगाना वन विभाग की ओर से समन्वयक के रूप में काम किया।

सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से युवा रहें सावधान: डीएस चौहान

राचकोंडा पुलिस ने साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचाकोंडा आयुक्तालय और राचकोंडा सुरक्षा परिषद के तत्वावधान में मंगलवार को इब्राहिमपटनम में गुरु नानक शैक्षणिक संस्थानों में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राचकोंडा आयुक्त डी.एस. चौहान ने आईपीएस युवाओं को साइबर अपराधों से सतर्क रहने और सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से सावधान रहने की सलाह दी। आयुक्त ने कहा कि आज के आधुनिक तकनीकी युग में विभिन्न उद्देश्यों के लिए कई प्रकार के तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, और उनके कारण कई पीड़ितों को विभिन्न तरीकों से किए गए अपराधों के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह सलाह दी जाती है कि डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के विवरण को सुरक्षित रखें और उचित साइबर सुरक्षा के बिना ऐसे कार्डों के उपयोग से यथासंभव बचें। लॉटरी में पैसा जीतने का दावा करने वाले फर्जी फोन कॉल और संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। जहां तक संभव हो, यह सलाह दी जाती है कि असुरक्षित सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करके कोई भी डिजिटल भुगतान न करें। उन्होंने कहा कि युवा खासकर सोशल मीडिया पर लापरवाही बरतने के कारण साइबर अपराधियों के झांसे में आ जाते हैं और ठगे जाते हैं। युवाओं को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया पर अजनबियों से दोस्ती से दूर रहें और ध्यान रखें कि सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी निजी जानकारी और फोटो पोस्ट न करें। उन्होंने कहा कि अगर आपका इंटरनेट पर किसी तरह का उत्पीड़न होता है तो आप तुरंत पुलिस को सूचित करें और पुलिस पीड़ितों की मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो पुलिस पीड़ितों की जानकारी गोपनीय रखेगी। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम पुलिस के टोल फ्री नंबर 1930 पर संपर्क कर साइबर क्राइम की शिकायत की जा सकती है। इस कार्यक्रम में डीसीपी अनुराधा साइबर क्राइम, डीसीपी रोड सेफ्टी श्री बाला देवी, डीसीपी महेश्वरम श्रीनिवास, एसीपी उमा महेश्वर राव, एसीपी वेंकटेशम, एंड नाउ फाउंडेशन के संस्थापक अनिल रचमल्ला, गगनदीप कोहली, सावित्री और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

केन्द्रीय मंत्री ने सीएम केसीआर से जमीन आवंटित करने का आग्रह किया

एसएनए क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने के लिए शहर में चाहिए 10 एकड़ भूमि

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक पत्र लिखकर राज्य की राजधानी के केंद्र में संगीत नाटक अकादमी का एक क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने के लिए सरकार 10 एकड़ की उपयुक्त भूमि आवंटित करने का अनुरोध किया है। । उन्होंने यह भी कहा कि संगीत नाटक अकादमी इसे एक अत्याधुनिक क्षेत्रीय केंद्र और एक प्रमुख सांस्कृतिक स्थान के रूप में विकसित करेगी जो राज्य के सांस्कृतिक विकास और प्रदर्शनकारी माहौल को बढ़ावा देगा। साथ ही, पूर्व-मौजूदा संरचनाओं और भवनों जैसे बुनियादी ढांचे की उपलब्धता से केंद्र को जल्द से जल्द शुरू करने में संस्कृति मंत्रालय और एसएनए के प्रयासों में तेजी आएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना एक समृद्ध और विविध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से संपन्न है, जिसमें पेरिनी शिवतांडवम जैसे नृत्य रूप शामिल हैं, जिन्हें काकतीय वंश द्वारा संरक्षण दिया गया है और कहानी कहने के पारंपरिक रूप जैसे गोला सुडुलु, ओगु कथलू, गोत्रालू और चिंदु शामिल हैं। तेलंगाना की बड़ी जनजातीय आबादी भी गुसाडी, लम्बाडी, मयूरी और धिमसा जैसे अद्वितीय नृत्य रूपों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। इसके अलावा, तेलंगाना उत्तरी और दक्षिणी भारत के बीच एक सेतु भी है, जो समकालिक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के कई तत्वों के घर के रूप में है। उन्होंने कहा कि संगीत नाटक अकादमी की अब दो घटक इकाइयां हैं, इम्फाल में जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी (एनएमडीए) और दिल्ली में कथक केंद्र है। घटक इकाइयों के अलावा, अकादमी के पास वर्तमान में पांच केंद्र कुटियाट्टम केंद्र, तिरुवनंतपुरम, केरल के सदियों पुराने संस्कृत थिएटर को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए, सत्रि.ा केंद्र, गुवाहाटी असम की सत्रिया परंपराओं को बढ़ावा देने के लि। उत्तर-पूर्वी भारत की पारंपरिक और लोक प्रदर्शन कला परंपराओं को संरक्षित करने के लिए उत्तर-पूर्व केंद्र, गुवाहाटी उत्तर-पूर्व में त्योहार और फील्ड प्रलेखन के लिए उत्तर-पूर्व प्रलेखन केंद्र, अगरतला पूर्वी भारत के छऊ नृत्यों को बढ़ावा देने के लिए छाऊ केंद्र, चंदनकियारी है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तेलुगु राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को और बढ़ावा देने के लिए, संस्कृति मंत्रालय अब हैदराबाद में संगीत नाटक अकादमी का एक क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का इरादा रखता है क्योंकि आप जानते हैं कि अकादमी की भारत में कोई उपस्थिति नहीं है। अब तक तेलंगाना या आंध्र केंद्र की परिकल्पना संगीत, लोक और आदिवासी कला, रंगमंच और कठपुतली के अनुसंधान और प्रलेखन को बढ़ावा देने के लिए की गई है क्योंकि एसएनए के अन्य सभी क्षेत्रीय केंद्र नृत्य रूप को पूरा करते हैं।

प्रतियोगिता आयोजन का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना : सीवी आनंद

सिटी पुलिस की चार दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की चार दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने किया। शिव कुमार लाल पुलिस स्टेडियम, गोशामहल में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टॉलीवुड अभिनेता आदिवासी शेष थे। आनंद ने उद्घाटन पर बोलते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना , खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और पुलिस कर्मियों के बीच सौहार्द बनाना है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान शारीरिक फिटनेस के महत्व पर जोर दिया और बताया कि यह कैसे उनके प्रदर्शन को बढ़ा सकता है और तनाव को कम कर सकता है। फिटकॉप ऐप के माध्यम से पकड़े गए परेशान करने वाले स्वास्थ्य आंकड़ों का खुलासा करते हुए, उन्होंने पुलिस कर्मियों को फिटकॉप ऐप के माध्यम से पालन करने के प्रतिरोध से बचने के लिए प्रोत्साहित किया और उनसे आहार और व्यायाम के माध्यम से अपने स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती को प्राथमिकता देने और परिवार के सदस्यों को भी कवर करने का आग्रह किया। यहां दिखाई देने वाली सभी प्रतिभाएं स्टेट स्पोर्ट्स मीट और ऑल इंडिया नेशनल पुलिस स्पोर्ट्स मीट में शामिल होंगी। अभिनेता आदिवासी शेष ने पुलिस की सेवाओं की सराहना की और उनके समर्पण और बलिदान के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। शनिवार को विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक पुरस्कार समारोह के साथ स्पोर्ट्स मीट का समापन होगा।

टीसपीएससी की सहायक अभियंता परीक्षा रद्द

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीसपीएससी की सहायक अभियंता परीक्षा रद्द कर दी गई है। बीते पांच मार्च को आयोजित सहायक इंजीनियर की परीक्षा रद्द कर दी गई है। पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द करने की घोषणा की गई है। टीसपीएससी ने कहा कि वे जल्द ही नई परीक्षा तिथि की घोषणा करेंगे। राज्य भर में इस परीक्षा के लिए 74 हजार लोगों ने आवेदन किया था और करीब 55 हजार लोगों ने परीक्षा दी थी। एसआईटी ने टीएसपीएससी कार्यालय में पेपप लीक की घटना की जांच की थी।

भाजयुमो के सात कार्यकर्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सात कार्यकर्ताओं को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग में एई (सिविल) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से जबरन घुसने, दंगा करने, लोक सेवक को अपने कर्तव्यों का पालन करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने मंगलवार दोपहर टीएसपीएससी में परीक्षा पेपर लीक मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस ने प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष भानु प्रकाश सहित छह अन्य को हिरासत में ले लिया। उनके खिलाफ बेगम बाजार थाने में मामला दर्ज किया गया था।

कलेक्टर हरीश ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षाएं बुधवार 15 मार्च से शुरू हो गई। गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, एलबी नगर, रंगा रेड्डी जिला सरूर नगर जिले के शिवानी जूनियर कॉलेजों में चल रहे परीक्षा केंद्र

कलेक्टर हरीश ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कमरों में घूमकर प्रबंधन शैली को बारीकी से देखा गया। छात्रों की उपस्थिति के संबंध में कलेक्टर ने पूछताछ की। सीसी कैमरों की निगरानी करने का कलेक्टर ने अधीक्षक को सुझाव दिया। गहन निरीक्षण के बाद छात्रों को अंदर जाने दिया जाए। हर केंद्र पुलिस कर्मी ड्यूटी पर हैं। सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। जिला अंतर शिक्षा अधिकारी वेंक्य नाईक कलेक्टर के साथ रहे।

कोटामरेड्डी श्रीधर रेड्डी और तेदेपा के 12 सदस्य आंध्र प्रदेश विधानसभा से निलंबित

अमरावती, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के घटनाक्रम में वाईएसआरसीपी के बागी विधायक कोटम रेड्डी श्रीधर रेड्डी और 12 टीडीपी विधायकों को आंध्र प्रदेश विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है।

यह घोषणा स्पीकर तम्मिनेनी सीताराम ने की, जिन्होंने कहा कि कोटम रेड्डी श्रीधर रेड्डी, पय्यावुला केशव और निम्मला रामानायडू को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया जाएगा, जबकि बाकी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। उनके बार-बार सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और सदन को गुमराह करने के कारण यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले टीडीपी के दो सदस्य पय्यावुला केशव और निम्मला रामानायडू को भी स्पीकर ने निलंबित कर दिया था। इसके चलते तेदेपा के कुछ सदस्यों ने अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की।

दक्षिण मध्य रेलवे से 18 को चलेगी पहली भारत गौरव ट्रेन : अरुण कुमार जैन

देश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को जोड़ेगी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय ने रेल द्वारा देश के भव्य स्थलों को जोड़ते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 'भारत गौरव' गाड़ी की अवधारणा आरंभ की है। तदनुसार, भारतीय रेल खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने दमरे जोन में प्रथम सेवा प्रदाता के रूप में पंजीकरण किया है। 18 मार्च, 2023 को आईआरसीटीसी द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे से पहली भारत गौरव पर्यटक गाड़ी सेवा आरंभ की जा रही है। 'पुण्यक्षेत्र यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या' नाम की यह गाड़ी सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से आरंभ होगी और मार्ग में (यात्रियों के चढ़ने/उतरने के लिए) दोनों तेलुगु राज्यों के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। इस संबंध में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने 15 मार्च को रेल निलयम, सिकंदराबाद में इस गाड़ी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस दौरान पी. उदय कुमार रेड्डी, अपर महाप्रबंधक, दमरे, अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद, पी. राजा कुमार, ग्रुप महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन पत्रकारों को बताया कि 'पुण्यक्षेत्र यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या' भारत गौरव यात्रा ट्रेन आईआरसीटीसी द्वारा चलाई जा रही है। एक बार में कई ऐतिहासिक और तीर्थ स्थलों की यात्रा करने वाले इच्छुक रेल यात्रियों के लिए एक अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि 18 से 26 मार्च, 2023 तक 8 रात और 9 दिन की पुण्यक्षेत्र यात्रा में पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित ही यह यात्रा यात्रियों को एक विविध और आरामदायक पर्यटन अनुभव प्रदान करेगी। यात्री दोनों तेलुगु राज्यों के नामित स्टेशनों जैसे सिकंदराबाद, काजीपेट, खम्मम, विजयवाडा, राजमंड्री, विशाखपट्टनम और विजयनगरम से गाड़ी में चढ़ और उतर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह गाड़ी व्यक्तिगत रूप से योजना बनाने और उपयुक्त गाड़ी, आवास, भोजन आदि जैसी यात्रा संबंधी सभी प्रकार की व्यवस्था करने में आने वाली सभी कठिनाइयों से बचाती है। आईआरसीटीसी, जिसके पास इस क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव है। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए यात्रा कार्यक्रम तैयार किया है। यह आरामदायक, संरक्षित और सुरक्षित यात्रा विकल्प प्रदान करती है। महाप्रबंधक ने बताया कि ट्रेन में 700 (शयनयान-460, 3एसी-192, 2एसी-48) सीटें शामिल है। ट्रेन के यात्रियों को पुरी- भगवान जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क-सूर्य मंदिर तथा समुद्र बीच, गया-विष्णु पाद मंदिर, वाराणसी-श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और कोरिडोर, काशी विशालाक्षी तथा अन्नपूर्णा देवी मंदिर, सांयकाल गंगा आरती, अयोध्या- राम जन्मभूमि, हनुमानगढ़ी और सरयू नदी किनारे आरती, प्रयागराज- त्रवेणी संगम, हनुमान मंदिर और शंकर विमान मंडपम जाने का मौका मिलेगा। भारत गौरव पर्यटक गाड़ी की अगली यात्रा 18 अप्रैल 2023 से इसी यात्रा विवरण और गाड़ी संरचना के साथ आरंभ होगी। एक प्रश्न के उत्तर में महाप्रबंधक ने कहा कि ट्रेन चिकित्सा व्यवस्था से लैंश होगी। इसमें एक डॉक्टर और दो नर्स तैनात रहेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

हाईकोर्ट ने चिरंजीवी को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जुबली हिल्स में भूमि विवाद को लेकर तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मेगास्टार चिरंजीवी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने फैसला सुनाया कि जुबली हिल्स हाउसिंग सोसाइटी के विवादित स्थल पर कोई निर्माण नहीं किया जाना चाहिए और चिरंजीवी और जुबली हिल्स सोसाइटी को निर्माण गतिविधियों से परहेज करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने विवादित स्थल पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए आवंटित की गई भूमि को जुबली हिल्स सोसाइटी द्वारा चिरंजीवी को बेच दिया गया था। नियमों का उल्लंघन कर जमीन बेचने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की गई थी। उच्च न्यायालय ने जुबली हिल्स हाउसिंग सोसाइटी और जीएचएमसी को काउंटर दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को निर्धारित की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.